@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 18 सितंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 313 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आतिशी होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 17 सितंबर। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में कई नाम शामिल थे। इसमें मौजूदा कैबिनेट के सदस्य आतिशी, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत के अलावा पूर्वी दिल्ली लोकसभा के प्रत्याशी रहे कुलदीप कुमार, विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़लान समेत दूसरे नाम भी शामिल थे। लेकिन आतिशी के नाम पर मुहर लग गई है। आतिशी ने सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में आप पर जमकर हमला बोला। दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा होगा आतिशी का, पर पूरा का पूरा पॉवर सेंटर अरविंद केजरीवाल बंनेगे। वहीं भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं किया, आपने फिर से जनता के साथ छलावा किया है। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आप की ओर से प्रस्तावित सीएम आतिशी ने कहा कि केजरीवाल पर भाजपा ने फर्जी आरोप लगाए। केंद्र ने जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया। केजरीवाल जैसा फैसला आज तक किसी ने नहीं लिया। हमारा मिशन केजरीवाल को फिर सीएम बनाना है। जब तक चुनाव नहीं होते तब तक मैं दिल्ली के लोगों की रक्षा करूंगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, उन्होंने दिल्ली के एलजी विनय कुमार

सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में चल रही सियासी हलचल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से लिखा, दिल्ली में हो रही नौटंकी देश देख रहा है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल विधायक दल की बैठक के बाद प्रस्तावित सीएम आतिशी और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ एलजी ऑफिस पहुंचे। केजरीवाल दिल्ली के सीएम पद से अपना इस्तीफा देंगे। आम आदमी पार्टी के एक विधायक सत्येंद्र जैन अभी जेल में है। दो विधायक पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। जबकि एक विधायक ने पार्टी को छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। भाजपा में गए राजकुमार आनंद की विधायक की सदस्यता जा चुकी है। वह पूर्व विधायक हो गए हैं। केजरीवाल के आवास पर चली बैठक में 57 विधायक मौजूद रहे। आप विधायक मदनलाल ने कहा कि आतिशी पर मुख्यमंत्री पहले से विश्वास करते थे। सरकार में सबसे ज्यादा 14 मंत्रालय उन्हीं के पास था। उसे समय भाजपा ने कोई आरोप नहीं लगाया। आज भाजपा के पास कहने के लिए कुछ नहीं है तो बे बुनियाद आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद आतिशी को महत्वपूर्ण कार्य करने हैं। इनमें से महिला सम्मान योजना को लागू करना है। इस योजना में दिल्ली की हर महिला को 1000 प्रतिमा की आर्थिक मदद दी जाएगी। विधानसभा भंग करने पर विधायकों ने कहा कि हमारे पास पूर्ण बहुमत है। दिल्ली की जनता ने हमें काम करने के लिए चुना है। दिल्ली के विकास के लिए आम आदमी पार्टी सरकार ने जो भी योजनाएं शुरू की है उन सभी को आगे भी जारी रखा जाएगा।

झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथः पीएम मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

रांची , 17 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम और भारी बारिश की वजह से पीएम मोदी सड़क मार्ग से यहां पहुंचे। उन्होंने झारखंड की मौजूदा गठबंधन की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन हैं- झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस। झारखंड के निर्माण का बदला आज भी राजद झारखंड से उतारती है और कांग्रेस को तो झारखंड से नफरत है ही। ये झामुमो वाले, जिन्होंने आदिवासियों के वोट से अपनी राजनीति चमकाई, आज वो किसके साथ खड़े हैं? ये लोग आदिवासियों के जंगल जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी झामुमो को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा के भीतर भी घुस गए हैं। जानते हैं ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है। जब किसी पार्टी में कांग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टिकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है।

विधेयक वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धः अमित शाह

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 सितंबर। वक्फ (संशोधन) विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले दिनों में इस संसद में पारित किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यह बात कही। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को भी रोकेगा। इस विधेयक क पिछले महीने लोकसभा में पेश किया गया था। विपक्ष ने मसौदा कानून के प्रावधानों पर आपत्ति जताई थी। जिसके बाद इसे जांच के लिए एक संसदीय समिति के पास भेजा

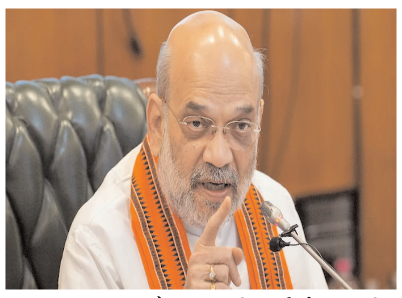

गया था। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक का मकसद विवादों को कम करना है। यह डिजिटल मंच पर वक्फ संपत्तियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण और निगरानी का भी प्रावधान करता है। सरकार के पहले सौ दिनों की उपलब्धियों को गिनाने हुए अधिकारी ने कहा कि पांच करोड़ आदिवासियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के मकसद से 63 हजार आदिवासी गांवों का विकास किया जाएगा।

राहुल के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर खरगे ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 17 सितंबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा नेताओं के बयानों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और शिष्टाचार के माध्यम से ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। ऐसे बयानों के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भारत की राजनीति को पतन की ओर जाने से रोका जा सके। खरगे ने लिखा, एक अहम मुद्दे पर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं, जो सीधे लोकतंत्र और संविधान से जुड़ा हुआ है। आप अवगत होंगे कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक, हिंसक और अशिष्ट बयानों का सिलसिला चल रहा है। मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि भारतीय जनता पार्टी और आपके सहयोगी दलों के नेताओं ने जिस हिंसक भाषा का प्रयोग किया है, वह भविष्य के लिए घातक है। सभी हैरान हैं कि केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री, भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के मंत्री, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता को नंबर एक आतंकवादी कह रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, महाराष्ट्र में आपकी सरकार में सहयोगी दल का एक विधायक, नेता प्रतिपक्ष की जुबान काट कर लाने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा कर रहे हैं। दिल्ली में एक भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक, उनका हस्र दादी जैसा करने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अहिंसा, सद्भाव और प्रेम के लिए विश्व भर में जानी जाती है। इन बिंदुओं को हमारे नायकों ने राजनीति में मानक के रूप में स्थापित किया।

नेपाल में 362 लोगों को पर्वतारोहण की अनुमति मिली

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में 54 देशों के 362 लोगों को पर्वतारोहण की अनुमति दी गई। इनमें 88 महिला पर्वतारोही भी हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग के अनुसार, पर्वतारोहियों में से 308 को 8,163 मीटर ऊंची दुनिया की आठवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मनास्लू पर चढ़ने की अनुमति दी गई है। वहीं 14 लोगों को 8,167 मीटर ऊंची दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट धौलागिरि पर चढ़ने की अनुमति दी गई है। समाचार एजेंसी के अनुसार, सरकार को परमिट जारी करने से रॉयल्टी शुल्क के रूप में 3,00,525 अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिला है। विभाग के निदेशक राकेश गुरुंग ने कहा, हमने पिछले वर्ष शरद ऋतु में लगभग 1,300 पर्वतारोहियों को अनुमति प्रदान की थी। हमें इस वर्ष भी इतनी ही संख्या में पर्वतारोहियों के आने की उम्मीद है। नेपाल में शरद ऋतु में चढ़ाई का मौसम सितंबर में शुरू होता है और नवंबर तक चलता है।

मध्य सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 40 नागरिकों की मौतः प्रतिरोध समिति

खार्तूम। मध्य सूडान के एक गांव पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में करीब 40 नागरिक मारे गए। यह जानकारी गैर-सरकारी ग्रुप अबू गौता प्रतिरोध समिति ने दी। समिति ने एक बयान में कहा, 'आरएसएफ ने गेजीरा राज्य के अबू गौता क्षेत्र के गौज अल-नका गांव पर हमला किया।' समाचार एजेंसी ने समिति के बयान के हवाले से बताया कि आरएसएफ विस्थापित ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए शव नहीं लौटा रहा है। इस वजह से गांव में कई शव खुले में पड़े हैं। समिति ने नागरिक समाज संगठनों से अपील की है वे आरएसएफ पर दबाव डाले ताकि लोगों को गांव में प्रवेश करने और मृतकों को दफनाने की अनुमति मिल सके। आरएसएफ ने अभी तक हमले के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। दिसंबर 2023 में आरएसएफ ने गेजीरा राज्य पर नियंत्रण कर लिया था। यह तब हुआ जब सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) राज्य की राजधानी वाड मदनी से पीछे हट गए थे। 15 अप्रैल, 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक संघर्ष में उलझा हुआ है। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप कम से कम 16,650 लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

गाजा पर इजरायली हवाई हमलों में 21 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शनिवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया। फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 फिलिस्तीनी मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास इजरायली हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक तंबू पर इजरायली गोलाबारी में छह अन्य लोग मारे गए। हालांकि, इजरायली सेना ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि हमास ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से अचानक हमला किया था जिसमें 1200 से ज्यादा लोग मारे गए थे और लगभग 250 नागरिकों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए जो अभी तक जारी हैं।

शिया मिलिशिया समूह ने जॉर्डन घाटी में इजरायली ठिकाने पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली

बगदाद। इराक के आतंकवादी संगठन शिया मिलिशिया समूह ने सुबह जॉर्डन घाटी में एक इजरायली ठिकाने पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली। समूह ने एक बयान में कहा कि यह हमला 'गाजा पट्टी के लोगों के साथ एकजुटता में' किया गया था और 'दुश्मन के गढ़ों' को निशाना बनाना जारी रखने का संकल्प लिया। जॉर्डन नदी के किनारे वाली जॉर्डन घाटी इजरायल और वेस्ट बैंक के साथ जॉर्डन की पश्चिमी सीमा बनाती है। यह वेस्ट बैंक की एकमात्र सीमा है जो सीधे इजरायल से नहीं मिलती है। इजरायल की सुरक्षा के लिए इसके रणनीतिक महत्व के कारण घाटी में इजरायली सैन्य बलों द्वारा भारी गश्त की जाती है।उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर 2023 को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष की शुरुआत के बाद से इराक में इस्लामिक प्रतिरोध ने गाजा में फिलिस्तीनियों के समर्थन में इस क्षेत्र में इजरायली और अमेरिकी लक्ष्यों पर कई हमले किए हैं।

अमेरिका में संगीत जगत के दिग्गज सीन कॉम्ब्स गिरफ्तार

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे संगीत जगत के दिग्गज सीन कॉम्ब्स को शाम एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया। ग्रैंड जूरी ने उन पर अभियोग तय कर दिया है। कॉम्ब्स के वकील मार्क अग्निफिलो ने कहा कि उनका मानना ??है कि उन पर रैकेट चलाने और यौन तस्करी का आरोप जड़ा गया है। खबर के अनुसार, 54 वर्षीय कॉम्ब्स की कानूनी टीम ने बयान जारी कहा कि वह उन पर मुकदमा चलाने के निर्णय से निराश हैं। कॉम्ब्स जांच में सहयोग कर रहे थे। वह पिछले सप्ताह स्वेच्छा से न्यूयॉर्क पहुंचे। बयान में कहा गया है कि सीन संगीत आइकन, स्व-निर्मित उद्यमी, प्यार करने वाले पारिवारिक व्यक्ति और परोपकारी व्यक्ति हैं। उन्होंने पिछले 30 वर्ष में साम्राज्य का निर्माण किया। अपने बच्चों को प्यार किया और अश्वेत समुदाय के उत्थान के लिए काम किया। न्यूयॉर्क

के दक्षिण जिले के अमेरिकी अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने सोमवार देररात सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है। बयान में उम्मीद जताई गई है कि सुबह अभियोग से पर्दा उठेगा और उनके पास कहने के लिए और भी बहुत कुछ होगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, कॉम्ब्स को होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के अधिकारियों ने रात करीब 8ः30 बजे न्यूयॉर्क के 57वीं स्ट्रीट पर स्थित पार्क हयात होटल से गिरफ्तार किया गया। उम्मीद है कि उन्हें रात भर हिरासत में रखा जाएगा और फिर मंगलवार को उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। कॉम्ब्स को डिडी और पफ डैडी के नाम से भी जाना जाता है। पिछले साल नवंबर में उनकी पूर्व प्रेमिका कैसांद्रा वेंतुरा ने उन पर यौन और शारीरिक शोषण का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इससे पहले लॉस एंजिल्स और मियामी में उनके स्थानों पर छापा मारा जा चुका है।

श्रीलंका में प्रधानमंत्री का पद मिल सकता है महिला को : एनपीपी सांसद हेराथ

एजेंसी

कोलंबो। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सांसद विजेता हेराथ ने आज संकेत दिया कि एनपीपी सरकार में प्रधानमंत्री एक महिला हो सकती हैं। श्रीलंका के अखबार डेली मिरर की खबर के अनुसार उन्होंने यह दृष्टिकोण मिनुवांगोडा में एक बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि 21 सितंबर को जीत के बाद संविधान के अनुच्छेद 47.3 के तहत राष्ट्रपति के पास निहित शक्तियों के साथ नया मंत्रिमंडल गठित किया जाएगा। इसके बाद संसद भंग कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि विपक्षी खेमा सवाल करता है कि अगर अनुरा कुमार राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो एनपीपी सरकार कैसे चला सकती है? हेराथ ने कहा कि अनुरा के राष्ट्रपति बनने के बाद लक्ष्मण निपुनाराची नए सांसद के रूप में शपथ लेंगे। लक्ष्मण कोलंबो जिले में चुनाव के बाद नए मंत्रिमंडल के गठन होने तक दो महीने तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि संसद में

अधिमान्य वोटों की सूची में आगे हैं। उन्होंने कहा कि हम चार सदस्यों का एक मंत्रिमंडल गठित कर सकते हैं।

हेराथ ने कहा कि स्विट्जरलैंड में केवल सात सदस्यीय मंत्रिमंडल है। चार सदस्यीय मंत्रिमंडल संसदीय पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे कई पेशेवर हैं। उन्होंने कहा, क्या आपमें से कोई हरिनी अमरसूर्या को सांसद बनने से पहले जानता था? अब पूरा देश उन्हें जानता है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने सहकारी घोटाले में दोषी करार, कानूनी कार्रवाई का निर्देश

एजेंसी

काठमांडू। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री रवि लामिछाने सहकारी घोटाला में दोषी पाए गए हैं। संसदीय जांच समिति ने पर्याप्त सबूत के साथ संसद में रिपोर्ट पेश कर दी है। रवि लामिछाने सहित उनके व्यवसायिक साझेदार जीबी राई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की सिफारिश की गई है। संसद में यह रिपोर्ट पेश होने के बाद स्पीकर देवराज घिमिरे ने इस पर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश देते हुए सरकार के पास भेज दिया है। देश भर में हुए सहकारी घोटाले की जांच के लिए एमाले सांसद सूर्य थापा के संयोजकत्व में बनी संयुक्त जांच समिति ने संसद में रिपोर्ट पेश कर दी है। संसद के वर्षाकालीन अधिवेशन के आखिरी दिन समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट में पूर्व गृहमंत्री तथा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने पर उन आरोपों की पुष्टि की

गई है, जिसमें सहकारी संस्थाओं की करोड़ों रुपये की रकम गैर कानूनी तरीके से अपने मीडिया हाउस में निवेश करने की बात कही गई थी।

संसद में जांच रिपोर्ट पेश करते हुए समिति के संयोजक सूर्य थापा ने कहा कि पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी लिमिटेड, बुटवल के सुप्रीम सहकारी, काठमांडू के स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी और चितवन के सहारा सहकारी की रकम को गैर कानूनी तरीके से मीडिया में निवेश करने के सभी प्रमाण रिपोर्ट के साथ ही सदन में पेश किये गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 90 करोड़ रुपये के अपचलन में लामिछाने की प्रत्यक्ष भूमिका देखी गई है। थापा ने कहा कि संसदीय जांच समिति के समक्ष बयान में रवि लामिछाने ने गोरखा मीडिया में प्रबंध निदेशक के रूप में किसी तरह का कोई आर्थिक कारोबार नहीं करने, किसी भी चेक पर साइन नहीं करने, पैसे के निवेश को लेकर कोई भी डॉक्यूमेंट पर हस्ताक्षर नहीं करने और मीडिया में हो रहे निवेश का आर्थिक स्रोत के बारे में अनभिज्ञता जताई थी। जांच में पाया गया है कि गोरखा मीडिया की तरफ से समिति को उपलब्ध कराए गए दस्तावेज, बैंक खाते के सभी दस्तावेज, चारों सहकारी संस्थाओं के दस्तावेज में पैसे के लेन-देन में रवि लामिछाने के दस्तखत मौजूद हैं।

पाकिस्तान के कानून मंत्री तरार की नेशनल असेंबली में सफाई-'संवैधानिक संशोधन पैकेज' को कैबिनेट में पेश नहीं किया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने आज नेशनल असेंबली में सफाई दी कि विवादास्पद 'संवैधानिक संशोधन पैकेज' अभी तक संघीय कैबिनेट के सामने पेश नहीं किया गया है। यह पैकेज संविधान में संशोधनों का एक मसौदा है। इसमें से एक का लक्ष्य पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) का कार्यकाल तीन साल तय करना है। खबर के अनुसार पहले इसे आज नेशनल असेंबली और सीनेट में पेश किए जाने की उम्मीद थी, क्योंकि सरकार आवश्यक समर्थन जुटाने के व्यस्त प्रयासों के बावजूद पहले से निर्धारित सप्ताहांत में इसे पेश करने में विफल रही। निचले सदन के पटल पर तरार ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन अभी तक संघीय कैबिनेट के समक्ष एक मसौदे के रूप में प्रस्तुत नहीं किए गए और न ही विधायी मामलों के निपटान के लिए कैबिनेट समिति में। प्रक्रिया के अनुसार संवैधानिक संशोधन को पहले संघीय कैबिनेट की मंजूरी जरूरी होती है। रेडियो पाकिस्तान की

रिपोर्ट के अनुसार सीनेट का सत्र आज दोपहर 12:30 बजे शुरू हुआ। बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। नेशनल असेंबली का सत्र दोपहर करीब एक बजे शुरू हुआ।

एमी अवॉर्ड्स में 'शोगन' का जलवा, 14 पुरस्कार जीते

इस्लामाबाद।

लॉस एंजिल्स। अभिनय की दुनिया के प्रतिष्ठित एमी अवार्ड्स की समारोहपूर्वक घोषणा का इंतजार खत्म हो गया। एमी अवार्ड्स के 76वें संस्करण में 'शोगन' का जलवा रहा। शोगन ने 14 पुरस्कार जीतकर सबको दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर कर दिया। खबर के मुताबिक, लॉस एंजिल्स के पीकॉक थियेटर में ऑर्गेनाइज इस इवेंट को यूजीन लेवी और डैन लेवी ने होस्ट किया। इसमें सर्वाधिक नॉमिनेशन शोगन को प्राप्त हुए। इसके बाद सबसे ज्यादा द बीयर को पसंद किया गया। वियोला डेविस, कॉलिन फैरेल, जोशुआ जैक्सन, डॉन जॉनसन, मिंडी कलिंग, जॉन लेगुइजामो, जॉर्ज लोपेज, स्टीव मार्टिन, मार्टिन शीन, डिक वैन डाइक और क्रिस्टन विग ने विजेताओं को अवार्ड प्रदान किए। पीकॉक थियेटर में शोगन को बेस्ट ड्रामा सीरीज घोषित करते हुए इससे जुड़े कलाकार चहक उठे। लीड एक्ट्रेस इन ड्रामा सीरीज का अवार्ड शोगन की अन्ना सवाई को प्र्दान किया गया। लीड एक्टर इन ड्रामा सीरीज का अवार्ड शोगन के हिरोयुकी सानदा ने हासिल किया। बेस्ट लिमिटेड या एन्थोलॉजी सीरीज का अवार्ड बेबी रेनडियर के नाम रहा। लीड एक्ट्रेस इन लिमिटेड या एन्थोलॉजी सीरीज का अवार्ड जोडी फोस्टर को ट्रू डिटेक्टिवः नाइट कंट्री को प्रदान किया गया।

बांग्लादेश में दो पूर्व मंत्री समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अवामी लीग के नेताओं की धरपकड़ जारी है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने कल रात राजधानी से पूर्व संस्कृति मंत्री असदुज्जमां नूर और पूर्व नागरिक उड्डयन और पर्यटन राज्यमंत्री महबूब अली को गिरफ्तार कर लिया। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, रविवार रात असदुज्जमां नूर को बेली रोड से और महबूब को सेगुनबागीचा इलाके से गिरफ्तार किया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेजाउल करीम मलिक ने कहा कि असदुज्जमां नूर को मीरपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में रात करीब 11:00 बजे गिरफ्तार किया गया। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि असदुज्जमां ने 2001 से संसद में अवामी लीग का प्रतिनिधित्व किया। हाल ही में 12वें संसदीय चुनाव में उन्हें निलफामारी-2 के लिए संसद सदस्य के रूप में चुना गया। नूर ने 2014 में संस्कृति मंत्री की भूमिका निभाई। महबूब

अली 2014 और 2018 में दो बार हबीगंज-2 से अवामी लीग के लिए संसद सदस्य चुने गए। पुलिस उपायुक्त मोहम्मद तालेबुर रहमान ने कहा कि महबूब अली को जतराबारी पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। प्रोथोम अलो के अनुसार, पांच अगस्त को छात्र-जन विद्रोह में अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से अब तक कम से कम 27 पूर्व मंत्रियों, संसद सदस्यों और पार्टी के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। बांग्लादेश के ही समाचार पत्र द डेली स्टार ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कानूनी और मीडिया विंग के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मुनीम फेडौस के हवाले से राजशाही-4 के पूर्व विधायक इनामुल हक को आज ढाका के अदबोर इलाके से गिरफ्तार करने की खबर दी है। उन्हें पांच अगस्त को राजशाही में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हमले को लेकर बाघमारा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा मदारीपुर जिला अवामी लीग के अध्यक्ष शहाबुद्दीन अहमद को भी बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने कुमिला में बिबीर बाजार सीमा से गिरफ्तार किया है।

दक्षिणी गाजा में इजरायली हमले में 15 लोगों की मौत

गाजा। मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में सोमवार को कम से कम 15 फिलिस्तीनी मारे गए। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने चीन की न्यूज एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक घर को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए। हवाई हमले के कारण घर को पूरी तरह से नष्ट हो गया और पड़ोसी घरों को भी नुकसान पहुंचा।

चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि घायल हुए अन्य 15 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों के अनुसार ही दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में एक अस्थायी बेकरी पर इजरायली गोलाबारी में एक बच्चे सहित कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

चीन के शंघाई में तूफान बेबिनका की दस्तक, फ्लाइट्स रद्द, रेलगाड़ी, स्कूल-कॉलेज बंद, तटीय क्षेत्र खाली कराया गया

एजेंसी

बीजिंग। चीन के सबसे बड़े औद्योगिक शहर शंघाई में इस साल का 13वां तूफान बेबिनका दस्तक दे चुका है । आज सुबह साढ़े सात बजे चली तेज हवा से कई जगह पुराने वृक्ष उखड़ गए। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसका प्रभाव पुडोंग जिले के लिंगांग क्षेत्र में नजर आया। हवाई, रेल और बस सेवा को रद्द कर दिया गया। स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है।

शंघाई केंद्रीय मौसम विज्ञान वेधशाला का कहना है कि बेबिनका 75 वर्ष के इतिहास में शंघाई में आया सबसे शक्तिशाली तूफान है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, शनिवार रात को आए तूफान के आज पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के किदोंग के उत्तर और पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के निंगबो के दक्षिण के इलाकों के बीच टकराने की आशंका है। रविवार रात आठ बजे शंघाई के दोनों हवाई

अड्डों से उड़ानें रद्द कर दी गईं। छह सब-वे लाइनें और अन्य नौ सब-वे लाइनों के फ्लाई-ओवर खंड में आज परिचालन बंद रहेगा। शंघाई से जुड़ने वाले कई राजमार्गों को रविवार रात 10 बजे बंद कर दिया गया। यांग्त्जी नदी डेल्टा के पार चलने वाली कुछ ट्रेनों को निलंबित कर दिया गया है। शंघाई डिज्नी रिजॉर्ट भी आज बंद रहेगा।

फजलुर रहमान को भरोसे में न लेने पर नवाज शरीफ सरकार से नाराज

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के अध्यक्ष नवाज शरीफ ने संवैधानिक संशोधन के संबंध में अपनी सरकार की रणनीति पर नाराजगी व्यक्त की है। वह रविवार को लाहौर से इस्लामाबाद पहुंचे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनकी राष्ट्रपति जरदारी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल) के नेता मौलाना फजलुर रहमान के साथ मुलाकात भी तय कराई। बावजूद इसके नवाज ने दोनों से मुलाकात नहीं की। आज वह लाहौर पहुंच गए। एआरवाई ने सूत्रों के हवाले से जारी खबर में कहा है कि नवाज शरीफ ने कहा है कि सरकार को संशोधन पर आगे बढ़ने से पहले फजलुर रहमान को विश्वास में लेना चाहिए था। जियो न्यूज ने इस घटनाक्रम पर कहा है कि

संभवतः नवाज शरीफ की नाराजगी के मद्देनजर ही आज दोपहर साढ़े 12 बजे विभिन्न नेताओं ने

मौलाना फजलुर रहमान से मुलाकात की। इस राजनीतिक घटनाक्रम के केंद्र में दक्षिणपंथी नेता और मौलाना फजलुर रहमान का इस्लामाबाद स्थित आवास आ गया है। रविवार देररात उनसे मिलने प्रमुख राजनीतिक हस्तियां पहुंचीं। इनमें अवाम पाकिस्तान पार्टी के प्रमुख शाहिद खाकन अब्बासी, मिफ्ताह इस्माइल, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती, पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक कक्कड़, अब्दुल गफूर हैदरी और कामरान मुर्तजा प्रमुख हैं। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं ने भी संपर्क किया है।

म्यांमार के बागान में भारी बारिश से प्राचीन पगोडा क्षतिग्रस्त

यांगून। म्यांमार के मध्य मांडले क्षेत्र में भारी बारिश के कारण बागान में स्थित प्राचीन पगोडा को नुकसान पहुंचा है। बागान यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सरकारी दैनिक समाचार पत्र ने यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण बागान में कई महत्वपूर्ण संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इनमें श्वेजिगोन पैगोडा का दक्षिणी द्वार, थाटबीन्यू पैगोडा का उत्तरी मेहराब शामिल है, तथा सिंका ईंट की इमारत ढह गई है।

समाचार एजेंसी के अनुसार, देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, बागान के पास न्यांग-यू में मौसम विज्ञान केंद्र ने 12 सितंबर को रिकॉर्ड 216 मिमी वर्षा दर्ज की, जो 60 वर्षों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्षतिग्रस्त पगोडा का दौरा किया और निरीक्षण किया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली

एजेंसी

सना । यमन के हूती विद्रोहियों ने मध्य इजरायल पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। ग्रुप का कहना है कि उसने इस ऑपरेशन में नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने टेलीविजन पर दिए बयान में कहा, 'फिलिस्तीनी लोगों और हमास के समर्थन में हमने एक सैन्य अभियान चलाया, जिसके तहत जफा क्षेत्र में इजरायली दुश्मन के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।'

याह्या सरिया ने कहा, 'अभियान में एक नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। मिसाइल अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब रही और दुश्मन की रक्षा

प्रणाली इसे रोकने में नाकाम रही।÷ उन्होंने दावा किया कि इस तरह की मिसाइल जमीन और समुद्र पर एरियल शील्ड सिस्टम को चकमा दे सकती है।

समाचार एजेंसी ने अल-मसीरा टीवी के हवाले से बताया कि प्रवक्ता ने भी कहा कि हूतियों की तरफ से इजरायल पर इस तरह के हमले जारी रहेंगे। आगे होने वाले हमले यमनी शहर होदेदाह पर इजरायली हमले का का जवाब होंगे।इजरायली सूत्रों ने बताया कि यमन से दागी गई एक लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल रविवार को देश में आकर गिरी।इजरायल के सरकारी कान टीवी न्यूज ने बताया कि मिसाइल बेन गुरियन एयरपोर्ट से करीब 6 किलोमीटर दूर कफर डैनियल में गिरी। मिसाइल गिरने से इस इलाके में आग लग गई। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि इंटरसेप्टर लांच किए गए, लेकिन वे मिसाइल को मार गिराने में असफल रहे।

समाचार एजेंसी के अनुसार, मिसाइल के कारण तेल अवीव और मध्य इजरायल के अन्य शहरों में सायरन बजने लगे, जिससे सुबह के व्यस्त समय में लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। इजरायल की नेशनल रेस्क्यू सर्विस के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि शेल्टर्स की ओर भागते समय पांच लोग घायल हो गए।

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, नाव पलटने से 41 लोगों की मौत

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य जामफारा में शनिवार को एक नाव के पलट जाने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वहीं 12 अन्य को रेस्क्यू कर्मियों ने बचा लिया। नाइजीरिया के संघीय प्रतिनिधि सभा में गुम्मी-बुक्कुयुम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय विधायक सुलेमान गुम्मी ने रविवार को बताया कि नाव में 50 से अधिक यात्री और चालक दल सवार थे। उन्होंने कहा कि नाव जम्फारा के गुम्मी स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गुम्मी कस्बे के पास नदी में पलट गई।गुम्मी ने बताया कि यात्री किसान थे जो रोजाना नाव से पास के इलाके में अपने खेतों पर जाते थे।

समाचार एजेंसी के अनुसार अधिकारियों ने सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोरों सहित अन्य कर्मचारियों को घटनास्थल पर तुरंत भेज दिया। कम से कम एक दर्जन लोगों को जीवित बचा लिया गया। जम्फारा राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख हसन दौरा ने स्थानीय मीडिया से एक इंटरव्यू में कहा कि इस घटना में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देश में नाव पलटने की दुर्घटनाएं अक्सर होती हैं। आमतौर पर इन घटनाओं के लिए ओवरलोडिंग, प्रतिकूल मौसम की स्थिति और परिचालन संबंधी त्रुटियों जैसे कारकों को जिम्मेदार बताया जाता है।

कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र ने आयोजित की सोंगपयोन मिठाई बनाने की कार्यशाला

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरियाई सांस्कृतिक केन्द्र, भारत ने 'चूसोक' त्योहार मनाने के लिये यहां पारंपरिक कोरियाई मिठाई 'सोंगपयोन' बनाने की एक

कार्यशाला आयोजित की जिसमें प्रशिक्षकों के निर्देशन में 100 कोरियाई भाषा के विद्यार्थियों ने हाथ आजमाये।केन्द्र की जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह मिठाई भारतीय गुझिया जैसी होती है। कार्यशाला में सोंगपयोन को प्राकृतिक सामग्रियों से तीन रंगों में बनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय और कोरियाई संस्कृति की समानताओं को दिखाना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल परिसर में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अमित कुमार (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। अगले दिन परिजनों को उसकी पहचान के लिए बुलाया गया तो चौंका देने वाला खुलासा हुआ। मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे। इसके अलावा उसके चेहरे से खून भी बह रहा था। परिजन ने अमित की मौत पर संदेह जताते हुए उसकी हत्या की आशंका जताई है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अमित की मौत कैसे हुई? इसके अलावा मरने के बाद उसके शव को चोट किसने पहुंचाई। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बुलंदशहर यूपी का रहने वाला अमित कुमार पिछले करीब सात साल से दिल्ली में रह रहा था। वह जीटीबी अस्पताल परिसर में रहने वाले डॉ. ऋतुराज के पास घरेलू सहायक की नौकरी करता था। अमित के भाई जितेंद्र ने बताया कि आखिरी बार चार सितंबर को उसकी भाई से बात हुई थी। पांच को शव मिला था। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद 15 सितंबर को केस दर्ज किया।

हत्या की गुत्थी सुलझी, नाबालिग को दबोचा

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के गीता कालोनी इलाके में चंद ही मिनटों के अंतराल पर दो भाइयों शाहिद उर्फ आशु (20) और इरशाद उर्फ बॉबी (30) की गोली मारकर हत्या करने की गुत्थी को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में दोनों भाइयों के किराएदार के 17 वर्षीय नाबालिग बेटे को हजरत निजामुद्दीन इलाके से दबोचा है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली है। नाबालिग के परिवार ने दोनों भाइयों के पिता अशफाक से चार-पांच साल पहले चार लाख की सिक्योरिटी पर मकान लिया था। रुपये लेने के बाद नाबालिग के परिवार को रकम वापस करने तक कोई किराया नहीं देना था। दोनों भाइयों की मां की मौत के बाद पिता ने दूसरी शादी कर अलग रहना शुरू कर दिया। अब दोनों भाई शाहिद और इरशाद नाबालिग के परिवार को मकान खाली करने का दबाव बना रहे थे। दोनों परिवार को प्रताड़ित कर रहे थे। घटना वाले दिन भी नाबालिग के साथ इरशाद ने गाली-गलौज की थी। इससे परेशान होकर उसने वारदात को अंजाम दिया।

दिल्ली में मुख्यमंत्री कोई भी रहे, लेकिन पार्टी तो केजरीवाल के पास ही है: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज केजरीवाल सरकार का आखिरी दिन है। केजरीवाल गरीब विरोधी हैं और उन्होंने लोगों को धोखा दिया है। विजेंद्र गुप्ता ने बात करते हुए केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान पर कहा, फैसला तो कोर्ट को देना है, क्योंकि भ्रष्टाचार के मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। अगर उन्होंने इस्तीफा देने की बात कही है, तो इसका मतलब साफ है कि उन्होंने भ्रष्टाचार किया है। लेकिन, अब वह विक्टिम और इमोशनल कार्ड के सहारे हैं। केजरीवाल मुख्यमंत्री रहे या ना रहें, लेकिन पार्टी तो उनकी ही रहेगी। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, दिल्ली के बहुत सारे गरीब लोगों के राशन कार्ड नहीं बन पाए। केंद्र सरकार की योजना उन तक नहीं पहुंची, उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय किया गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने सरकार के सामने अपनी मांग उठाई है और साथ ही उपराज्यपाल से भी इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अंत्योदय अन्न योजना शुरू की थी। उस वक्त इस योजना के लिए एक लाख 56 लोगों की पहचान की गई थी। ये वो लोग थे, जो पूरी तरह से असहाय थे। इनको 35 किलो अनाज मिलता था।

कृभको और नोवोनेसिस ने किया जैविक कृषि को बढ़ावा देने का करार

एजेंसी

नयी दिल्ली।दुनिया की प्रमुख उर्वरक उत्पादक सहकारी कंपनी कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) ने भारतीय जैविक कृषि में फसलों की उपज और खेत की मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेनमार्क की जैव उत्पाद कंपनी नोवोनेसिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

कृभको के प्रबंधनिदेशक एम.आर. शर्मा और नोवोनेसिस की कार्यकारी उपाध्यक्ष टीना एस फानो ने यहां इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस समझौते के अनुसार दोनों संगठन भारतीय कृषि में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक उपाय करेंगे और किसानों लिए इसे लाभदायक बनायेंगे। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि सहयोग के पहले चरण में, भारतीय किसानों को अपनी विभिन्न सभी फसलों अनाज, साग सब्जी और फलों के लिए नोवोनेसिस के एलसीओ (लिपो-चीटो - आलिगोसे केराइड्रस) उन्नत माइकोरिज़ल जैव

उर्वरक - कृभको राइजोसुपर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद, अगले चरण में दोनों कंपनियां पादप-स्वास्थ्य में उपयोगी नोवोनेसिस के जैव उत्पादों को भारत में प्रयोग की संभावनाओं का पता लगाएंगी। इसके अतिरिक्त, कृभको के जैव उर्वरक उत्पादन संयंत्रों को मजबूत करने और अपनी मुख्य माइक्रोबियल तकनीक की मदद से उत्पादों को समृद्ध बनाने में भी नोवोनेसिस सहायता करेगी।

कृभको राइजोसुपर में ऐसे प्रासंगिक एंड्रोमाइको राइजा (पौधों की जड़ों के लिए उपयोगी कवक या फफूंद) की प्रजातियों का एक अनूठा संयोजन शामिल होता है। यह जैव उत्पाद फसलों के लिए उपयोगी कवकों के गुच्छों का जड़ों के पास की मिट्टी में तेजी फैलाव करने मे सहायक होता है और राइजोस्फीयर (जड़ के आसपास की मृदा) में लाभकारी माइक्रोबियल (समस्त जीवाणुओं की) गतिविधि को बढ़ाता है। इस प्रौद्योगिकी से पौधे की वृद्धि मजबूत होती है और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारती है। यह फॉस्फेट वाले उर्वरक, अन्य पोषक तत्वों और पानी के व्यावहारिक उपयोग को संवर्धित करने में भी सहायक है।

नोवोनेसिस के प्लैनेटरी हेल्थ बायो सॉल्यूशंस के प्रभारी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पश्चिम एशिया, भारत और अफ्रीका बाजार) कृष्ण मोहन पुव्वाडा ने कहा कि यह साझेदारी जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और भारत में एक टिकाऊ कृषि का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण है।

भारत ने ईरान के सर्वोच्च नेता की टिप्पणी की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न किये जाने संबंधी टिप्पणियों को अस्वीकार्य बताया है और उनकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा, हम ईरान के सर्वोच्च नेता द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों के संबंध में की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं। ये गलत सूचनाओं पर आधारित हैं और अस्वीकार्य हैं। बयान में कहा गया, अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी करने वाले देशों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरों के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपना रिकॉर्ड देख लें। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगर हम म्यांमार, गाजा, भारत या किसी अन्य स्थान पर किसी मुस्लिम को होने वाली पीड़ा से बेखबर हैं, तो हमें खुद को मुसलमान नहीं मानना चाहिए।

चरणजीव मल्होत्रा ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी !

नई दिल्ली । प्रमुख समाजसेवी व गौ माता रक्षा एवं करोना योद्ध चरणजीव मल्होत्रा ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर सिंह मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामना देते हुए कहा कि पीएम मोदी के महान व्यक्तित्व व कुशल नेतृत्व से देश ही सम्पूर्ण विश्व गौरवान्वित है। उन्होने कहा कि देश की जनता द्वारा तीसरा कार्यकाल के चुनाव में और अधिक ऐतिहासिक भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एकतरफा विजय से जन जन में मोदी जी की स्वीकार्यता प्रमाणित हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का शासन संभाले 11 वर्ष पूरे चुके हैं। इस दौरान हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव हुआ है। आजादी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की दिशा में हुए कार्यों ने देश की सांस्कृतिक विविधता और महान सांस्कृतिक विरासत को पुनजीवित तो किया ही है, साथ ही इसे पूरी दुनिया में प्रतिष्ठित भी किया है।आगे कहा कि बीते 11 वर्षों में देश की राजनीतिक संस्कृति में तो बदलाव आया ही है, कार्यसंस्कृति में बदलाव का भी भारत के लोगों ने अनुभव किया है। संस्कृति और विरासत के प्रति भी लोगों में भाव उत्पन हुआ है जो आजादी के बाद और मोदी सरकार के आने के पहले कहीं खो दिया गया था। चरणजीव मल्होत्रा ने बताया कि मोदी जी ने 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब पहला मिशन था स्वच्छ भारत अभियान दृ ?संकल्प से यह बहुत ब ?ी चुनौती थी बिना जनभागीदारी से यह सम्भव था लेकिन पीएम मोदी के व्यक्तित्व के चलते लोगों ने उनका साथा दिया, जो अब हर गॉव, मोहल्ले, गली, चौरहे पर देखने को मिलता है हर घर में शौचालय का विस्तार कि और लोगों में जागरूकता फैलाई अब स्वच्छ नजर देखने को मिलते है मोदी जी ने अपने पहले कार्यकाल की

शुरूआत में यह जिम्म उठाया था और आज सम्पूर्ण भारत स्वच्छ हो चुका है। समाज सेवी चरणजीव मल्होत्रा ने आगे कहा कि पीएम मोदी नरेंद्र मोदी का ये संसदीय क्षेत्र है 2014 में वह पहली बार यहां से चुनाव ल ? थे और जीत हासिल किए थे उन्होंने उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी वाराणसी तीर्थस्थल को सुन्दरीकरण किया। बीते वर्षों में काशी विश्वानाथ कॉरिडोर का निर्माण, उज्जैन में भव्य श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण, अयोध्या में लाखों दोपों से प्रभु श्रीराम को विजय यात्रा का अभिनंदन, 500 वर्ष बाद भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य, जम्मू-कश्मीर में मंदिरों का जीर्णोद्धार,पावाग ? में भव्य मंदिर का निर्माण, मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निर्माण, बुद्ध सर्किट

का निर्माण, जैन सर्किट का निर्माण, सूफी सर्किट का निर्माण और केदारनाथ-बदरीनाथ- सोमनाथ धाम का विकास इसका प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति पुनर्जागरण किया है। योग एवं आयुर्वेद का भी परचम लहराया। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में नरेंद्र मोदी ने योग को संपूर्ण विश्व के सामने प्रखरता से रखते हुए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मान्यता दिलवाई। देखा जाए, तो यह वैश्विक पटल पर भारत को सांस्कृतिक विरासत की सामूहिक स्वीकार्यता का पहला महत्वपूर्ण अवसर था। उन्होंने देशवासियों को सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों पर गर्व करना सिखाया। उन्होने सांस्कृतिक विरासत को आम जीवन, विदेश नीति और विकास से जो ?ा, जो देश को न केवल एकसूत्र में पिरोता है बल्कि समाज के सभी वर्गों में समानता का सेतु भी चनाता है। काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम के माध्यम से पहली बार पीएम मोदी ने बताया कि सांस्कृतिक विविधता देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में कितनी कारगर साबित हो सकती है। उन्होने कहा कि आजादी के बाद से देश में राजनीति के केंद्र रहे राम मंदिर, तीन तलाक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 और नागरिकता कानून जैसे तमाम मुद्दों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थायी समाधान तक पहुंचाया है। मोदी सरकार ने यीते एक दशक में सांस्कृतिक पुनरुत्थान, गरीब कल्याण और वैश्विक सम्मान का नया कीर्तिमान बनाया है। वरिष्ठ समाजसेवी व गौ माता रक्षा एवं करोना योद्ध चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का सफाया हो जायेगा। मल्होत्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार व अराजकता में लिप्त केजरीवाल सरकार से दिल्ली की जनता विभिन्न समस्याओं से पी ?त, प्रताणित व आक्रोशित, इस लिए अब मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर, अब आम आदमी पार्टी के विधायक दल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी को चुना गया। समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने बताया कि आज भी भारत की जनता को विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

दिल्ली के लोग भाजपा से नाराज : सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज पूरी दिल्ली की जनता में भाजपा पार्टी के खिलाफ नाराजगी है। उन्होंने कहा कि कल दिल्ली में जो घटना हुई, उससे न केवल देश बल्कि पूरा विश्व अचंभित है ।

भारद्वाज ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है और आज देशभर के लोग इस बात की चर्चा कर रहे हैं कि किसी राज्य का मुख्यमंत्री किसी मामले में जमानत मिलने और जेल से बाहर आने के बाद खुद यह कह रहा है कि यदि आप लोगों को लगता है की मैं ईमानदार हूं तो आगामी चुनाव में मुझे वोट देना ढ़ उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत से चुनाव लड़े जाते हैं। जाति के नाम पर चुनाव लड़े जाते हैं, धर्म के नाम पर चुनाव लड़े जाते हैं, भाषा के नाम पर चुनाव लड़े जाते हैं, लेकिन यह इतिहास का पहला ऐसा चुनाव होगा, जिसमें एक मुख्यमंत्री

खुद कह रहा है कि इस बार ईमानदारी के नाम पर चुनाव लड़ा जाएगा । उन्होंने ने कहा कि जहां एक तरफ केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीछे अपनी सारी जांच एजेंसियों को लगा रखा है, उन्हें बदनाम करने की कोई कसर नहीं छोड़ी, उसके बावजूद भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपनी दिल्ली की जनता पर पूरा विश्वास है और यही कारण है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता से कह रहे हैं कि यदि आपको लगता है कि मैं ईमानदार हूं तभी मुझे वोट देना । भारद्वाज ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कल जब से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बात का ऐलान किया है, तब से ही पूरी दिल्ली में बसों में, गली मोहल्ले में, मेट्रो में हर जगह इस बात की चर्चा हो रही है, कि भाजपा ने अपनी सारी जांच एजेंसियों के माध्यम से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जो षड्यंत्र रचा, उनको फंसाने की जो साजिश की गई, उन्होंने अकेले केंद्र सरकार से लड़कर सच्चाई की यह जंग जीती और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया कि मैं जनता की अदालत में जाऊंगा, जनता के बीच जाऊंगा और यदि दिल्ली की जनता चाहेगी तभी मैं इस मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दोबारा बैठूंगा।

केजरीवाल के इस्तीफे से दिल्ली के नुकसान की नहीं हो पाएगी भरपाई : मनोज तिवारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने केजरीवाल के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। भाजपा सांसद ने कहा, अरविंद केजरीवाल दिल्ली का इतना नुकसान कर चुके हैं, कि अब उनके इस्तीफा देने से इसकी भरपाई नहीं हो सकती है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के बच्चों को शराबी बनाया, यहां की टूटी सड़कें टूटी हैं और सड़कों में गड्ढ़े हैं। बिजली का भारी बिल आ रहा, बुजुर्गों की पेंशन बंद है। आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी। बरसात की वजह से जलभराव होने से बच्चों की मौत हुई। दिल्ली के लोगों से अरविंद केजरीवाल को किस बात की सहानुभूति मिलनी चाहिए। बता दें कि रविवार को अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में पहुंचकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मेरा केस लंबा चलने वाला है। मैं दो दिनों के बाद इस्तीफा दे दूंगा। अब जनता ही तय करेगी कि मुझे कुर्सी पर बैठना चाहिए या नहीं। केजरीवाल ने इस दौरान नवंबर में महाराष्ट्र के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव कराने की वकालत भी की। भाजपा ने केजरीवाल के दो दिनों का वक्त लेने पर भी निशाना साधा।

राहुल गांधी हैं देश के सबसे बड़े आतंकी - रवनीत सिंह बिट्टू

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संबंध में कहा कि? वह देश के सबसे बड़े आतंकी हैं। अगर किसी एजेंसी को किसी के खिलाफ सबसे पहले कार्रवाई करनी चाहिए, तो वो राहुल गांधी हैं। वह देश के लिए खतरा बन चुके हैं। उन पर शिकंजा कसना जरूरी है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी का भारत से कोई लेना देना नहीं है। उनकी परवरिश भी विदेश में हुई है। उनके रिश्तेदार भी विदेश में रहते हैं। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि उनका भारत के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। वह महज गरीबों के घर फोटो खिंचवाने के लिए जाते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि उन्हें गरीबों के हितों से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश से कोई लेना देना नहीं है, इसलिए वो देश से जुड़ी चीजों को लेकर उल्टा पुल्टा बयान देते हैं, जिसे कोई भी भारतवासी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकता है। वो कभी जाति की बात करते हैं, तो कभी ओबीसी की, लेकिन सच्चाई यह है कि उन्हें समाज के किसी भी वर्ग से कोई सरोकार नहीं है। उन्हें सिर्फ अपनी राजनीति से लेना देना है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी रिक्शा वाले के पास जाते हैं, लेकिन उन्हें यह समझ नहीं है और ना ही वह जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर रिक्शे वाले का दर्द क्या है? विपक्ष के नेता कहीं पर भी कभी-भी फोटो खिंचवाने चले जाते हैं। वो ऐसा करके गरीबों का मजाक बनाते हैं, जिसे हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। राहुल को अपनी यह प्रवृत्ति बदलनी होगी

उन्होंने राहुल गांधी द्वारा सिख समुदाय के संदर्भ में अमेरिका में दिए बयान का भी जिक्र किया। बिट्टू ने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि भारत में सिखों को अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने से रोका जा रहा है

Name Change
I, MADHURI GAIROLA W/O LAXMI PRASAD R/O 38,TYPE-3, R.K.PURAM SECT-1, SOUTH WEST DELHI, DELHI PIN-110022 have changed my name to MADHURI KURIYAL for all future purpose

Name Change
I, hitherto known as INDERJIT SINGH alias DARSHAN SINGH PADDA S/o NAHAR SINGH R/o WZ-68A, OM Vihar, Phase-II, Hastsal Delhi - 110059 have changed my name and shall hereafter be known as DARSHAN SINGH PADDA.

Name Change
I, MAYUR S/o ANIL KALRA R/o 3/4/6, GOPI NATH BAZAR, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010, have changed my name from MAYUR to MAYUR KALRA for all future purposes.

Name Change
I, JAY BHAGWAN S/O AMAR SINGH R/O C-59, R-40, Mata Sundari Road, Minto Road, Central Delhi, Delhi - 110002, have changed the name of my minor Son PINTU aged 17 years and he shall hereafter be known as PINTU SINGH.

Name Change
I, RAKESH, Son of Shiv Kumar Kaushik, Resident of G-227,PALAM VIHAR, GURUGRAM HARYANA-122017 have changed my name from RAKESH to RAKESH KAUSHIK vide Affidavit IN-DL52452119899520W dated 11/09/2024 at New Delhi

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Manoj Kumar S/O Nem Raj R/O WZ-127 ,1ST FLOOR, SHADIPUR MAIN BAZAAR, NEW DELHI, PATEL NAGAR, NCT OF DELHI, -110008,declare that name of mine has been wrongly written as Manoj Kumar Regar in my 10th class educational document, The actual name of mine is MANOJ KUMAR. which may be amended accordingly.

Name Change
I, No-6945317H Rank-NK Name-RAJ KUMAR Residing at PLOT NO-51, KH NO-472, SHREE SAI NIKUNJ, NEW SURAKSHA VIHAR COLONY, GWALIOR ROAD, ROHTA AGRA, UP-282009 have changed my minor son's name from PYUSH KUMAR to PIYUSH KUMAR CHOUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 17/09/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I, VASANTHY C T Mother of No-15726023X Rank-NK Name-SREENATH NK Presently residing at NADUKKANDY HOUSE, PO-THAMARASSERY, TEH+DIST-KOZHIKODE, KERALA-673573 have changed my name from VASANTHY C T to VASANTHI C T for all future purposes vide Affidavit dated 17/09/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, SHIPRA YADAV D/o S M YADAV R/o 108A, Akansha Apartment Abhay Khand-3, Indrapuram Ghaziabad Sipra Sun City Ghaziabad Uttar Pradesh-201014 hereby undertake that I, SHIPRA YADAV want to change my name to SHIVMEY KRISHNAA YADAV and gender as MALE. I, SHIPRA YADAV henceforth be known as SHIVMEY KRISHNAA YADAV S/o S M YADAV.

Name Change
I, JYOTI PACHAPURE Wife of No-18010189L Rank-HAV Name-RAMESH PACHAPURE R/o VILL-MANTUR, PO-MANTUR, TEH-RAIBAG, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591222 have changed my name from JYOTI PACHAPURE to JYOTI RAMESH PACHAPURE for all future purposes vide Affidavit dated 17/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I Ashish Kumar, S/o Shri Rajkumar Malik, R/o AG-1201, Antriksh Heights, sector 84, Gurgaon, Haryana 122001, have changed my name to Ashish Malik for all future purposes

Name Change
It is for general information that I, JANARDHAN S/o MUNNAR R/o G-656, Jahangirpuri, Bhalswa Jahangir Pur, North West Delhi, Delhi-110033, declare that name of my father and mother have been wrongly written as MUNNA and KRISHNA in my CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are MUNNAR and KRISHNA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

Name Change
It is for general information that I, INDERPAL SINGH HORA S/o DAYAL SINGH HORA residing at Flat No. 132 SF-3, Vaishali, Sector - 5 , IE, Sahibabaad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010 declare that the name of my minor Daughter CHITLEEN KAUR HORA aged 17th Years has been wrongly written as CHITLEEN KAUR in her 10th Class Educational Documents. The actual name of my minor daughter is CHITLEEN KAUR HORA which may be amended accordingly

Name Change
I, SUMIT KAPOOR S/O SATISH KUMAR KAPOOR R/O B-426, SIGMA-1, BEGAMPUR, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201306 HAVE CHANGED MY NAME TO SUMMIT KUMAR KAPOOR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

Name Change
I, KM MANJU PRAJAPATI W/O JAI PRAKASH PRAJAPATI, R/O A-606, Ambedkar basti, R K PURAM SECTOR -1, SOUTH WEST DELHI -110022 have changed my name from KM MANJU PRAJAPATI to MANJU DEVI for all future purposes.

Name Change
I, VISWANATH N K Father of No-15726023X Rank-NK Name-SREENATH NK Presently residing at NADUKKANDY HOUSE, PO-THAMARASSERY, TEH+DIST-KOZHIKODE, KERALA-673573, have changed my name from VISWANATH N K to VISWANATHAN T K for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 03/12/1957 instead of my correct date of birth as 03/12/1958 vide affidavit dated 17/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, MUKESH GIRI S/o BISHAMBER GIRI R/o H.No. 233, Goswami Marg, Khichri Pur Village, Mayur Vihar, East Delhi, Delhi-110091, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as MUKESH KUMAR GIRI and LAXMI DEVI in my minor son's namely SUBHAM GIRI aged 15 years in his School Records and Birth Certificate Registration No. MCDOLR09239733. The actual name of mine and my wife are MUKESH GIRI and REENA GIRI respectively, which may be amended accordingly.

Name Change
I, SHITIJ VASHIST S/o SURENDRA KUMAR R/o OMQ No. Q-10, 11,12, ROCK VIEW OFFICERS ENCLAVE, AF STATION PALAM, NEW DELHI-110010 have changed my daughter's name from AAROHI VASHIST to AAROHI VASHISHT for all future purposes.

Name Change
I , SHAMIM S/O RASHID AHMAD R/O H NO. V-529, GALI NO. 16-A, NEAR MOTHER PUBLIC SCHOOL, VIJAY PARK, MAUJPUR DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME SHAMIM AHMAD FOR ALL FUTURE PURPOSE0

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक सुश्री सुधा बाला माहेश्वरी दूसरी मंजिल के फ्रीहोल्ड आवासीय बैक साइड हिस्से की मालिक हैं, बिना छत/छत के, 55 वर्ग मीटर की निर्मित संपत्ति का हिस्सा नंबर 1068, गली राजा उग्गरसन बाजार सीता राम दिल्ली में स्थित है। त्याग विलेख दिनांक 05.03.2019 के अनुसार दस्तावेज़ संख्या 1894, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 17809, पृष्ठ संख्या 137 से 144, 07.03.2019 को, एसआरओ- III, नई दिल्ली/दिल्ली अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य उक्त संपत्ति पर व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री राम आशीष नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा नोएडा सेक्टर -16 उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, MEENA DEVI is legally wedded spouse of No. GO-4104Y Rank- AEE (Civ), Name- RATTAN SINGH R/o HOUSE NO-26, VILLAGE HARPHALI (3), PALWAL, HARYANA-121004 have changed my name from MEENA DEVI to MEENA for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL53165919867190W dated 17.09.2024 before sub divisional magistrate.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक सुश्री ऋद्वा छज्जालाना निर्मित फ्री-होल्ड संपत्ति में से बिना छत/छत के अधिकार के फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण तीसरी मंजिल की मालिक हैं, जिसका नंबर WZ-32-G/1 है, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज है। शारदा प्योर, नई देही में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 02.05.2024 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 2024/22/आई/5791, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 28322, पृष्ठ संख्या 37-54 दिनांक 03.05.2024, एसआर वेस्ट बसई दारापुर। श्रृंखला दस्तावेज़ में नीचे उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री गणेश दास राजपूत का मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वर्गीय श्री रणजीत सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, स्वर्गीय श्रीमती कस्तूरी रानी का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, स्वर्गीय श्रीमती सोनिया का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी और मृत्यु प्रमाण पत्र स्वर्गीय श्रीमती निर्मला देवी की अब हमारी ग्राहक घोषणा कर रही है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्रीमती रंजू देवी नाम से बिकने जा रही हैऔर इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा रोहिणी, नई द्वारा वित्तपोषित किया गया है। दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फोगाट के कार्यक्रम में भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता

एजेंसी
जींद। जुलाना क्षेत्र के बुआना गांव में कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फौगाट के कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता रविवार रात को आपस में भिड़ गए। इसका एक विडियो सोशल मिडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जुलाना हलके में कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फौगाट चुनाव को लेकर दौरे कर रही है। बुआना गांव में एक कार्यक्रम में विनेश फोगाट के बोलने से पहले विनेश ने अपना माइक कांग्रेस कार्यकर्ता कृष्ण बुआना को दे दिया। जैसे ही उसने बोलना शुरू किया तो गांव के सरपंच प्रतिनिधि सुधीर बुआना ने इसका विरोध किया तो कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कुछ लोग माइक पर बोलने का विरोध कर रहे थे तो कुछ लोग समर्थन कर रहे थे। इस संबंध में सुधीर बुआना ने बताया कि गांव में विनेश फौगाट का कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम तय समय से चार घंटे लेट हो रहा था। इसलिए कार्यकर्ताओं को बोलने से मना कर दिया गया था। मामले को बिगड़ता देख विनेश फौगाट ने माइक को खुद लिया और कार्यकर्ताओं को नसीहत दी कि छोटी छोटी बातों पर झगड़ना हमारे संस्कार नहीं हैं।

धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में चुनाव प्रचार करने पर खर्च का देना होगा विवरण : खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह

सिरसा। खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने निर्देश दिए हैं कि सभी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों पर कड़ी नजर रखी जाए और यदि कोई प्रत्याशी इन कार्यक्रमों में शामिल होकर वोट मांगता है तो नियम अनुसार कार्यक्रम पर हुए खर्च को प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त सभी शादी समारोह स्थल और सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी हॉल) पर भी विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। खर्च पर्यवेक्षक ने बताया कि प्रत्याशी ऐसे सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल तो हो सकते हैं लेकिन यदि कार्यक्रम में वोट अथवा समर्थन की अपील की जाती है तो नियम अनुसार खर्च का ब्यौरा देना आवश्यक होगा। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अपील की है कि निर्धारित समय पर अपने खर्च रजिस्टर की जांच करवाएं और निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार दस हजार रुपये से अधिक कोई भी नगदी खर्च न करें। किसी भी चुनाव खर्च को छिपाने या कम दिखाने पर निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कार्रवाही की जाएगी। खर्च पर्यवेक्षक ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों और एफएसटी टीमों को निर्देश दिये है कि प्रतिदिन ऐसे कार्यक्रमों की रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और खर्च पर्यवेक्षक कार्यालय को दी जाए। सहायक खर्च पर्यवेक्षक (मुख्यालय) द्वारा ऐसे सभी कार्यक्रमों का रिकॉर्ड रखा जाएगा जहां सामाजिक अथवा धार्मिक कार्यक्रम में प्रत्याशी के लिए वोट या समर्थन की अपील की गयी हो।

हर वर्ग का भाजपा को समर्थन, तीसरी बार बनेगी सरकार: रणबीर गंगवा

हिसार। बरवाला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश का किसान, गरीब, मजदूर सभी भाजपा के पक्ष में हैं और निश्चित तौर पर सीएम सैनी के नेतृत्व में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनेगी। रणबीर गंगवा ससरोड, बिछपड़ी, जेवरा व बरवाला शहर में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के युवा आज कांग्रेस के लोगों को खूद जवाब दे रहे है, जिनकी प्रदेश के अंदर बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरी लगी है। भाजपा के कार्यकाल का हिसाब वो बुजुर्ग और गरीब दे रहा है जिसका बिना झंझट के बीपीएल कार्ड बन चुका है, जिसकी पेंशन घर बैठे सीधे उनके खाते में आती है। कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान दलितों और गरीबों के घर जलाये गए थे, इसका हिसाब कांग्रेस वालों को देना चाहिए। हरियाणा में कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर फैला था। गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के पहले चरण में 15 हजार 430 लोगों को जमीन के कागज देने का काम भाजपा सरकार ने किया है। योजना के तहत 14 शहरों के लोगों को चिन्हित किया गया है और आदर्श आचार संहिता हटने के बाद शेष चिन्हित लोगों को भी 30 गज का प्लॉट दिया जाएगा।

पांच साल एसी में बैठ कर कांग्रेस विधायक ने खाई केवल हवा: मनीष ग्रोवर

रोहतक। रोहतक विधासभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनीष ग्रोवर ने आरोप लगाया कि पांच साल तक एसी में बैठ कर कांग्रेस विधायक बतरा ने केवल हवा खाई है और अब चुनाव आए तो विधायक को क्षेत्र के लोगों की याद आई है, लेकिन क्षेत्र के लोग कांग्रेस के झूठ व लूट के शासन से भली भांति परिचित है। उन्होंने कांग्रेस विधायक को खुले मंच पर विकास कार्यों को लेकर बहस की चुनौती भी दी। भाजपा प्रत्याशी मनीष ग्रोवर शहर की विभिन्न कालोनियों में जनसम्पर्क अभियान के दौरान जनसंवाद कर रहे थे। साथ ही उन्होंने हवन कर कार्यालय का शुभारंभ किया। ग्रोवर ने कहा कि दस साल में भाजपा ने रोहतक में अभूतपूर्व विकास कार्य करवाए है। शहर को जाम मुक्त करने के लिए ऐलिवेटिड रेलवे ट्रैक का निर्माण कराया। साथ ही लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए जलघरों का विस्तार किया गया, जबकि कांग्रेस के समय भ्रष्टाचार व गुण्डागर्दी चरम सीमा पर थी। भाजपा ने भ्रष्टार पर अंकुश लगाने के लिए पारदर्शिता तरीक्के से पोर्टल सिस्टम लागू किया, जिसके चलते आज घर बैठे लोगों को सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

हुड्डा गैंग से बचकर रहना नहीं तो दुविधाएं फिर खडी हो जाएगी : मनोहर लाल

केन्द्रीय मंत्री बोले, भाजपा ने व्यापार को सरल किया, दुकानदारों को दी सुरक्षा, कांग्रेसी करेंगे झूठे वादे, सावधान रहने की जरूरत

एजेंसी
रोहतक। केंद्रीय ऊर्जा और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने रोहतक में प्रबुद्ध समाज सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने सम्मेलन में उद्योगपति, व्यापारी, डॉक्टर और एडवोकेट आदि सभी तरह के प्रबुद्ध और बुद्धिजीवी लोग को भाजपा और कांग्रेस के 10-10 साल के कार्यकाल का अंतर बहुत ही कम शब्दों में समझाया। मनोहर लाल ने कहा कि सभी को पता होगा कि 10 साल पहले जब कांग्रेस का कार्यकाल था तो व्यापार करने में कितनी परेशानी होती थी। भाजपा ने व्यापार को सरल कर दिया है।

उन्होंने कहा कि 10 साल पहले दबंगई होती थी, दुकानदार मंथली और हफ्ता देते थे, लेकिन भाजपा की सरकार बनते ही हमने ये सब खत्म कर दिया। आज कोई दुकानदार मंथली या हफ्ता नहीं देता, सिर्फ जो सरकारी फीस होती है वहीं देते हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये भी चुनाव में ढेरों वादे करेंगे, लेकिन आप लोगों को समझना है कि इनके वादे धरातल पर लागू होंगे या नहीं। जहां भी कांग्रेस की सरकार बनी है और इन्होंने जितने भी वादे किए हैं, अब सबसे कांग्रेस पीछे हट रही है। झूठे वादे कर दिए, लेकिन सरकार के पास वादे पूरे करने के लिए पैसे ही नहीं हैं। इसलिए लोगों को इनकी झूठी बातों के झांसे में नहीं आना है। मनोहर लाल ने कहा कि हुड्डा गैंग से बचकर रहना नहीं तो 10 साल पहले की तरह सभी दुविधाएं फिर शुरू हो जाएंगी। वैसे भी कांग्रेस हार की ओर बढ़ रही है, प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इतिहास उठाकर देख लो 50 साल में केंद्र में जिस पार्टी की सरकार है उसी पार्टी की सरकार हरियाणा में भी रही है। हरियाणा की जनता समझदार है और इस बार भी भाजपा को जिताकर सेवा का मौका देगी। कांग्रेस की भाईचारा बिगाड़ने की की साजिश हम तीन बार झेल चुके है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने देंगे। प्रबुद्ध समाज सम्मेलन में उद्योगपति राजेंद्र बंसल, पूर्व विधायक, सरिता नारायण, प्रकाश आहूजा, दीपक जिंदल, धीरज चावला, मनमोहन गोयल, राजकुमार सहगल, शमशेर खरक, प्रो. मदनलाल, अशोक खुराना, राज शर्मा, प्रकाश अहूजा, चंद्र गर्ग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

2016 में रोहतक फूंक दिया, दुकानदारों का क्या कसूर था : मनीष ग्रोवर

रोहतक विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी मनीष ग्रोवर ने प्रबुद्ध समाज सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में दुकानदारों को भय रहता था, कोई सुबह घर से निकलता था तो पता नहीं होता था कि शाम को घर वापस आएगा या नहीं, लेकिन भाजपा की मनोहर सरकार ने आते ही व्यापारियों को सुरक्षा दी और आज व्यापारी भय मुक्त हैं।

6 विधान सभाओं में 85 मैदान में बचे उम्मीदवार

सोनीपत । जनरल ऑब्जवरों व रिटनिंग अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई नामांकन वापिस लेने व चुनाव चिन्ह्न अलॉट करने की प्रक्रिया जिला में विधानसभा आम चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए जरनल ऑब्जर्वर शिवानंद कपाशी, तपश रॉय तथा प्रकाश बाबूराव खापले व जिला की सभी छः विधानसभाओं के रिटनिंग अधिकारियों की उपस्थित में सोमवार को नामांकन वापिस लेने व चुनाव चिन्ह्न अलॉट करने की प्रक्रिया संपन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ0 मनोज कुमार ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव के लिए 28-गन्नौर विधानसभासे 11, 29-राई विधानसभा से 14, 30-खरखौदा विधानसभा से 10, 31-सोनीपत विधानसभा से 12, 32-गोहाना विधानसभा से 11 तथा 33-बरोदा विधानसभा से 07 उम्मीदवार विधानसभा चुनाव लडेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को गन्नौर, राई, खरखौदा, सोनीपत विधानसभा से एक-एक तथा गोहाना विधानसभा से तीन उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापिस लिया।

नामांकन वापिस लेने उपरांत जिला की चारों विधानसभाओं में 56 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

एजेंसी
रोहतक। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव 2024 के तहत नामांकन पत्र वापिस लेने की अंतिम तिथि को महम-60 विधानसभा के 2 निर्दलीय प्रत्याशियों व रोहतक-62 विधानसभा में 2 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र वापिस लिये। गढ़ी-सांपला-किलोई-61 व कलानौर-63 विधानसभाओं से किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र वापिस नहीं लिया गया। अब जिला की चारों विधानसभाओं में 56 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए है। चुनाव मैदान में रहे सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह भी अलॉट कर दिए गए हैं।

आगामी 5 अक्टूबर को मतदान होगा तथा 8 अक्तूबर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जायेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव 2024 के निर्धारित कार्यक्रम के

अनुसार नामांकन पत्र वापिस लेने की अंतिम तिथि को आज जिला की चारों विधानसभाओं में 6 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र वापिस लिये गए। महम विधानसभा में निर्दलीय प्रत्याशी रोहताश एवं परमजीत कुंडू ने नामांकन पत्र वापिस लिये। अब इस विधानसभा में 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। रोहतक विधानसभा में 2 प्रत्याशियों जितेंद्र कुमार एवं सत्यप्रकाश सिंह बिसला द्वारा नामांकन पत्र वापिस लिये गए तथा अब इस विधानसभा में 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा तथा कलानौर विधानसभा में किसी भी चुनाव प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र वापिस नहीं लिया गया है। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि नामांकन पत्र वापिस लेने के बाद चुनाव मैदान में रहे सभी चुनाव प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा चुनाव चिन्ह अलॉट किये गए हैं। साथ ही जिला की चारों विधानसभाओं में 831 मतदान केंद्र स्थापित किये गए हैं तथा जिला में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये गए हैं।

हिसार एयरपोर्ट से जल्द शुरू करवाएंगे अंतरराष्ट्रीय उड़ानें : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी
हिसार। भाजपा उम्मीदवार डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डा का प्रथम व दूसरे चरण का काम पूरा हो चुका है। एयरपोर्ट के फेस-3 का जल्दी जल्दी निर्माण करवा कर एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शीघ्र ही शुरू करवा दिया जाएगा। डॉ. कमल गुप्ता ने शहर में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महावीर कालोनी में दीपमाला कांगड़ा, भामाशाह नगर मे सत्यकाम आर्य, श्याम विहार में बाबू अमीरचंद, तारानगर में सुरेश प्रसाद, इंडस्ट्रियल एरिया में महेंद्र पटेल के संयोजन में आयोजित नुक्कड़ सभाओं में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचन्द्र गुप्ता, सुनील चाय पत्ती व सुजीत कुमार ने की। इनके अलावा डॉ. कमल गुप्ता जनसंपर्क अभियान के तहत बैंक कालोनी में सुशील बधवा, लाजपत नगर में गौरव कटारिया के आवास व

प्रतिष्ठानों पर पहुंच कर वोट देने की अपील की। कार्यक्रम का संयोजन रंजीव राजपाल ने किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि हिसार की जनता शहर के विकास के लिए तीसरी बार कमल का फूल खिलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले दस सालों में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं और जनकल्याण की नीतियों को धरातल स्तर पर क्रियान्वित करने का काम किया है, जिनका लाभ गरीब लोगों को मिल रहा है।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शस्त्र लाइसेंस धारक अपने हथियार करवाएं जमा : दीप्ति गर्ग

एजेंसी
सिरसा। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक डबवाली दीप्ति गर्ग ने शस्त्र लाइसेंस धारकों को जल्द से जल्द अपने लाइसेंसी हथियार नजदीकी पुलिस थाना में जमा करवाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा के साथ पुलिस जिला डबवाली में आचार संहिता भी लागू हो गई है । चुनाव को शांतिपूर्वक, निष्पक्ष और भय मुक्त वातावरण में संपन्न करवाने के उद्देश्य से लाइसेंस धारक को अपना हथियार बिना किसी देरी के अपने नजदीकी थाना व गन हाउस में जमा कराने के पुलिस द्वारा बार बार अपील की जा रही है। जिस

संबंध में पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश भी दिए गए कि आपके क्षेत्र में जिन जिन लोगों के पास लाइसेंसी हथियार है उन सभी के हथियारों को चुनाव से पहले संबंधित पुलिस थाने या गन हाउस में जमा करवाया जाना चाहिए । इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति गन हाउस में भी अपने हथियार जमा करवा सकता है परंतु हथियार जमा करवाने की रसीद को संबंधित थाने में दिखाना अनिवार्य है। चुनाव के दौरान किसी के पास भी कोई हथियार नहीं होना चाहिए। जो लोग अपने लाइसेंसी शस्त्र जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वह अशांति फैलाने में शामिल पाए गए तो उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर प्रशासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

यदि शस्त्र लाइसेंस धारक अपना हथियार जमा नहीं करवाते हैं तो उनके शस्त्र लाइसेंस का नवीनीकरण रोककर, लाइसेंस की कैंसिलेशन की प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी ।

पुलिस अधीक्षक ने जिले की आम जनता से अपील की है कि चुनाव के दौरान यदि कोई व्यक्ति शांति भंग करता है या किसी प्रकार का षड्यंत्र रचने की जानकारी उनके पास है तो इसकी तुरंत सूचना अपने निकटवर्ती पुलिस थाना या चौकी में दे सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गोपनीय रखा जाएगा। वही पुलिस जिला डबवाली की संपूर्ण जनता से चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सफल बनाने के लिए पुलिस विभाग को सहयोग की अपील की है।

इनेलो-जेजेपी-हलोपा सब भाजपा की बी टीम बनकर काम कर रहे वोट काटुआः भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

एजेंसी
रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कुमारी सैलजा हमारी बहन हैं और कांग्रेस की सम्मानित नेता हैं। कोई भी कांग्रेस का नेता या कार्यकर्ता उनके बारे में गलत टिप्पणी नहीं कर सकता। उनके विरुद्ध बोलने वाले लोगों का कांग्रेस में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि आज सभी लोगों के हाथ मोबाइल है और लोगों को मैन्युपुलेट करके कुछ भी बुलवाया जा सकता है, लेकिन ऐसी मानसिकता का समाज या राजनीति में कोई स्थान नहीं है। विरोधी दल जानबूझकर समाज को बांटने वाली साजिशें रच रहे हैं, लेकिन हरियाणा का समाज किसी की चाल फंसकर जात-पात में नहीं बंटने वाला। उन्होंने कहा कि 36 बिरादरी एकजुट होकर कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है और पूरे हरियाणा में एक ही नारा गूंज रहा है ना जात पर-ना पात पर, बटन दबेगा हाथ पर। पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा डी पार्क स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले बेरी से भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक ओमप्रकाश कादियान और उनके बेटे विक्रम कादियान ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। विक्रम कादियान भाजपा के टिकट पर दो बार बेरी से चुनाव लड़ चुके हैं। वहीं, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री गायित्री देवी ने भी कांग्रेस का हाथ थाम लिया। ज्वाइनिंग के बाद सिरसा से हलोपा प्रत्याशी गोपाल कांडा को भाजपा द्वारा समर्थन करने के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि ये बात प्रदेश की जनता को पहले ही पता थी।

चुनाव प्रचार में जाति-धर्म, संप्रदाय पर टिप्पणी न करें : निशांत यादव

एजेंसी
गुरुग्राम। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी नागरिकों को चुनाव आचार संहिता का पालना करना जरूरी है। ऐसे में चुनाव में होने वाले प्रत्याशी या अन्य कोई भी व्यक्ति प्रचार-प्रसार में एक-दूसरे पर जाति, धर्म, संप्रदाय या व्यक्तिगत टिप्पणी ना करें। यदि कोई ऐसा करता है तो वह आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि चुनाव लोकतंत्र का एक पवित्र पर्व है, जिसमें हर नागरिक भी सार्थक भागीदारी होती है। 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले हर नागरिक को वोट डालने का समान रूप से अधिकार है। चुनाव में एक-एक वोट कीमती है। उन्होंने कहा कि जिस नागरिक का वोट बन चुका है, वे चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग अपने विवेक से करें। नागरिक अपने वोट का महत्व समझें। वोट देने के लिए किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आएं। डीसी ने कहा कि जिला की चारों

सभी नागरिक आदर्श चुनाव आचार संहिता की पालना करें

विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव को शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाना है। ऐसे में जरूरी है कि नागरिक आदर्श चुनाव आचार संहिता की पालना करें। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कोई भी व्यक्ति-प्रत्याशी अशोभनीय टिप्पणी या भाषा का प्रयोग ना करें। इसके अलावा वोट हासिल करने के लिए जाति, धर्म, भाषा और संप्रदाय से संबंधित टिप्पणी न करें। यदि कोई ऐसा करना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वोट हासिल करने के लिए जाति, धर्म, भाषा और संप्रदाय संबंधित शब्दों या भाषा का प्रयोग नहीं किया जा सकता। उन्होंने जिला के प्रत्येक नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे जिला में चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने में जिला प्रशासन का सहयोग करें और लोकतंत्र के इस पवित्र पर्व में भागीदार बने।

हरियाणा में दो करोड़ तीन लाख 54 हजार मतदाता 20,629 पोलिंग बूथों पर डालेंगे वोट, 8,821 मतदाताओं की उम्र सौ के पार

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि आगामी 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव-2024 में प्रदेश के दो करोड़ तीन लाख 54 हजार 350 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। मतदान के लिए 20,629 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 27 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया था। उसके उपरांत 2 सितंबर तक वोट बनवाने के लिए फार्म-6 जमा करवाए गए थे, जिनके निपटान के बाद एक लाख 29 हजार 392 नए मतदाता सूची में शामिल हुए, जिसमें 64,031 पुरुष, 65 हजार 352 महिलाएं और 9 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। अब प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 2,03,54,350 है। पंकज अग्रवाल ने बताया कि 2,03,54,350 मतदाताओं में से 1,07,75,957 पुरुष, 95,77,926 महिलाएं और थर्ड जेंडर 467 मतदाता है। उन्होंने बताया कि 18 से 19 आयु वर्ग के 5,24,514 युवा मतदाता है। इसी प्रकार 1,49,142 दिव्यांग मतदाता तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के 2,31,093 मतदाता हैं। इसके

अंतिम प्रकाशन के बाद एक लाख 29 हजार नए मतदाता जुड़े
मतदाता सूची में 18 से 19 आयु वर्ग के 5,24,514 युवा मतदाता

अलावा, 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 8,821 है। इसके अतिरिक्त, 1,09,217 सर्विस मतदाता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विभाग की वेबसाइट पर मतदाता सूचियां अपलोड कर दी गई हैं। कोई भी मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में चेक कर सकता है। इसके अलावा, वोटर हेल्पलाइन नंबर- 1950 पर कॉल करके भी अपनी वोट को चेक किया जा सकता है। वोट डालने के लिए मतदाता सूची में नाम शामिल होना अनिवार्य है।

कांग्रेस आरक्षण को समाप्त करने की साजिश रच रही हैः अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी
गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों को ठगा और डराया कि बीजेपी आ जाएगी तो संविधान खत्म कर देगी। आरक्षण खत्म कर देगी, लेकिन अब राहुल गांधी और कांग्रेस खुद ही आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। जब तक भाजपा है आरक्षण को कोई छू नहीं सकता।यह बात केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने यहां भाजपा जिला कार्यालय में पदाधिकारियों और जिला पदाधिकारियों से चुनाव पर चर्चा करते हुए कही। गुरुग्राम पार्टी कार्यालय गुरुकमल पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कमल यादव और कार्यकर्ताओं ने अर्जुन राम मेघवाल का स्वागत किया। केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि अमेरिका में बैठकर राहुल गांधी आरक्षण को समाप्त करने की साजिश रच रहे हैं। राहुल गांधी का असली एजेंडा आरक्षण को समाप्त करना है। उन्होंने चुनाव में जीत के अंतर को बढ़ाने का मंत्र दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हरियाणा के विकास और तरक्की के लिए तीसरी बार भाजपा सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि 5 अक्टूबर को चुनाव होना है, समय भी कम है। इसलिए दिन राम मेहनत करें और गुरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में कमल का फूल खिलाने के काम में जुट जाएं। और प्रदेश की तस्वीर और तकदीर को बदला है। 10 वर्षों में हुए परिवर्तन को लोग भी महसूस कर रहे हैं। हरियाणा में वर्तमान में माहौल भाजपा के पक्ष में है। उन्होंने कहा हमें अपनी जीत के अंतर को बढ़ाना है,

अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि चुनाव के समय लोगों को ठगने के लिए कांग्रेस भ्रम, झूठ और अफवाहों का नेरेटिव चलाती है। कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश करना तथा मोदी और नायब सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की ही जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में देश इसलिए हर बूथ पर कमल खिलाने के लक्ष्य को लेकर हरेक व्यक्ति से मिले और उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें। भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने अर्जुनराम मेघवाल को भरोसा देते हुए कहा कि इस बार गुरुग्राम जिला की चारों विधानसभाओं में कमल खिलेगा।

सुरभि आर्ट सोसाइटी की दो दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन

एजेंसी
हिसार। कला के उत्थान को समर्पित सुरभि आर्ट सोसायटी की ओर से विख्यात सिनेमा पोस्टर निर्माता आर्टिस्ट लक्ष्मण कुमार (दिल्ली) के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय दो दिवसीय पोट्रेट, पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन सुरभि आर्ट गैलरी में किया गया। इस कार्यशाला में वरिष्ठ चित्रकार लक्ष्मण कुमार ने विद्यार्थियों को अनेक पोटेट को सरल विधि द्वारा बनाना सिखाया। तेल रंग एक्रेलिक रंगों के साथ-साथ नाइफ पेंटिंग द्वारा सिनेमा अभिनेता अमिताभ बच्चन, गणपति, भगवान बुद्ध, राजस्थानी बूढ़ा व हरियाणवी महिलाओं के पोटेट्ट भी बनाकर विद्यार्थियों को आकर्षित किया। कला रत्न से सम्मानित लक्षण कुमार ने बताया कि 2003 से पूर्व फिल्मों के कई मास्टर पोस्टर का निर्माण इन्हीं के द्वारा किया गया है, जिनमें शोले, गाइड, मुगल-ई-आजम, मदर इंडिया, धर्मवीर आदि प्रसिद्ध फिल्में शामिल हैं। अब भले ही सिनेमा पोस्टर का दौर कम हो गया है किंतु अब युवा कलाकारों को मार्गदर्शन देने के लिए चित्रकला कार्यशालाओं के माध्यम से पोट्रेट संबंधी ज्ञान प्रदान कर रहे हैं और चांदनी चैक दिल्ली में अपना आर्ट स्टूडियो भी चला रहे हैं। सुरभि आर्ट सोसायटी के संरक्षक डॉक्टर राजेश जांगड़ा ने बताया कि इस कार्यशाला में हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया और पेंटिंग सिखी। कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि दयानंद महाविद्यालय में इतिहास प्रवक्ता डॉ महेंद्र विवेक हिसार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कला के महत्व की जानकारी दी और विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बताया कि भारी भरकम विषयों के बोझ की अपेक्षा कला के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व पूर्व उपाध्यक्ष हरियाणा ग्रंथ अकादमी कमलेश भारतीय ने युवा कलाकारों को प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ-साथ कला व साहित्य के संबंध और कला की शक्ति के बारे में अपने जीवन से जुड़ी हुई कुछ घटनाओं के माध्यम से उदाहरण देकर समझाया कि हमें अपनी इस अद्भुत शक्ति को समझना है और निरंतर आगे बढ़ाना है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज एक बार फिर 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे गिर गया है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 74,930 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज गिरावट आई है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

एलआईसी ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इंफोसिस को चुना

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म (मंच) के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस को चुना है। इस समझौते के तहत इंफोसिस एलआईसी को ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर अनुभवों और डेटा आधारित वैयक्तिकरण सुविधाएं प्रदान करेगा। इंफोसिस ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में यह जानकारी दी है। कंपनी ने बताया कि देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के साथ इंफोसिस ने सहयोग का समझौता किया है, ताकि एलआईसी डीआईवीई (डिजिटल नवाचार एवं मूल्य संवर्धन) नामक अपनी डिजिटल रूपांतरण पहल को आगे बढ़ा सके। इंफोसिस के मुताबिक इस समझौते के तहत वो एलआईसी के साथ मिलकर डिजिटल इनोवेशन एंड वैल्यू एन्हांसमेंट (डीआईवीई) नामक अपनी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पहल को आगे बढ़ाया है। कंपनी ने बताया कि एलआईसी ने बैंकिंग, वित्तीय और बीमा क्षेत्रों में इंफोसिस की गहन विशेषज्ञता और अनुभव को देखते हुए उस चुना है। इस समझौते के तहत इंफोसिस अगली पीढ़ी का डिजिटल मंच तैयार करेगी, जो एलआईसी के ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर जुड़ाव और डेटा आधारित वैयक्तिकृत अनुभव देने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। हालांकि, कंपनी ने इस सौदे की राशि के बारे में नहीं बताया है।

कूक का राजस्व 10 गुना बढ़ा; टियर दो शहरों में विस्तार की योजना

नयी दिल्ली। रेडी-टू-कुक क्षेत्र की कंपनी कूक ने बताया कि उपभोक्ताओं के बीच सुविधाजनक और उच्च गुणवत्ता वाले घरेलू भोजन समाधान की बढ़ती मांग की बदौलत उसका राजस्व पिछले साल के पांच लाख रुपये से दस गुना बढ़कर 50 लाख रुपये हो गया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि उसकी सफलता का एक प्रमुख कारक पिछले साल प्लकक द्वारा 13 लाख डॉलर में इसका अधिग्रहण रहा। इस रणनीतिक कदम से कूक को प्लकक के व्यापक फार्म-टू-फोर्क नेटवर्क, अच्छी तरह से स्थापित किचन और डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर, क्विक कॉमर्स और ऑफलाइन वितरण चैनलों का लाभ उठाने में मदद मिली। इससे कूक का ग्राहक आधार बढ़ा, मेट्रो शहरों में इसकी उपस्थिति मजबूत हुई और आपूर्ति श्रृंखला संचालन को सुचारू बनाया गया। कूक की स्थापना आईएसबी के पूर्व छात्र निखिल और अर्पिता ने 2020 में की थी। कूक का उद्देश्य घर पर खाना पकाने को आसान और परेशानी मुक्त बनाना है। कूक ने इंस्टामार्ट, जेप्टो और ब्लिंकिट जैसे प्रमुख प्लेटफार्मों के साथ साझेदारी की है, जिससे बाजार में 300 प्रतिशत की पैठ बढ़ी है।

आइकिया इंडिया की '365 डेज़ टू चेंज योर माइंड' पॉलिसी

नयी दिल्ली। होम फर्निशिंग ब्रांडों में से एक आइकिया ने ग्राहकों के खरीदारी अनुभव को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए एक साल तक बदलने या वापस करने की सुविधा प्रदान करने के लिए '365-डेज़ एक्सचेंज एंड रिटर्न' पॉलिसी शुरू की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नई पॉलिसी के तहत, ग्राहक अपनी खरीदी हुई चीजों को एक साल के भीतर बदल या वापस कर सकते हैं, चाहे उन्होंने इसे खरीदारी के दिन से या डिलीवरी के दिन से गिना हो। इससे ग्राहकों को अपने घर के लिए सही विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। खरीद के सबूत के साथ, ग्राहक उन वस्तुओं को एक्सचेंज या रिटर्न कर सकते हैं, चाहे वे बिल्कुल नई हों, थोड़ी इस्तेमाल की गई हों, या असेंबल की गई हों। इसमें सभी आइकिया उत्पाद शामिल हैं, चाहे वे स्टोर से खरीदे गए हों या ऑनलाइन। इसके अलावा, कंपनी गद्दों, एज़-इज़ सेक्शन और मीटर फैब्रिक के लिए 365 दिनों की अतिरिक्त एक्सचेंज अवधि देती है।

देश की सबसे मूल्यवान आवास वित्त कंपनी बनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस

एजेंसी

नई दिल्ली। बजाज समूह की कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (बीएचएफएल) ने शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की है। घरेलू शेयर बाजार में लिस्टिंग के पहले दिन ये देश की सबसे मूल्यवान आवास वित्त कंपनी बन गई है। कंपनी का शेयर भाव पहले दिन के कारोबार में 70 रुपये के निर्गम मूल्य से करीब 136 फीसदी उछलकर 165 रुपये पर बंद हुआ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) शेयर भाव में जोरदार तेजी से कारोबार के अंत में 1,37,406.09 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही बजाज हाउसिंग फाइनेंस देश की सबसे मूल्यवान आवास वित्त कंपनी बन गई। इस तरह पहले दिन कंपनी नंबर वन पायदान पर काबिज हो गई है। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हुडको) 49,476.96 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ दूसरे पायदान पर है। इसके बाद एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 37,434.54 करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ तीसरे और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस 27,581.41 करोड़ रुपये मूल्यांकन के साथ चौथे स्थान पर है।

इससे पहले बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने घरेलू शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी के शेयर में 114 फीसदी से ज्यादा उछलकर 70 रुपये के अपने निर्गम मूल्य के मुकाबले 114.28 फीसदी के भारी प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 150 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ था, जो निर्गम मूल्य के मुकाबले 114.28 फीसदी अधिक है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के 6,560 करोड़ रुपये के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन 11 सितंबर को 63.60 गुना अभिदान मिला। कंपनी ने निर्गम के लिए मूल्य दायरा 66-70 रुपये प्रति शेयर रखा था। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी निर्देश के मुताबिक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना आवश्यक है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों की खरीद और नवीनीकरण के लिए वित्त मुहैया कराती है।

पीयूष गोयल ने भारत स्टार्टअप नॉलेज रजिस्ट्री 'भास्कर' किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में एक नए डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर) को लॉन्च किया है। वाणिज्य मंत्री ने स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के तहत इस ज्ञान पहल का शुभारंभ किया है। ये स्टार्टअप क्षेत्र के सभी हितधारकों के लिए एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर प्रत्येक सदस्य को प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए एक विशिष्ट भास्कर आईडी दी जाएगी।

वाणिज्य मंत्री ने भास्कर के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप इकोसिस्टम के विभिन्न हितधारकों जैसे स्टार्टअप, निवेशक, सलाहकार, सेवा प्रदाता और सरकारी निकायों के लिए एक केंद्रीकृत मंच बनना है, ताकि वे आपस में जुड़ सकें, विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म से देश के तमाम स्टार्टअप्स को बड़ी मदद मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर) की शुरुआत की है। यह दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम को और बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के युवाओं द्वारा विचारों को व्यवसायों में बदलने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए एक इंटरैक्टिव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। इस एक केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से नवाचार को सशक्त बनाना है। यह देश के 1,46,000 से अधिक डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप का घर होगा, जो तेजी से दुनिया के सबसे गतिशील स्टार्टअप हब में से एक बन गया है, जिन्होंने 15 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन की सूचना दी है।

वित्त मंत्री 18 सितंबर को करेंगी एनपीएस वात्सल्य योजना का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 18 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में एनपीएस वात्सल्य योजना का शुभारंभ करेंगी। इस योजना की शुरुआत केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणा के अनुसार की जाएगी। इस शुभारंभ कार्यक्रम में स्कूली बच्चे भी शामिल होंगे।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री एनपीएस वात्सल्य की सदस्यता लेने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की शुरुआत करेंगी। इस अवसर पर वित?त मंत्री इस योजना की विवरणिका जारी करेंगी और नए नाबालिग ग्राहकों को स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (पीआरएएन) कार्ड भी वितरित करेंगी। मंत्रालय के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में इसके शुभारंभ के तहत एनपीएस वात्सल्य

कार्यक्रम पूरे देश में करीबी 75 स्थानों पर एक साथ आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य जगहों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और उस स्थान पर नए नाबालिग ग्राहकों को पीआरएएन सदस्यता भी वितरित की जाएगी। ये नई पहल बच्चों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शुरू की गई है, जो भारत की पेंशन प्रणाली में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के तहत चलाई जाएगी। एनपीएस वात्सल्य माता-पिता को पेंशन खाते में निवेश करके अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत करने के साथ दीर्घकालिक धन सुनिश्चित करने की अनुमति देगा। एनपीएस वात्सल्य लचीला योगदान और निवेश का विकल्प प्रदान करेगा, जिससे माता-पिता बच्चे के नाम पर सालाना 1,000 रुपये का निवेश कर सकते हैं, जिससे यह सभी आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों के लिए सुलभ हो जाता है। मंत्रालय ने कहा कि एनपीएस वात्सल्य की शुरुआत केंद्र सरकार की सभी के लिए दीर्घकालिक वित्तीय योजना और सुरक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह भारत की भावी पीढ़ियों को अधिक वित्तीय रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई स्थित फैबटेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष कंपनी के दाखिल डीआरएचपी के मुताबिक 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 1.20 करोड़ इक्विटी शेयरों का नया इश्यू है। इस आईपीओ में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण भी शामिल है। इसके अलावा इसमें कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। फैबटेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस आईपीओ से प्राप्त 120 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश?यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी। कंपनी प्री-आईपीओ राउंड के जरिए 10 करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। अगर ऐसा प्लेसमेंट पूरा हो जाता है, तो नए इश्यू का आकार कम हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुंबई स्थित कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कई तरह के ग्राहकों के लिए चुनिंदा फार्मास्युटिकल उपकरणों की डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, खरीद, स्थापना और परीक्षण सहित व्यापक स्टार्ट-टू-फिनिश समाधान प्रदान करती है। कंपनी का नेतृत्व आसिफ अहसान खान, हेमंत मोहन अनावकर और आरिफ अहसान खान करते हैं।

सेबी ने गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति पर जारी प्रेस विज्ञप्ति को लिया वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति पर जारी अपनी प्रेस विज्ञप्ति वापस ले ली है। सेबी ने विगत 4, सितंबर को जारी इस विज्ञप्ति को यह कहते हुए वापस ले लिया है कि यह चिंताएं 'गलत' हैं और कर्मचारी संबंधी मुद्दों को आंतरिक रूप से संभाला जाएगा।

बाजार नियामक ने जारी बयान में कहा कि सेबी ने पिछले 36 वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजार को विश्व के सबसे गतिशील और सुव्यवस्थित बाजारों में से एक बनाने में अपने कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को

स्वीकार किया। सेबी ने कहा कि वह कर्मचारी-संबंधी मामलों का निपटारा उचित आंतरिक तंत्र के माध्यम से करती है।

सेबी ने कहा है कि सभी ग्रेड के अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ रचनात्मक चर्चा के बाद सेबी और उसके कर्मचारियों ने पुष्टि की है कि ऐसे मुद्दे पूरी तरह से आंतरिक हैं, उन्हें संगठन के शासन के उच्च मानकों के अनुसार और समयबद्ध ढांचे के भीतर प्रबंधित किया जाएगा।

गौरतलब है कि 6 अगस्त को करीब 500 कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को शीर्ष प्रबंधन के खिलाफ पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने 'गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति' का जिक्र किया, जिसमें सार्वजनिक अपमान और चीखने-चिल्लाने जैसी घटनाएं शामिल थीं।

एयर इंडिया ने शुरू की दिल्ली-कुआलालंपुर नॉनस्टॉप दैनिक उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने नई दिल्ली से कुआलालंपुर के बीच रोजाना नॉन-स्टॉप दैनिक उड़ान की शुरुआत की है। एयर इंडिया की एयरबस ए320 नियो (नया इंजन विकल्प) विमान द्वारा संचालित ये उड़ान 15 सितंबर को स्थानीय समयानुसार 2043 बजे कुआलालंपुर में लैंड किया। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि हमने राजधानी नई दिल्ली और मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बीच अपने नए नॉन-स्टॉप रूट के उद्घाटन का जश्न मनाया। कंपनी ने कहा कि यह मलेशियाई यात्रियों के लिए एयरलाइन के विश्वव्यापी नेटवर्क तक पहुंचने के लिए नए कनेक्शन को खोलती है, जो पांच महाद्वीपों में फैला हुआ है। एयरलाइन ने कहा कि अब कुआलालंपुर के लिए प्रतिदिन नॉन-स्टॉप उड़ान भरें। अभी http://airindia.com या एयर इंडिया ऐप पर अपना टिकट बुक करें। उल्लेखनीय है कि

कुआलालंपुर दक्षिण पूर्व एशिया में एयर इंडिया का छठा गंतव्य है, जो इस क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और लगातार बढ़ते वैश्विक मार्ग नेटवर्क को और मजबूत करता है। कुआलालंपुर के लिए एयर इंडिया की सेवा भारत और मलेशिया के बीच यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए एक नया विकल्प प्रदान करती है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना लिया। इसके बाद मुनाफा वसूली का दबाव पड़ने पर दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे। दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान कैपिटल गुड्स, बैंकिंग, रियल्टी, पावर, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर तेजी बनी रही, जिसके कारण बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। हालांकि, मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ बंद हुआ आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 470.53 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.71 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.82 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,201 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,150 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,492 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,225 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,267 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 94.39 अंक की मजबूती के साथ 82,985.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 293.40 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,184.34 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक बिकवाली के दबाव की वजह से 58.12 अंक की कमजोरी के साथ 82,832.82 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक ने वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 97.84 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,988.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अडाणी ग्रुप के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ा, अगस्त में ग्रुप की कंपनियों में 4,200 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और देश के तमाम विपक्षी दलों के निशाने पर रहने के बावजूद अडाणी ग्रुप के प्रति निवेशकों का रुझान लगातार बढ़ता जा रहा है। खासकर म्युचुअल फंड्स ने अडाणी ग्रुप के शेयरों में खरीदारी करने में अपने दिलचस्पी काफी बढ़ा दी है। अगस्त के महीने में म्युचुअल फंड्स ने अडाणी ग्रुप के शेयरों में 4,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया, जो जुलाई में अडाणी ग्रुप के शेयरों में किए गए निवेश की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। इस संबंध में मिले आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के महीने में म्युचुअल फंड्स ने अडाणी ग्रुप के शेयरों में 4,200 करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी की। इस दौरान म्युचुअल फंड कंपनियां ग्रुप की आठ लिस्टेड कंपनियों के शेयरों की जम कर खरीददारी करती रहीं, जबकि इसी ग्रुप की कंपनी एसीसी में उन्होंने मामूली बिकवाली की। अगस्त के

पहले जुलाई में म्युचुअल फंड कंपनियों ने अडाणी ग्रुप में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जून में निवेश का ये आंकड़ा 990 करोड़ रुपये और मई में 880 करोड़ रुपये का था। अगस्त के महीने में म्युचुअल फंड्स ने अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अंबुजा सीमेंट के शेयरों में सबसे अधिक निवेश किया। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में म्युचुअल फंड कंपनियों ने 1,541 करोड़ रुपये का निवेश किया, वहीं अंबुजा सीमेंट में उन्होंने 1,308 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। बताया जा रहा है कि ये खरीदारी एक ब्लॉक डील के दौरान हुई, जिसमें अंबुजा सीमेंट के करीब 4,250 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री हुई थी।

इन दोनों कंपनियों के अलावा अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज में म्युचुअल फंड्स ने अगस्त महीने के दौरान 924 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि अडाणी पोर्ट्स के 588 करोड़ रुपये के शेयर म्युचुअल फंड्स ने अगस्त महीने के दौरान खरीदे। इसी तरह अगस्त के महीने में म्युचुअल फंड कंपनियों ने अडाणी पावर में 44 करोड़ रुपये, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 11 करोड़ रुपये और अडाणी टोटल गैस में 4.17 करोड़ रुपये का निवेश किया। म्युचुअल फंड्स ने अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी विल्मर में अगस्त महीने के दौरान सिर्फ 34 लाख रुपये का निवेश किया। दूसरी ओर इसी ग्रुप की कंपनी एसीसी के 201 करोड़ रुपये के शेयर म्युचुअल फंड कंपनियों ने अगस्त महीने के दौरान बेच दिए।

शेयर बाजार में 7 कंपनियों की लिस्टिंग से बढ़ी हलचल

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में 7 कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस समेत 4 कंपनियों ने आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग गेन दिला कर खुश कर दिया। दो कंपनियों के शेयर की सपाट स्तर पर लिस्टिंग हुई, जबकि एक कंपनी के शेयर से आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग लॉस का सामना करना पड़ा। बजाज ग्रुप की हाउसिंग फाइनेंस कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयर की आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर जोरदार लिस्टिंग हुई। इन दोनों एक्सचेंजों पर कंपनी के शेयर 114.28 प्रतिशत लिस्टिंग गेम के साथ 150 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्सा 222.05 गुना, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) का हिस्सा 43.98 गुना और रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 7.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा एम्पलाइज कोटे में 2.53 गुना और शेयरहोल्डर्स कोटे में 18.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 3,560 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 42.86 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बिक्री हुई है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस की तरह ही शुभश्री बायोफ्यूल्स एनर्जी के शेयर की भी आज घरेलू शेयर बाजार में धांसू एंट्री हुई। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर आज 189 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 119 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही आईपीओ निवेशकों को 58.8 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब ये शेयर 66.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 198.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। शुभश्री बायोफ्यूल्स एनर्जी के आईपीओ को भी निवेशकों का जोरदार रिस्पांस मिला था। ये आईपीओ ओवरऑल 132.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी को सबसे अधिक 245.74 गुना सब्सक्रिप्शन नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में मिला, जबकि रिटेल इन्वेस्टर कैटेगरी में कंपनी को 135.65 गुना और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशन बायर्स कैटेगरी में कंपनी को 31.32 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। सस्टेनेबल कॉटन बनाने वाली कंपनी गजानंद इंटरनेशनल के शेयर की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 16.6 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 36 रुपये के भाव पर जारी हुए थे, लेकिन आज इसकी लिस्टिंग 42 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद ये शेयर खरीदारी के सपोर्ट से उछल कर 43 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इसमें मामूली गिरावट भी आ गई। दोपहर 1 बजे ये शेयर 10.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में आज ही कामधेनु सरिया बनाने वाली कंपनी आदित्य अल्ट्रा स्टील के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 62 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे।

बेतरतीब जरूर है लेकिन हार्ट पर आंच तक नहीं आने देती सोने जैसी चमकीली यह सब्जी! विटामिन और मिनिरल्स का है पावरहाउस

यह सब्जी आकार में बेतरतीब है और देखने में सोने जैसी चमकीली है. लेकिन यह सब्जी विटामिन और मिनिरल्स का पावरहाउस है. रिसर्च में भी यह साबित हो चुका है कि बटरनट स्क्वैश हार्ट की कोशिकाओं को मजबूत करता है जिससे धड़कनों पर आंच नहीं आती.

हम सब्जियां तो बहुत तरह के खाते हैं लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं कि इसमें विटामिन और मिनिरल्स का पावरहाउस छिपा होता है. बटरनट स्क्वैश ऐसी ही सब्जी है. इस सब्जी में गजब की शक्ति है. इस सब्जी को लेकर कई स्टडीज भी हो चुकी है जिसमें इसकी शक्ति प्रमाणित हो चुकी है. बटरनट स्क्वैश कद्दू की तरह ही होती है लेकिन देखने में यह बिल्कुल अलग है. इसे कद्दू भी कहा जाता है. वहीं कुछ जगहों पर इसे ग्रामामा कहा जाता है. इसका स्वाद कद्दू की तरह ही हल्का मीठा होता है और अंदर का भाग भी वैसा ही होता है. हालांकि यह हमारे देश की सब्जी नहीं है लेकिन आजकल कई जगहों पर इसे उगाया जाता है. बटरनट स्क्वैश आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है. इसके साथ ही यह हार्ट और डाइजेशन को बहुत फायदा पहुंचाता है.

बटरनट स्क्वैश में गुण

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक बटरनट स्क्वैश विटामिन और मिनिरल्स का पावरहाउस है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की भी कोई कमी नहीं है. 200 ग्राम बटरनट स्क्वैशन में 22 ग्राम कार्बोहाइड्रैट, 7 ग्राम फाइबर, 2 ग्राम प्रोटीन के अलावा विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, बी-1, बी-3, बी-6, बी-9 सहित मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे कई तत्व होते हैं. सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें कैलोरी बहुत कम होती है. इस कारण यह वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है.

हार्ट को हर बला से रखता है महफूज

बटरनट स्क्वैश सब्जी का सेवन करने से हार्ट महफूज रहेगा. करीब 2000 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि बटरनट स्क्वैश का रेगुलर सेवन करने पर हार्ट डिजीज का रिस्क 23 प्रतिशत तक कम हो गया. इस सब्जी का सेवन करने से हार्ट की कोशिकाओं में इंफ्लामेशन नहीं होता है. हार्ट की बीमारियों के लिए इंफ्लामेशन ही बड़ी वजह है. इसके साथ ही अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन लोगों जीन संबंधी गड़बड़ियों की वजह से हार्ट अटैक का जोखिम था, उनमें भी यह सब्जी खाने से यह जोखिम कम हो गया. बटरनट स्क्वैश ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत मददगार है.

आंखों के लिए बेहद फायदेमंद

बटरनट स्क्वैश सब्जी में जेक्सांथिन और ल्यूटिन फायटोन्यूट्रेंट्स पाए जाते हैं. इसके साथ ही इसमें विटामिन ए भी बहुत होता है. ये सभी कंपाउड आंखों की नई कोशिकाओं को बनाने में भी बहुत मददगार है. उम्र बढ़ने के साथ ही कोशिकाएं डिजेनरेट होती जाती है. इससे आंखों में रोशनी कम होती है लेकिन बटरनट स्क्वैश का सेवन करने से यह समस्याएं दूर हो जाती है.

पाचन शक्ति मजबूत और वजन कम

रिपोर्ट के मुताबिक बटरनट स्क्वैश में बहुत अधिक मात्रा में सॉल्यूबल फाइबर होता है. 205 ग्राम बटरनट स्क्वैश में सिर्फ 83 कैलोरी होती है. यानी यदि आप इसका रेगुलर सेवन करेंगे तो पाचन शक्ति मजबूत हो जाएगा और वजन पर भी लगाम लगेगा. कई अध्ययनों में पाया गया कि सॉल्यूबल फाइबर का सेवन करने से बॉडी का फैट कम किया जा सकता है.कैंसर पर भी रोक

बटरनट स्क्वैश में कैरोटोनोएड और विटामिन सी पाया जाता है. ये ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स हैं जो कैंसर के जोखिम को कम करता है. एक अध्ययन के मुताबिक बटरनट स्क्वैश का रेगुलर सेवन लंग्स कैंसर के जोखिम को 7 प्रतिशत तक कम कर देता है. कई अन्य अध्ययनों में भी यह बात कही गई है. जिस तरह कद्दू की सब्जी खाई जाती है, उसी तरह इस सब्जी को भी बनाई जा सकती है.

पुतिन के सामने डोभाल का झुका हुआ सिर भारत का अपमान है!

भारत में कई प्रधानमंत्री हुए हैं। देश को लेकर उनकी नीतियों की यहां खूब चर्चाएं और हिसाब हुए हैं। मगर कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी कभी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को किसी विदेशी राष्ट्र प्रमुख के सामने सिर झुकाकर सफाइयां देने नहीं भेजा। कोई छोटा राष्ट्र भी ऐसा नहीं करता है। किसी भी देश के लिए उसकी संप्रभुता सबसे बड़ी चीज होती है।जिन्दगी का एक सिद्धांत है। जो भी चीज आप दूसरे पर लागू करोगे वह एक दिन आप पर ही हमला करेगी। यूपीए सरकार के समय भाजपा और मीडिया ने एक शब्द का ईजाद किया था। बाडी लेंग्वेज! 2012-13 में इस शब्द के जरिए ये रोज डां. मनमोहन सिंह सोनिया गांधी शीला दीक्षित और अन्य कांग्रेसी नेताओं का पोस्टमार्टम करते रहते थे। उन्हें अपराधी, भ्रष्टाचारी, डरे हुए और जाने क्या-क्या बनाते रहते थे। शक्ल देखकर।

आज वही बाडी लेंग्वेज अपने असली रूप में विश्व फलक पर सामने आ गई। दुर्भाग्य से इन लोगों ने उसे देश की छवि के रूप में रख दिया। गलत छवि। जो कभी नहीं थी। कमजोर छवि। माफ़ी मांगने की मुद्रा!जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ के घर पर खुद के द्वारा की जा रही पूजा की फोटो ट्विट करके चीफ जस्टिस को जवाब देने लायक भी नहीं छोड़ा वैसे ही रूस ने अपने राष्ट्रपति के सामने सिर झुकाए सफाइयां दे रहे भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का वीडियो जारी करके भारत की इतने सालों की कमाई अन्तरराष्ट्रीय सम्मान पर एक झटके से गहरा दाग लगा दिया।

भारत जिसके बारे में यह केवल बढ़-बढ़कर बातें करते हैं मदर आफ डेमोक्रेसी, विश्व गुरु, युद्ध रुकवा दिया और केवल रूस-यूक्रेन ही नहीं इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध के लिए भी ऐसा ही दावा किया था।

खुद प्रधानमंत्री ने ही कहा कि रमजान में हमने इजराइल से कह दिया कि हमले नहीं होना चाहिए। वह भारत, रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास अपने सुरक्षा सलाहकार को भेज कर कह रहा है कि वैसे तो खुद प्रधानमंत्री मोदी आकर सफाई देना चाहते थे। मगर अभी उन्होंने मुझे भेजा है कि मैं आपको बता सकूं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात में दो लोग उनके साथ और एक मैं अपने प्रधानमंत्री के साथ था। इससे पहले पुतिन मोदी से फोन पर सफाई ले चुके थे। डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आपको फोन पर बताया और खुद आकर भी बताएंगे।

क्या है यह? क्या भारत कभी इतना कमजोर था? एक देश से हुई बात को दूसरे देश को बता रहा है! मोहल्ले और गांव के झगड़ों की तरह। एक दबंग से कह रहा है नहीं-नहीं हम उससे इसलिए नहीं मिले थे। यह नहीं कहा था। यह बात नहीं हुई!

और वीडियो में पुतिन का स्टाइल देखिए! कैसे हेडमास्टर की तरह बैठे हुए हैं और डोभाल के बारे में आप खुद फैसला कीजिए कि किस तरह एक डरा और सहमा बच्चा बैठा हुआ है। यह अविभाजित सोवियत रूस नहीं है। यह दुनिया का ठेकेदार बनने वाला अमेरिका भी नहीं है। एक कमजोर युद्ध में उलझा हुआ देश है। रूस अब पहले की तरह महाशक्ति नहीं है। दुनिया का दूसरा ध्रुव।

और जब थे। दोनों महाशक्ति अमेरिका और सोवियत रूस तब इन्दिरा गांधी जिन पर अभी शनिवार को ही हरियाणा में फिर कीचड़ उछालकर आए हैं, उन्होंने कभी भारत की सम्प्रभुता सम्मान से समझौता नहीं किया। सवाल ही नहीं उल्टा, अमेरिका को चुनौती दी। खूब खरी-खोटी सुनाई। यहां तक कहा 1971 में। कहा- सातवां बेड़ा नहीं, आठवां भी भेज दो पाकिस्तान अब दो टुकड़े होकर ही रहेगा।

विदेश विभाग में तो परंपराएं, इतिहास, रिकार्ड चलता है ना! जयशंकर तो फॉरेन सर्विसेस के आफिसर रहे हैं। विदेश सचिव के स्तर तक। अब मोदी के विदेश मंत्री हैं। उन्हीं से बुलाकर पूछ लें कि इन्दिरा गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन को कैसी खरी-खरी सुनाई थीं। और यह भी पूछ लें कि सोवियत रूस से कैसे अपनी शर्तों पर बीस साला मैत्री संधि की थी। बता दें कि जयशंकर दोनों जगह मास्को और वाशिंगटन तैनात रहे हैं। भारत के रुआब से वाकिफ।

दस साल सरकार चलाते हो गए। मगर अपनी कोई बात बताने के बदले अभी भी नेहरू, इन्दिरा, राजीव गांधी को कोस रहे हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां दस साल से उनकी सरकार है। केन्द्र में तो इससे कुछ महीने ज्यादा की है। तो वहां चुनाव प्रचार करने गए तो बताना चाहिए था दोनों जगह दस-दस साल सरकार होने से जनता को क्या क्या मिला? मगर बताने को कुछ है नहीं। तो नेहरू, इन्दिरा कांग्रेस को गालियां। हरियाणा की जनता इस बार बता देगी कि उसे बेवकूफ समझने का क्या परिणाम होता है। वैसे भी कुरुक्षेत्र जहां प्रधानमंत्री गए थे लोग उन्हें सुनने बहुत कम आए। प्रधानमंत्री के लिए प्रथम ग्रासे मक्षिका पात हो गया। लोकसभा चुनाव के बाद पहली चुनावी रैली में लोग ही नदारद थे। जो भीड़ मोदी की लोकप्रियता का पैमाना हुआ करती थीं। वह न कुरुक्षेत्र में थी और न जम्मू कश्मीर के डोडा में।

खैर भारत में कई प्रधानमंत्री हुए हैं। देश को लेकर उनकी नीतियों की यहां खूब चर्चाएं और हिसाब हुए हैं। मगर कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी कभी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को किसी विदेशी राष्ट्र प्रमुख के सामने सिर झुकाकर सफाइयां देने नहीं भेजा। कोई छोटा राष्ट्र भी ऐसा नहीं करता है। किसी भी देश के लिए उसकी संप्रभुता सबसे बड़ी चीज होती है।नेहरू की विदेश नीति तक पर सवाल खड़ा करते हैं। उनके आज तक प्रासंगिक गुट निरपेक्ष आंदोलन का मजाक उड़ाते हैं और खुद विश्व गुरु होने के हसीन सपने में रुस और यूक्रेन दोनों जगह पहुंचकर गले मिलने, कंधे पर हाथ रखने, पीठ पर हाथ मारने जैसे कैमरे के लिए पोज देते हैं वह बैक फायर कर देता है। विदेश नीति कोई देश में भक्तों को, मीडिया को बेवकूफ बनाने जैसी नहीं होती है। सारे विदेश विभाग के अफसर जानते हैं। कभी-कभी बोल भी देते हैं।

जैसे विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा था रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा और खुद प्रधानमंत्री के कहने के बाद कि नहीं रुस यूक्रेन युद्ध रुकवाने के दावे निराधार हैं। ऐसा कुछ नहीं हुआ था।

वह तो शुक्र है रुस की न्यूज एजेन्सी स्पूतनिक ने डोभाल के वीडियो का थोड़ा सा हिस्सा ही डाला। रूस पुराना दोस्त है हमारा। नेहरू-इन्दिरा का सम्मान करने वाला। जानता है कि किसी एक व्यक्ति के विश्व गुरु बनने के दावों की सज़ा पूरे देश को और उस देश के अन्तरराष्ट्रीय सम्मान को नहीं दी जा सकती।

हालांकि वीडियो का इतना हिस्सा डालना भी अच्छी बात नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी को कड़ा विरोध करना चाहिए था। मगर क्या उन्होंने किया? नहीं! वीडियो के आने के बाद वे नेहरू, इन्दिरा, राजीव, राहुल, कांग्रेस का विरोध करने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पहुंच गए। सारे आरोप लगा दिए। अरबन नक्सल, आरक्षण विरोधी, वंशवाद कोई तोहमत नहीं छोड़ी और फिर वही बात कही कि जब तक मैं हूं, यह नहीं होने दूंगा। कभी नहीं कहते भाजपा नहीं होने देगी। सब कुछ वे ही हैं। मोदी का परिवार, मोदी की गारंटी, मोदी सरकार। भाजपा कहीं नहीं।

इसलिए उनकी हुकूमत कायम है और भाजपा 303 से 240 पर आ गई। भाजपा समझ रही है। बाकी लोगों की तरह वह भी डरी हुई है तो कुछ नहीं बोल रही। मगर मोदी मोदी मोदी! भगवान ने सीधा मुझे भेजा है। मां की कोख से जन्म नहीं हुआ जैसे दावों पर आरएसएस प्रमुख भागवत भी तंज कर चुके हैं। कहा कि दुनिया कहे कि आप अवतार हैं तो समझ में आता है मगर खुद कहो कि मैं नान बायलोजिकल (शरीर से पैदा न होना) हूं तो यह अस्वीकार्य है।

भाजपा आरएसएस सब समझते हैं कि इन बड़े-बड़े दावों का परिणाम क्या होता है? एक झांकी अभी रूस ने दिखाई। अगर नहीं संभले तो फिर कांग्रेस और जनता तो जो करेगी वह करेगी ही खुद बीजेपी आरएसएस भी चुप नहीं बैठेंगे। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर का रिजल्ट आने दीजिए!

संपादकीय

सरदार सरोवर नर्मदा में मनमानी

मोरारजी देसाई जब प्रधानमंत्री बने, तभी 10 साल बाद नर्मदा ट्रिब्यूनल का फैसला आया! सबसे अधिक बांध के-जलाशय के पानी पर अधिकार मिला, कच्छ- सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों के नाम, गुजरात को ! प्रत्यक्ष में कच्छ तरस रहा, वहां पहुंची शाखा नहर से आगे माइनर नेटवर्क का निर्माण न होने से रापार जैसे एकाध तहसील के कुछ किसान छोड़कर अन्यों को नहीं मिली सिंचाई आज तक! पीने का पानी भी बेचा जाता है तो कच्छ की बहुतांश ग्राम पंचायतें नहीं खरीदती है।

पूसरदार सरोवर, नर्मदा घाटी में नियोजित 30 बड़े बांधों में से एक महाकाय बांध! इस पर विस्थापितों ने पहाड़ी-निमाड़ी और तीन राज्यों के आदिवासी, किसान, मजदूर, कारीगर, पशुपालक, मछुआरे, व्यापारी...सभी ने गठित की एकजुटता से, अपने अधिकार, कानूनी और संवैधानिक उल्लंघन आदि पर 39 सालों से किया संघर्ष आज भी जारी है! ट्रिब्यूनल के फैसले पर 45 साल बाद जब पुनर्विचार होने जा रहा है, तो उससे भी पहले देश और प्रदेश की जनता ने जाननी चाहिए हकीकत, लाभ-हानि की; ताकि सोच हो, भविष्य की !सरदार सरोवर बांध परियोजना की लाभ हानि का टाटा की कंपनी से (टीईसीएस) जल्दबाजी में विश्व बैंक से कर्जा उठाने के लिए, कई बुनियादी डाटा उपलब्ध न होते हुए, अध्ययन करवाया गया था। तब 1983 में 4200 करोड़ रुपए की लागत आंकी थी। जबकि 6400 करोड़ रुपए की लागत को योजना आयोग की मंजूरी 1988 में मिली थी। अब गुजरात विधानसभा में प्रस्तुत हुआ है कि उस परियोजना की लागत 90,000 करोड़ रुपए तक बढ़ी है। इस परिप्रेक्ष्य में आज भी मध्यप्रदेश और गुजरात तथा महाराष्ट्र और गुजरात के बीच कई वित्तीय मुद्दों पर विवाद जारी है। सबसे गंभीर हकीकत है कि गुजरात शासन कई सारे नये प्रस्ताव रखकर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से बड़ी राशि वसूलना चाहती है।मध्यप्रदेश की सरदार सरोवर की डूब में आई शासकीय भूमि और वनभूमि (जैसे, महाराष्ट्र की भी) की भरपाई की राशि करीबन 7000 करोड़ होते हुए, उसकी भी पूर्ति आज तक नहीं हुई है, जो परियोजना का हिस्सा और गुजरात का कानूनी फर्ज है! सरदार सरोवर में 192 गांव और 1 नगर को डूब में लाकर भी जलाशय के एक बूंद पर म.प्र. को नहीं है हक! तो इस महाकाय परियोजना से क्या हुआ है लाभ? कितनी भुगती है हानि राज्य ने? इस पर होगा कोई विचार या पुनर्विचार? यह दिसंबर 2024 के पहले (45 साल पूर्ति होने पर ट्रिब्यूनल फैसले पर ही पुनर्विचार जबकि नियोजित है, तो उसके पहले) होगा या नहीं, यह अहम् सवाल है !महाराष्ट्र राज्य ने एक अवैध कार्य किया है। राज्य का विरोध नकारकर, गुजरात के दबाव- प्रभाव में ट्रिब्यूनल ने दिया मात्र 0.25 एमएएफ याने 11 टीएमसी का पानी, जो महाराष्ट्र को खुद के ही नर्मदा क्षेत्र में उपयोग में लाना था। लेकिन 2015 में उसमें से आधा याने 5.5 टीएमसी पानी नर्मदा में बहां कर गुजरात को देना तय किया और महाराष्ट्र के अधिकारियों के हस्ताक्षर से एक अनुबंध हुआ, जो नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसला याने कानून का सरासर उल्लंघन है! इसके बदले उकई बांध (गुजरात) का पानी लेकर पुनर्बसाहटों को देने की घोषणा भी फिजूल है। उर्वरित पानी भी राज्य शासन, नर्मदा की 7 उपनदियों पर 7 बांध बनाकर सतपुड़ा में बड़े टनेल द्वारा तापी की घाटी में ही परिवर्तित करने की योजना आगे धकेल रही है, जो नर्मदा घाटी के 300+ आदिवासी गांवों पर डूब क्षेत्र के बचे फलियों के आदिवासियों पर भी वंचना से अत्याचार ही होगा। बड़े टनेल से सतपुड़ा भी धंसने लगेगा। सभी ग्रामसभाओं का विरोध पेसा कानून के तहत शासन को आदेश है। यह एक नदी घाटी से दूसरी घाटी में पानी का वितरण है, जो कार्य आंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अब नामंजूर होता गया है।

मोरारजी देसाई जब प्रधानमंत्री बने, तभी 10 साल बाद नर्मदा ट्रिब्यूनल का फैसला आया! सबसे अधिक बांध के-जलाशय के पानी पर अधिकार मिला, कच्छ- सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों के नाम, गुजरात को ! प्रत्यक्ष में कच्छ तरस रहा, वहां पहुंची शाखा नहर से आगे माइनर नेटवर्क का निर्माण न होने से रापार जैसे एकाध तहसील के कुछ किसान छोड़कर अन्यों को नहीं मिली सिंचाई आज तक! पीने का पानी भी बेचा जाता है तो कच्छ की बहुतांश ग्राम पंचायतें नहीं खरीदती है। कच्छ में पानी जाने से हम आंदोलनकारियों ने रोका, यह तो चुनावी प्रचार था ही; लेकिन हकीकत भी साबित करती है,

कि सालों से कच्छ में अदानी बंदरगाह, ताप विद्युत परियोजना, जिंदल स्टील जैसी कंपनियों को मिला और कुछ शहरों को भी! सौराष्ट्र में भी छोटी नहरों की टूट-फूट जैसी समस्याएं और मुख्य नहर से निजी पंप द्वारा पानी लेने की खर्चिक नौबत से किसान परेशान है। महाराष्ट्र, गुजरात के पीढ़ियों पुराने आदिवासी, पहाड़ी जंगल और मध्यप्रदेश के सबसे अधिक पहाड़ी- निमाड़ी गांव डूबोकर, कच्छ तक पहुंचे पानी में से कुछ लाख लिटर्स पानी व्यर्थ बहाया जा रहा है, कच्छ की ही रणभूमि में... जहां अगरिया समाज की नमक उत्पादन की आजीविका बर्बाद हो रही है; जिनकी महिलाएं रो पड़ी थीं, हमें मिलने पर! क्या कहें? हंसे या रोए?गुजरात के नीचेवास में, 151 किलोमीटर तक फैले, नर्मदा, भरूच, बड़ौदा, इन तीन जिलों के गांवों के मछुआरे, आदिवासी, किसान और नगरवासी भी काफी भुगत रहे हैं।

चर्चित वामपंथ युगद्रष्टा का अलविदा कहना...

कॉमरेड येचुरी का निधन उनके चाहने वालों के लिए निजी क्षति जैसा है, इसलिए प्रभु शोकाकुल परिवार और उनके चाहने वालों को ये असीम दुख सहने का संबल दे। क्योंकि ऐसे नेताओं का उदय इस धरती पर कभी कभार ही होता है।

वंचितों, दलितों, किसानों, आदिवासियों और मजलूमों की एक और बुलंद आवाज 12 सितम्बर को शांत हो गई। वामपंथ के प्रमुख युगद्रष्टा कॉमरेड सीताराम येचुरी के रूप में देश ने एक बेहद संवेदनशील, भावुक, ऊर्जा से भरे दूरदर्शी नेता को खो दिया। जीवन के 72वें वसंत पूरे करके येचुरी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित 'एम्स' अस्पताल में अंतिम सांस लेकर नश्वर संसार को अलविदा कहकर अपने परमधाम को चले गए। उनका निधन देश की राजनीति खासकर वामपंथी, फासिज्म विरोधी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक की मौजूदा हिचकोले लेती व्यवस्था के लिए गहरे आघात जैसा है। येचुरी वामपंथ सियासत में ही लोकप्रिय नहीं थे, वे भारतीय राजनीति के भी चर्चित चेहरे थे। यूपीए-एक और यूपीए-दो में उनका बोलबाला था। कांग्रेस हुकूमत के दोनों टर्मों में वाम नेता कांग्रेस को समर्थन नहीं देने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन येचुरी ने सभी को मनाया और बिना शर्त बाहर से समर्थन देने को अपने साथियों को राजी किया। तभी से राहुल गांधी और सोनिया गांधी के वो चहते बने, राहुल ने कई मर्तबा सार्वजनिक तौर पर स्वीकार भी कि उन्होंने राजनीति की तमाम एबीसीडी सीताराम येचुरी से सीखीं।

सीताराम येचुरी का संपूर्ण जीवन जनसरोकारों के लिए सबसे जुझारू और संघर्षशील व्यक्ति की भूमिका निभाते बीता। इमरजेंसी में उन्हें भी जेल में डाला गया। इंदिया गांधी की हुकूमत को आगे बढ़कर ललकारने वाले वह एक मात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने इंदिया गांधी के आंखों में आंखे डालकर न सिर्फ उनकी आलोचनाएं की थी, बल्कि उनका इस्तीफा भी सरेआम मांगा था। लेकिन वह ऐसा दौर था जब प्रशंसा और आलोचनाओं की कद्र हुआ करती थी। अब आलोचना करने वाले को या तो देशद्रोही कहा जाता है, या फिर उनके पीछे जांच एजेंसियां लगवा दी जाती हैं। सीताराम येचुरी निःसंदेह भारतीय राजनीति में बेहतरीन दौर जीकर गए हैं। वह अपने जीवनकाल के अंत तक राजनीति में एक्टिव रहे। बीते कुछ समय से वह 'एक्यूट रेस्पिरेटरी टैक्ट इंफेक्शन' से पीड़ित थे, जिसने उनके शारीरिक के अंगों को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया था। पिछले माह 19 अगस्त को उन्हे एम्स में भर्ती करवाया गया था। हालात में कुछ सुधार हुआ भी था, लेकिन 10 सितंबर को स्थित कुछ ज्यादा बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उन्हें आईसीयू में रखा। लेकिन शायद उनकी जीवन की यात्रा पूरी हो चुकी थी और उन्हें सभी को अलविदा कहना था।कॉमरेड येचुरी का निधन उनके चाहने वालों के लिए निजी क्षति जैसा है, इसलिए प्रभु शोकाकुल परिवार और उनके चाहने वालों को ये असीम दुख सहने का संबल दे। क्योंकि ऐसे नेताओं का उदय इस धरती पर कभी कभार ही होता है। भारतीय राजनीति में वह उन राजनीतिज्ञों में गिने जाते थे जिनकी विचारधारा की सीमाओं से परे व्यापक स्वीकार्यता होती थी और जिनका चिंतन मौजूदा समय में सियासत की दिशा को निर्धारित करने का मादा रखता था। येचुरी साहब 12 अगस्त 1952 में एक तमिल ब्राह्मण के घर में जन्में थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से उन्होंने अर्थशास्त्र में बीए किया था। एमए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से पूरा किया था। पीएचडी भी कर रहे थे, लेकिन इमरजेंसी में जेल जाने के बाद पढ़ाई बीच में छूट गई। उनका सपना सीए बनने का था। क्योंकि अर्थशास्त उनका प्रिय सब्जेक्ट होता था। लेकिन किस्मत शायद उन्हें सियासत की ओर खींच रही थी। वर्ष-1975 में वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के सदस्य बनकर सियासत में विधिवत डेब्यू किया। 1984 में वह सीपीआई एम की केंद्रीय समिति में शामिल हुए। 2005 में वह पार्टी की ओर से पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद चुने गए। वहीं, साल 2015 में उन्हें महासचिव बनाया गया। तब से लेकर

आजतक वह वामपंथ राजनीति के प्रमुख चेहरों में एक रहे थे। 'इंडिया गठबंधन' के भी वह मुख्य सूत्रधार थे। वह लगातार विपक्ष को एकजुट करते थे। केंद्र में चाहे कांग्रेस की हुकूमत रही हो, भाजपा की हो या अन्य गठबंधन दलों की, उन्हें सदैव विपक्षी की भूमिका में रहना पसंद होता था। उनके संबंध सभी दलों के नेताओं से मधुर रहे, विभिन्न राजनीतिक मामलों पर अपनी बात मुखरता से रखते थे, लेकिन उन्होंने कभी किसी नेता पर निजी हमला नहीं किया। ओछी राजनीति से उन्होंने हमेशा परहेज किया। येचुरी की फैमली मूलता- आंध्र के काकीनाडा से वास्ता रखती थी। उन्होंने तमिल महिला से प्रेम विवाह किया था। कोरोना के दौरान जब उनके बड़े पुत्र का निधन हुआ तो वह पूरी तरह से टूट गए थे, शरीर भी तभी से ढलना आरंभ हुआ।सीताराम येचुरी की अंतिम इच्छा थी कि जब उनका निधन हो, उनके शरीर को अग्नि के बजाए, दान किया जाए। उनकी इच्छानुसार परिवार ने येचुरी के पार्थिव शरीर को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में मेडिकल के अध्ययनरत छात्रों को रिसर्च के लिए दान करने का निर्णय लिया।

'बुलडोजर नीति' में बढ़ा जनता का विश्वास: संजय गंगवार

सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में हुकूमत का अनोखा फॉर्मूला 'बुलडोजर एक्शन' विपक्ष के निशाने पर है। विशेषकर समाजवादी पार्टी के, जिनका आरोप है कि बाबा का बुलडोजर धर्म देखकर चल रहा है क्योंकि उसका पहिया ज्यादातर 'एमवाई' फैक्टर के इर्द गिर्द घूमता है। जबकि, सत्ता पक्ष उनके इस आरोप को पूरी तरह से नकारता है। सरकार द्वारा पिछले दिनों एक आंकड़ा प्रस्तुत किया गया जिसमें सभी धर्म-पंत के वह लोग शामिल थे जो आपराधिक गतिविधियों से वास्ता रखते हैं। बुलडोजर नीति विवादों में होने के बावजूद सरकार उसे अपना सफल फॉमूला बताती है। इस मसले पर पत्रकार डॉ. रमेश ठाकुर ने पीलीभीत विधायक एवं प्रदेश के गन्ना व चीनी मिलें% मंत्री संजय सिंह गंगवार से की गुफ्तगू।

प्रश्नः बुलडोजर पर छिड़ी सियासी बहस को आप कैसे देखते हैं?

उत्तरः प्रदेश में हमारी सरकार 37 वर्ष पहले थी।

इस दरम्यान सपा-बसपा का ही एक छत्र राज रहा। सभी ने देखी कैसी परिस्थितियां रहती थी, पूरे प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति थी। कानून-व्यवस्था को ये लोग अपनी जेब में रखकर चलते थे। थाने-कचहरी अपने हिसाब से संचालित करते थे। लेकिन 2017 में जब हम लौटे, तो उस 37 वर्ष के सूखे को खत्म किया। प्रदेश का सर्वसमाज अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री के कार्य करने के निराले अंदाज से बेहद खुश हैं। हां, इतना मैं जरूर मानता हूं कि बुलडोजर को लेकर विपक्षी लोग उन्हें घेरते जरूर हैं, लेकिन होना कुछ नहीं? हमारी नीतियों पर ये घड़ियाली आंसू बहाते हैं, विरोध करने जब जनता की अदालत में पहुंचते हैं, तो भगा दिए जाते हैं।

प्रश्नः लोकसभा परिणाम के बाद विपक्षी दलों का विरोध कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है?

उत्तरः इनका विरोध सोशल मीडिया पर ही मात्र है। सड़कों से नदारद हैं। सार्वजनिक स्थानों पर भी नहीं दिखते। राजनीतिक कृत्य इनके इतने हैं जिससे ये लोग जनता के बीच जा ही नहीं सकते। मैं दावे के साथ कह सकता हूं, मुख्यमंत्री का विरोध ये लोग खुलेआम इसलिए नहीं कर सकते? क्योंकि अगर करेंगे तो जनता इन्हें लतिया देगी। सभी जानते हैं कि प्रदेश सरकार आधार कार्ड और जाति देखकर विकास कार्य और कार्रवाई नहीं करती। ये लोग बुलडोजर और एनकाउंटर पर सवाल उठाते हैं। जबकि, सच्चाई इन्हें भी पता है। विकास दुबे जैसे दुर्दांत अपराधी जो एक साथ 8 पुलिसकर्मियों को मार देता है, उस पर जब कार्यवाही होती है, तब भी बचाव करते हैं। पूर्वांचल क्षेत्र में जब छटे अपराधियों की अवैध सम्पतियां सरकार जप्त करती हैं, तब भी छाती पीटते हैं।

प्रश्नः अखिलेश यादव अपने मुकाबले आपकी सरकार के कामों को कमतर आंकते हैं?

उत्तरः रेलवे के नए ट्रैक बिछाना, हाइवे-सड़कों का आधुनिकीकरण होना, अंतिम व्यक्ति तक सरकारी सुविधाओं को लाभ पहुंचना, अप्रात्रों को खदेड़ना, सरकार के कामों को पूरी तरह पारदर्शी बनाना, ये काम आपने कभी इतनी तेजी से होते देखे थे। शायद हर कोई यही कहेगा 'कभी नहीं'? अखिलेश यादव मुकाबले की बात करते हैं,.

अच्छी नहीं हरदम खाने की लत

यदि आप बहुतायत में पौष्टिक चीजें खाते रहते हैं या फिर मिठाई, चटपटे स्नैक्स और फास्ट फूड को देख कर खुद पर काबू नहीं रख पाते तो दोनों ही स्थितियों में आप फूड एडिक्शन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं,

कई रोगों का खतरा

मोटापाः खाने के लती भोजन की मात्रा पर नियंत्रण नहीं रख पाते और अधिक भोजन कर लेते हैं, जिससे मोटापे की आशंका बढ़ जाती है।

जीवनशैली में गड़बड़ीः प्रोसेस्ड और फास्ट फूड का अधिक सेवन जीवनशैली की गड़बड़ी से जुड़ा है। इनमें नमक, चीनी और वसा अधिक होती है, जिससे मधुमेह, हाइपरटेंशन और हृदय रोगों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे लोगों का सामाजिक दायरा भी कम होता जाता है।

उच्च कैलरी व तेल-मसाले वाले व्यंजन निश्चित रूप से खाने में जायकेदार लगते हैं, लेकिन हर समय इन्हें खाते हुए सेहत के प्रति लापरवाही बरतना ठीक नहीं है। क्या खाने लायक कुछ भी सामने आ जाने पर आप उसे खाए बिना नहीं रह पाते? क्या पेट भरा होने के बाद भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं? इस आदत पर किसी और से बात करते हुए संकोच महसूस करते हैं? यदि हां तो सतर्क हो जाएं, यह लक्षण फूड एडिक्शन यानी खाने की लत की ओर इशारा कर रहे हैं।

क्या है फूड एडिक्शन?

ड्रग्स या अल्कोहल की लत की तरह ही खाने की लत भी एक बायोकेमिकल स्थिति है, जिसमें कुछ खास तरह की खाने की चीजें मसलन मीठा या उच्च कैलरी वाली चीजों को खाने की इच्छा बार-बार होती है। खाने के दौरान व्यक्ति को अच्छा महसूस होता है, इसलिए पेट भरने या भूख से ज्यादा खाना खा लेने का एहसास नहीं होता। दरअसल खाने की ये चीजें शराब और ड्रग्स की तरह मस्तिष्क में डोपामाइन हार्मोन रिलीज करती हैं, जिससे व्यक्ति का मूड अच्छा हो जाता है। यही वजह है कि कई बार लोग केवल मूड अच्छा करने के लिए इन चीजों को बार-बार खाने लगते हैं।

कारण को जानें

खाने की लत मुख्य रूप से दो वजहों से होती है। पहली वजह है जीवनशैली। भारतीय जीवनशैली में मीठे का अधिक इस्तेमाल लोगों को मीठे का एडिक्ट बना देता है। यही बात नमकीन और मिर्च-मसालेदार खाने की चीजों पर भी लागू होती है। लोग इनका जितना अधिक सेवन करते हैं, उन्हें खाने की इच्छा उतनी ही प्रबल होती जाती है। दूसरी वजह भावनात्मक है। अक्सर अकेला और असुरक्षित महसूस करने या किसी भावनात्मक परेशानी से जूझने के दौरान लोग अच्छा महसूस करने के लिए खाने का सहारा लेते हैं। बच्चे भी असुरक्षा की भावना या परीक्षा की चिंता दूर करने के लिए फास्ट फूड आदि का सहारा लेते हैं।

प्रबल इच्छा कहीं कमी तो नहीं?

कई बार शरीर में कुछ तत्वों की कमी होने की वजह से कुछ खास चीजों को खाने की प्रबल इच्छा होती है। जैसे यदि शरीर को डेयरी प्रॉडक्ट्स की जरूरत महसूस हो रही है तो नमकीन खाने की इच्छा अधिक होगी। इसी तरह बी कॉम्प्लेक्स की कमी होने पर मीठा खाने का अधिक मन करता है। मिनरल और कैल्शियम की कमी होने पर शरीर में क्रैंप पड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह से डाइट में बदलाव करना जरूरी होता है।

पोषक चीजों का एडिक्शन

फूड एडिक्शन अच्छा और बुरा दोनों तरह का हो सकता है, पर दोनों ही स्थितियों में नतीजा बुरा ही होता है। खान-पान संबंधी जागरुकता का नतीजा है कि लोग सेहतमंद खान-पान पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में कुछ खास चीजों का सेवन अधिक करने के कारण कई बार शरीर के लिए जरूरी अन्य पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जो परेशानी का कारण बन जाता है।

विशेषज्ञ की राय

दिल्ली के गोल्ड जिम से जुड़ी वेलनेस एक्सपर्ट और न्यूट्रिशनिस्ट तपस्या मूंदड़ा बताती हैं कि फूड एडिक्शन के लक्षण नजर आने पर सबसे पहले व्यक्ति की काउंसलिंग की जाती है। जब तक पीड़ित व्यक्ति सहज होकर अपनी परेशानी के बारे में नहीं बताता, तब तक उसका लत से बाहर आना मुश्किल होता है। आमतौर पर इसे ठीक होने में एक से तीन महीने तक का समय लग सकता है। यदि आप भी कुछ ऐसा महसूस कर रहे हैं तो इन तरीकों को अपनाएं..

- फूड एडिक्शन के लिए मन पर काबू पाना जरूरी है। नियमित व्यायाम, योग क्रियाएं व प्राणायाम इसमें कारगर उपाय हैं।
- नींद अवश्य पूरी करें। 'वाई एम आई सो एग्जॉस्टेड' के लेखक मार्टिन बड का कहना है कि नींद पूरी न होने पर हम थके होते हैं, जिससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ती है। पर्याप्त नींद लेना मीठा खाने की ललक को कम करता है।
- भोजन में हरी सब्जियां, मूली, गाजर, खीरा आदि सलाद के रूप में लें। इनसे रक्त शर्करा नियंत्रित रहती है। हरी सब्जियों में भरपूर मैग्नीशियम होता है, जो तनाव को कम करता है। ज्यादातर के शरीर में इस तत्व की कमी पाई जाती है।
- बार-बार खाने की ललक होना यह भी दर्शाता है कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी है। संतुलित भोजन करें, बार-बार खाने की ललक खुद कम हो जाएगी।
- जरूरत महसूस होने पर काउंसलर, न्यूट्रिशनिस्ट और परिवार के सदस्यों की मदद लेने में संकोच न करें।

पूरी तरह मन न मसोसें

- गोलगप्पे, चाट, छोले-भटूरे, ब्राउनीज आदि देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। इन्हें देख खाने का मन करे तो पूरी तरह खुद को रोके नहीं। स्मार्ट तरीका अपनाएं। यदि वजन कम करना है तो पंद्रह दिन में एक बार इनमें से जो खाने का मन हो या पिज्जा, पास्ता, चिकन रोल, बर्गर, कटलेट आदि जो पसंद है, वे खाएं।
- दस दिन में एक बार आइसक्रीम या मिठाई खाने में कोई हर्ज नहीं, पर मात्रा कम रखें।
- तेज कदमों से चलें या दिन में दो बार आधे घंटे के लिए जॉगिंग करें। नियमित व्यायाम करते हैं तो कभी-कभार पार्टी आदि में खाने से नुकसान नहीं होगा।
- मेवों से बने लड्डू में कैलरी अधिक होती है, पर यह सेहत के लिए भी फायदेमंद है। 14 दिन में एक बार नाश्ते के साथ लड्डू खाएं। बार-बार न खाएं। भोजन से अलग बीच में खाने पर मीठे से मिलने वाली कैलरी वसा के रूप में जमा हो जाती है और पोषक तत्वों का शरीर को पूरा लाभ नहीं मिल पाता।
- पनीर, मूंगफली, केला, चावल और आलू का सेवन मोटा नहीं करता, पर इनमें कैलरी ज्यादा होती है। डाइट में प्रोटीन, काबरेहाइड्रेट और फैट संतुलित मात्रा में रखें।
- यदि आप हर रोज कोई एक चीज खाते हैं तो धीरे-धीरे अपनी डाइट से उसकी मात्रा कम करते जाएं।
- खुद को दूसरे कामों में व्यस्त रखें।
- यदि लगता है कि व्यक्ति अकेलेपन, बोरियत या अवसाद के कारण अनियंत्रित भोजन कर रहा है तो उसके आसपास के लोग उसे सहयोग दें। उसके साथ समय बिताएं। कहीं घूमने जाएं। पहेली सुलझाना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना भी अच्छे विकल्प हैं।

क्या आप में हैं ये लक्षण?

- हर पहर में ज्यादा भोजन करना।
- भूख न लगने पर भी कुछ न कुछ खाते रहना।
- खाने से जुड़ी गतिविधियों में समय बिताना, मसलन घर पर फास्टफूड तैयार करना या हर समय खाने की चीजों को खरीदने की इच्छा होना।
- खाना उपलब्ध न होने पर ड्रग एडिक्ट्स की तरह व्यवहार करना। अवसाद का शिकार होने पर अनियंत्रित तरीके से खाना। देर रात में उठ कर भी खाने लगना।

इन्हें खाने से खुद को रोकें ऐसे

गर्म और तीखा

कई बार शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं रह पाता। ऐसा ठंड में भी होता है। मीनोपॉज के नजदीक पहुंच रही महिलाओं में हो रहे हार्मोन परिवर्तन से भी ऐसा होता है। ऐसा जिंक की कमी से हो सकता है। भोजन में सी फूड और हरी सब्जियां शामिल करें। समोसा या नूडल्स खाने की बजाय सेहतमंद सूप पिएं।

रेड मीट

शरीर में लौह तत्वों की कमी से रेड मीट खाने की इच्छा होती है। इस कमी को पूरा करने के लिए गाढ़े हरे रंग की सब्जियों का सेवन करें। साथ में खट्टे फल, एक गिलास संतरे का जूस भी लें, ताकि शरीर प्रोटीन को अवशोषित कर सके।

नमकीन

मुमकिन है कि शरीर में क्लोराइड की कमी हो। इसे पूरा करने के लिए नमकीन चिप्स, फ्रेंच फ्राइज की बजाय खीरा, पालक, मछली आदि का सेवन करें।

मीठा

*मीठा खाने की तीव्र इच्छा होने पर कोई मीठा फल खाएं। इससे फाइबर और पोषक तत्व मिलेंगे, साथ ही प्राकृतिक मिठास ललक को शांत करेगी।

*दो-तीन घंटे के अंतराल पर हेल्दी डाइट लेने से मीठे की चाह को काबू किया जा सकता है। हर पहर के भोजन के बीच जितना फासला रखेंगे, मीठा और वसायुक्त खाने की ललक उतनी ही ज्यादा होगी। नियमित अंतराल पर भोजन करने से ब्लड शुगर व मीठे की ललक पर काबू रहेगा। कभी-कभी च्यूइंगगम या ड्राइफ्रूट खाएं।

गरिष्ठ चीजें खाना

इस श्रेणी में फास्ट फूड, अधिक तेलयुक्त व्यंजनों, मीठी चीजों व पनीर आदि को शामिल किया जाता है। अक्सर लो कैलरी डाइट पर रहने वालों में इन्हें खाने की अधिक इच्छा होती है। शरीर में कैलरी की कमी इस तरह की चीजों के प्रति आकर्षित करती है। छोटे-छोटे अंतराल पर भोजन करें।

डेयरी पदार्थ, ब्रेड व बिस्कुट

डेयरी और ग्लूटेन युक्त अनाज में ओपियोइड पेप्टाइड्स होते हैं। ये अमीनो-ऐसिड होते हैं, जो शरीर पर अफीम की तरह असर करते हैं। एनडॉर्फिन हार्मोन इन्हें खाने की लत बढ़ा देता है। किसी एक चीज को डाइट से हटा कर देखें कि मूड पर क्या असर पड़ता है। फिर धीरे-धीरे अन्य चीजों को भी कम करें।

दांत हैं सेहत का आईना

दांतों और मसूड़ों में दिक्कत का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि दांत खराब हो रहे हैं। शोधों की मानें तो मुंह से जुड़े संक्रमणों का शरीर में होने वाले रोगों से गहरा संबंध होता है।

ऑस्टियोपोरोसिस

दांत के एक्सरे में काले धब्बे हड्डियों से जुड़ी समस्याओं की ओर संकेत देते हैं। शोध यह भी बताते हैं कि ऑस्टियोपोरोसिस के कारण दांत कम उम्र में ही गिरने लगते हैं।

मुंह का कैंसर

मसूड़ों के ऊतकों में सफेद धब्बे कई रोगों का संकेत देते हैं। हालांकि डॉक्टर मानते हैं कि सफेद धब्बे हमेशा मुंह का कैंसर होने का संकेत नहीं देते, पर किसी भी आशंका से बचने के लिए जरूरी है कि डॉक्टर से संपर्क करें।

हृदय की बीमारी

मसूड़ों का रंग गुलाबी हो जाए या हल्के लाल रंग का हो रहा हो तो ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी रोगों के होने की आशंका बढ़ जाती है। अपने दांत रोज साफ करें। यह केविटी और अन्य रोगों से बचाव करेगा। हृदय रोगों से भी सुरक्षा मिलेगी। दांतों पर जमने वाले प्लाक की वजह से हृदय रोगों की आशंका बढ़ जाती है। डॉक्टर कहते हैं कि अगर मसूड़ों से खून निकल रहा है और उनकी रक्त वाहिकाएं खुली हुई हैं तो इससे बैक्टीरिया खून में प्रवेश करने लगते हैं। इससे रक्त-वाहिकाओं में खून का थक्का बनने का खतरा बढ़ जाता है।

तनाव

डॉक्टरों के अनुसार दांतों में दरार पड़ने या टूट-फूट के कारण शरीर में सभी तरह के फंगल, वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है। तनाव की वजह से मुंह में टेंपरोमेंडीबुलर ज्वांइट सिंड्रोम (टीएमजे) और मायोफेशियल पेन डिसफंक्शन (एमपीडी) जैसी समस्याएं होती हैं। टीएमजे की वजह से जबडमें के ज्वाइंट और लिगामेंट्स में काफी दर्द होता है। इंफेक्शन होने पर रोगी मुंह को सही तरीके से नहीं खोल पाता और मुंह खोलने में अकड़न और दर्द महसूस होता है। लापरवाही न करें। चिकित्सक से परामर्श लें।

किडनी की बीमारी

जिन लोगों को किडनी से जुड़ी कोई परेशानी होती है, उनका तंत्रिका तंत्र भी कमजोर होता है यानी उनमें इंफेक्शन की आशंका अधिक होती है। किडनी के रोगियों के जबड़ों की हड्डियां जल्दी कमजोर होती हैं। कैल्शियम की अपर्याप्तता की वजह से दांत गिरने तक लगते हैं। अगर सांस लेने के दौरान अमोनिया जैसी बदबू आती है तो यह किडनी की बीमारी का संकेत हो सकता है। किडनी की बीमारी होने की स्थिति में सबसे ज्यादा प्रभाव मसूड़ों पर पड़ता है।

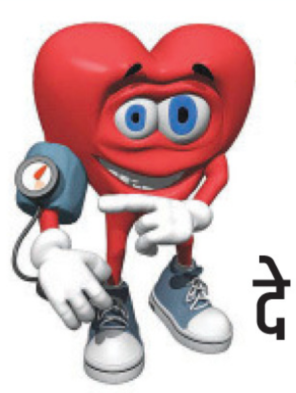

लो ब्लड प्रेशर

दे सकती है भयानक बीमारी को न्यौता

आज के इस दौर में लो ब्लड प्रेशर काफी लोगों को प्रभावित करता है। यह ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को मस्तिष्क तक पहुंचने से रोकता है। जिससे कई प्रकार के रोग शरीर में उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए इसे मामूली ना समझें। 65 साल से अधिक उम्र के 15-20 प्रतिशत लोग इससे ग्रस्त रहते हैं। ब्लड प्रेशर (90-60) को डॉक्टरी भाषा में हाइपो टेंशन कहते हैं। वैसे लो ?लड प्रेशर अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है, लेकिन यह शरीर में पल रही किसी गंभीर बीमारी जैसे हृदय रोग, तंत्रिका तंत्र की गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। आइए जानें इस बारे में।

लक्षण

*छाती में दर्द, सांस फूलना, अनियमित धड़कनें, तेज बुखार, गर्दन का अकड़ जाना, अगर ज्यादा लंबे समय तक लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो तो उल्टी और डायरिया भी हो सकती है, बेहोशी, अत्यधिक थकान, कुछ समय के लिए धुंधला या कुछ दिखाई न देना।

लो ब्लड प्रेशर के कारण

*गर्भावस्था, हार्मोन असंतुलन जैसे कि थायरॉइड की सक्रियता कम हो जाना

*स्ट्रोक, लीवर की बीमारियां

*डायबिटीज या लो ब्लड शुगर, दवाओं का प्रभाव, हृदय की असामान्य धड़कनें, हार्ट फेलियर, रक्त नलिकाओं का फेल जाना

*इसके अलावा कुछ अत्यावश्यक विटामिनों जैसे बी-12 और आयरन की कमी एनीमिया का कारण बन सकती है, जो लो ब्लड प्रेशर में बदल सकता है।

क्या है बचाव

*कम से कम आठ गिलास पानी और तरल पदार्थ रोज पिएं।

*जब लेटे हों तो सीधे उठकर खड़े न हों। पहले बैठें, कुछ सेकेंड रुकें? फिर उठकर खड़े हों।

*अगर खाने के बाद ब्लड प्रेशर कम हो जाता है तो थोड़ी मात्र में खाएं। दिन में तीन बार अधिक मात्र में खाने की बजाए छह बार थोड़ी मात्र में खाएं। खाने के बाद थोड़ा आराम करें। भोजन में काबरेहाइड्रेट की मात्र कम कर दें।

*डॉक्टर की सलाह से खाने के साथ एक कप चाय या कॉफी पिएं।

*खाने में नमक की मात्र बढ़ा दें।

*हाइपरवोलेमिया के कारण भी यह हो सकता है। इसमें तरल पदार्थो की कमी हो जाती है।

*अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं तो शराब का सेवन पूरी तरह बंद कर दें।

*पोस्टुरल हाइपोटेंशन सुबह के समय ज्यादा होता है, क्योंकि रातभर में शरीर में सोडियम (नमक) की मात्र कम हो जाती है।

*डायलिसिस कराने या डायबिटीज का उपचार कराने से भी यह समस्या हो सकती है।

*पोस्ट प्रनडियल हाइपोटेंशन खाने के बाद होता है। खाना खाने के बाद रक्त में ग्लूकोज की मात्र अचानक बढ़ जाती है। ऐसे लोग भोजन में काबरेहाइड्रेट का सेवन कम करें।

उपचार

*अगर एड्रीनल ग्लैंड के काम न करने से लो ब्लड प्रेशर है तो आपको हार्मोन रिप्लेसमेंट की आवश्यकता पड़ेगी।

*सबसे जरूरी है कारणों का पता लगाना, ताकि ठीक तरह से उपचार किया जाए। अगर किसी दवा से लो ब्लड प्रेशर हो तो उसकी वैकल्पिक दवाई दी जा सकती है।

घरेलू उपचार

*मिट्टी के बर्तन में 32 किशमिश भिगोएं। बर्तन को पानी से पूरा भर दें। सुबह खाली पेट उन्हें एक-एक कर चबाएं, उसके बाद पानी पी लें।

*जो लोग लो ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं उन्हें नमक ज्यादा खाना चाहिए।

*सात बादाम को रातभर भिगोएं। उसका छिलका उतारकर पीस लें और दूध में थोड़ी देर उबाल लें। इसे गुनगुने रूप में पी लें।

*एक कप शकरकंद का जूस दिन में दो बार पिएं। यह लो ब्लड प्रेशर का सबसे अच्छा घरेलू उपचार है।

*अगर आपको लगातार चक्कर आ रहे हों तो पानी ज्यादा पिएं।

*तुलसी की 10-15 पत्तियों का रस निकाल लें और उसे एक चम्मच शहद के साथ खाली पेट सेवन कर लें।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मस्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र ' ' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप
- दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून
- इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप
- दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी
- हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापती: 1/2 मुट्ठी
- घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा
- अजवाइन: 1/4 टीस्पून
- 3 हरी मिर्च बारीक काटी
- 1/2 छोटी कटोरी दाल
- नमक: स्वाद के अनुसार
- पराठा सेंकने के लिए तेल
- जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2590

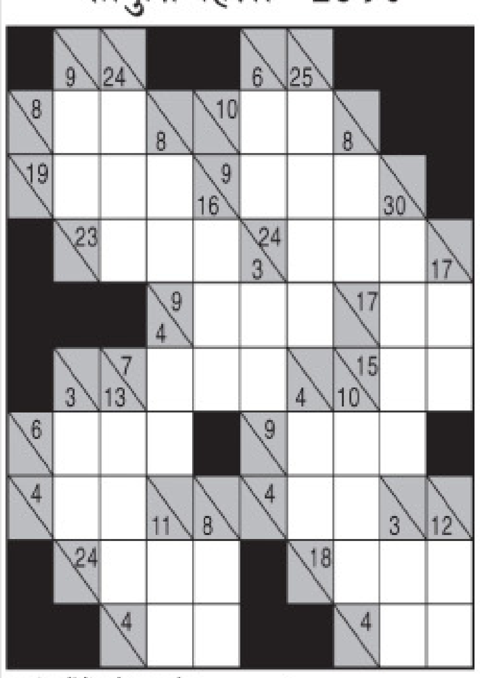

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

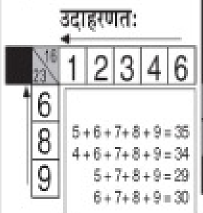

काकुरो - 2589 का हल

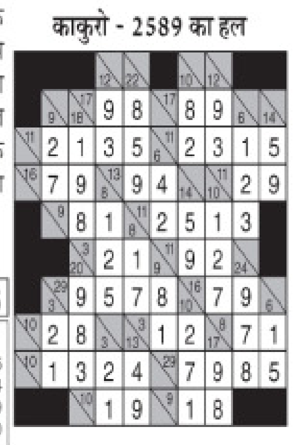

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी नेता सभा के पश्चात अपनी प्रेमिका पर बरस पड़े - तुमने मुझे इतना लंबा भाषण क्यों लिखकर दिया था? भाषण के बीच कई बार तो बहुत हूटिंग हुई.

प्रेमिका ने माफी मांगते हुए कहा - भाषण ज्यादा नहीं था. हां.. इतनी गलती मुझसे जरूर हो गई कि मैंने भाषण की चारों कापियां तुम्हें थमा दी थी.

☺ ☺ ☺

पागलखाने का दौरा करने आये मंत्री जी से पागलो का परिचय कराते हुए निरीक्षक ने कहा - ये है उमेश, यह सुरेश और यह है बेचारा मुकेश.

मंत्री जी ने बीच में ही टोक कर पूछा - बेचारा मुकेश, तुमने इसे बेचारा क्यों कहा?

निरीक्षक ने मुंह बिचका कर जवाब दिया- दरअसल साहब यह अकेला ऐसा व्यक्ति है, जो विवाह से पहले ही पागल हो गया.

☺ ☺ ☺

वकील - जब इन दोनों पति-पत्नी में लड़ाई हो रही थी, तो क्या तुम वहां मौजूद थे?

गवाह - जी हां.

वकील - तो तुम्हें कुछ कहना है?

गवाह - यही कि मैं कभी शादी नहीं करूंगा

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

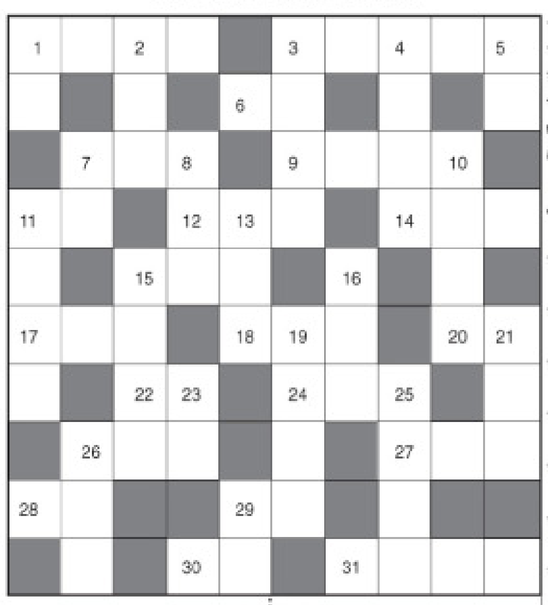

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरुख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरुण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरुणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरुपा की 'ना किसी को आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पिया बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2589

सूडोकु -2590

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2589 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2590

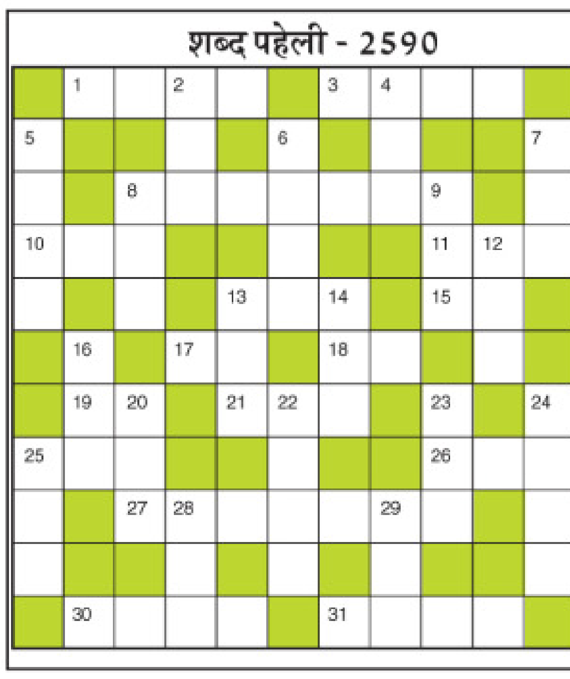

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2589 का हल

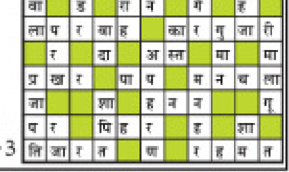

महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय की जयंती पर उप मुख्यमंत्री ने किया क्षत्रिय राजपूत समाज की प्रतिभाएं को सम्मानित

एजेंसी

जयपुर। अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर मुमहाराव उम्मेद सिंह द्वितीय की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। हाड़ौती क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी थी। उन्होंने माँ भगवती एवं महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिया कुमारी ने कहा कि आधुनिक कोटा की नींव महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय ने रखी थी और उनकी दूरदर्शिता के कारण कोटा का निरंतर विकास हुआ है। उन्होंने महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय के हाड़ौती क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, वन, भू राजस्व, और पशुधन के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं के शिक्षा, खेलों एवं नौकरी के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि समारोह में उपस्थित मातृशक्ति का सम्मान करते हुए उन्हें गौरव का अनुभव हो रहा है।समारोह में उप मुख्यमंत्री द्वारा क्षत्रिय राजपूत समाज के शिक्षा, खेलकूद, और सरकारी नौकरियों में सफल होने वाली करीब 90 युवा प्रतिभाओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की गई। युवाओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि संस्कार और आध्यात्मिक चेतना के साथ राष्ट्र का गौरव बढ़ाने की दिशा में भी अग्रसर होना चाहिए।

कांग्रेस के शासन में किसानों पर गोलियां क्यों चलाई गई, जवाब नहीं दे रहे हुड्डा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। पुण्डरी में भाजपा प्रत्याशी सतपाल जाम्बा के समर्थन में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में लोगों को यहां देखकर उत्साहित हूं और दावे के साथ कह सकता हूं कि 2019 की तरह पूंडरी से इस बार भी भाजपा को एतिहासिक जीत मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, विशेष चुनाव है। यह चुनाव हरियाणा का इतिहास लिखने वाला है, यह झूठे वादों और सच्चे विकास का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जनता को झूठे वादे करने वालों से सावधान रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने झूठे वादे करके तीन राज्यों में सरकार बनाई, अब वहां की जनता भुगत रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता 10 साल के शासन का हिसाब मांगते फिर रहे हैं, लेकिन जब उनसे सवाल पूछे जाते हैं, तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता। मुख्यमंत्री ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सीधा हमला करते हुए कहा, मैंने हुड्डा से पूछा कि आपके 10 साल के कार्यकाल में कितने किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदी गई? किसानों को 2-2 रुपये के चेक क्यों दिऐ जाते थे, कांग्रेस के शासन में किसानों पर गोलियां क्यों चलाई गई। ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनका जवाब आज तक कांग्रेस नहीं दे पाई।

जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : दीपक प्रकाश

रांची। भाजपा के राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने जाति जनगणना के मुद्दे पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। क्योंकि इससे समाज को बांटने का प्रयास किया जाएगा, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। दीपक प्रकाश ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, जनगणना संविधान से जुड़ा हुआ विषय है, अब जाति जनगणना होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए, यह अलग विषय है। मगर मेरा मानना है कि इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि राजनीति के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास किया जाएगा। जनगणना तो स्वाभाविक प्रक्रिया है, यह तो हर 10 साल पर होती आई है। अंतिम बार साल 2011 में जनगणना हुई थी, इसके बाद फिर से जनगणना होगी। उन्होंने विपक्ष पर सवाल उठाते हुए कहा, उनके पास कोई काम ही नहीं है, विपक्ष इस समय बेरोजगार है, जो सिर्फ बेवजह के मुद्दों पर राजनीति करता है। अब तो दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई राजनीति शुरू की है, जो सिर्फ विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। वह भारत के अंत्योदय के सपनों को साकार करने का काम कर रहे हैं और केंद्र सरकार इसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

लोकप्रियता में कमी की वजह से इस्तीफा दे रहे हैं अरविंद केजरीवाल : बाबूलाल मरांडी

रांची। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सीएम पद से इस्तीफा देने के ऐलान पर भाजपा ने पलटवार किया है। झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अगर केजरीवाल को इस्तीफा देना था तो जेल जाते समय ही उन्हें अपना पद छोड़ देना चाहिए था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, अरविंद केजरीवाल को आज क्यों समझ में आया? अगर उनको रिजाइन करना होता तो वह जिस दिन जेल जा रहे थे, उसी दिन अपने पद से इस्तीफा दे देते। वास्तविकता यह है कि अब उनकी पोल खुल रही है। झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हम तो दिल्ली जाते रहते हैं और झारखंड के बहुत सारे लोग भी वहां काम करते हैं। जो गरीब लोग वहां रहते हैं, वह खुद बताते हैं कि दिल्ली की सड़कों की हालत खराब है और बिजली की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। पानी और शिक्षा की स्थिति भी ज्यादा सही नहीं है। दिल्ली में सब कुछ बिगड़ा हुआ है, इसलिए अब उनको समझ में आ रहा है कि उनकी लोकप्रियता में कमी आ रही है।

लैंगिक न्याय के लिए पुरुष मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता: धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पुरुष मानसिकता में बदलाव और व्यापक लैंगिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को चुनौतियों का सामना करने के लिए 'ग्लास सीलिंग' तोड़नी चाहिए।

श्री धनखड़ ने यहां एक निजी टेलीविजन समाचार चैनल के वार्षिक कार्यक्रम 'शी शक्ति 2024' में 'महिला सशक्तिकरण के लिए समग्र दृष्टिकोण' पर अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज में व्यापक सूक्ष्म लैंगिक भेदभाव पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'हमारी महिलायें शासन के हर क्षेत्र में भाग ले रही हैं। वे समर्पण, प्रतिबद्धता और प्रतिभा का उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर लैंगिक भेदभाव समाप्त हो गया है, लेकिन यह सूक्ष्म रूप में मौजूद है। यही वह क्षेत्र है, जहाँ हमें सबसे अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म भेदभाव खुले भेदभाव से कहीं अधिक खतरनाक है, क्योंकि खुले भेदभाव का विरोध किया जा सकता है,

लेकिन सूक्ष्म भेदभाव का विरोध करना कठिन होता है। पुरुष मानसिकता में एक व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं पर व्यंग्यात्मक टिप्पणियों को अत्यंत शर्मनाक और घृणित करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, हमें उन विक्षिप्त विचारों को दृढ़ता से अस्वीकार करना चाहिए, जो कोलकाता के अस्पताल में ड्यूटी पर रहते हुए एक महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की क्रूरता को कम करते हैं। यह शर्म की बात है। हमें अपनी आत्मा के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए, हमारा दिल दुखना चाहिए। यह एक प्रायश्चित का मामला है, सुधार की ओर बढ़ने का मामला है।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की प्रावधान की सराहना करते हुए श्री धनखड़ ने इसे एक ऐतिहासिक विकास बताया। उन्होंने कहा कि यह अब तक महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सबसे प्रभावशाली कदम है। उन्होंने कहा, ÷यह विकास में अमूल्य भागीदारी और विधानसभाओं और कार्यपालिका में ठोस भागीदारी का अवसर प्रदान करेगा।'

'बंगलादेश में जो हुआ, वही यहाँ हो सकता है' - टिप्पणी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मैं कहता हूँ, मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है, न केवल लैंगिक न्याय के लिए, बल्कि हमारे राष्ट्रीयता की प्रतिबद्धता के लिए भी। हमें यह नहीं अनुमति देनी चाहिए कि लोग रोज़-रोज़ राष्ट्रीय हित को स्वार्थी और दलगत हित के लिए नजरअंदाज करें।' महिलाओं से अपील करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि उन्हें चुनौतियों का सामना करना चाहिए और उन 'ग्लास सीलिंग' को तोड़ना चाहिए जो? उनकी उन्नति में रुकावट डालती हैं।

हरियाणा में चल रही है प्रबल सत्ता विरोधी लहर : चिदंबरम

एजेंसी

चंडीगढ़। वरिष्ठ काँग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि हरियाणा में प्रबल सत्ता विरोधी लहर चल रही है और मार्च में अपने कार्य न करने वाले÷मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व ने खुद ही यह स्वीकार किया है।

श्री चिदंबरम ने यहाँ प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा की अर्थव्यवस्था देश में सबसे अधिक खराब स्थिति में है और 2014 में जहां औसत प्रति परिवार कर्ज 79000 रुपये था, पाँच साल में बढ़कर एक लाख 82 हजार 922 रुपये हो गया। उसके बाद के आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और अब तक यह काफी बढ़ चुका होगा। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान हरियाणा में किसानों की हालत खराब है और पीएम किसान योजना और फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं प्रदेश के किसानों की स्थिति में सुधार लाने में विफल रही हैं। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि खट्टर सरकार ने किसानों की समस्याएं हल करने के बजाय दमन और हिंसा की नीति अपनाई और किसानों के खिलाफ 250 से अधिक एफआइआर दर्ज की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी की स्थिति विकराल है और सीएमआईई के अनुसार हरियाणा की बेरोजगारी दर 37.4 है। उन्होंने अग्निवीर योजना के बारे में कहा कि इस योजना ने रक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया है, सैन्य तैयारियों को खतरे में डाला है और युवाओं को भी नुकसान पहुंचाया है। पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने इनकार किया कि हरियाणा काँग्रेस में गुटबाजी है और कहा कि तीन या चार नेता ऐसे हैं जो खुद को अग्रणी मानते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है। काँग्रेस के मुख्यमंत्री के चेहरे के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि आम तौर पर काँग्रेस मुख्यमंत्री का चेहरा चुनाव से पहले पेश नहीं करती और सामान्य प्रक्रिया यह है कि चुनाव के बाद विधायकों से उनकी पसंद के बारे में पूछा जाता है और उसके आधार पर आलाकमान अंतिम निर्णय लेता है।

घोषणापत्रः जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा को बहाल करना कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता

एजेंसी

श्रीनगर। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा फिर से बहाल करने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया और केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से वादा किया कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि केंद्र सरकार केंद्र शासित प्रदेश को फिर से राज्य का दर्जा प्रदान करे। पार्टी ने प्रदेशवासियों से समावेशी और जवाबदेह शासन प्रदान करने का वादा किया है।

'हाथ बदलेगा हालात' नामक घोषणापत्र में हालांकि अनुच्छेद 370 पर कुछ नहीं कहा गया है। गौरतलब है कि केंद्र की मोदी सरकार ने 05 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छे 370 को निरस्त कर दिया था और राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नाम से दो केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील कर दिया था। कांग्रेस ने वादा किया कि वह विस्थापित कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए और ठोस कदम उठाएगी।

शासन के मोर्चे पर, पार्टी ने समावेशी और जवाबदेह शासन प्रदान करने का वादा किया और कहा है कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि केंद्र सरकार जम्मू- कश्मीर को राज्य का दर्जा प्रदान करे। पार्टी ने दरबार मूव को बहाल करने का भी संकल्प लिया है। पार्टी ने कहा है कि सर्दियों के दौरान छह महीने के लिए सत्ता की सीट जम्मू में स्थानांतरित की जाएगी और गर्मियों में इसे वापस श्रीनगर में

लाया जाएगा।

पार्टी कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के मुख्य प्रवक्ता पवन खेड़ा और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष तारिक कर्रा द्वारा जारी घोषणापत्र में पार्टी ने कहा, ÷हम दरबार मूव के पक्ष में पहले विधानसभा सत्र में प्रस्ताव पारित करके क्रमशः श्रीनगर और जम्मू में ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन राजधानियों की 149 साल पुरानी परंपरा को बहाल करेंगे।÷ पार्टी ने नौकरियों, सरकारी अनुबंधों, भूमि आवंटन और प्राकृतिक संसाधन रियायतों के लिए जम्मू और कश्मीर में रहने वालों को पहली वरीयता देने का भी वादा किया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है, हम भ्रष्टाचार पर एक श्वेत पत्र लाएंगे और पिछले दस वर्षों में कथित रूप से घोटालों में शामिल अधिकारियों (सेवारत और सेवानिवृत्त) के खिलाफ सभी आरोपों की जांच के लिए पहले 100 दिनों के भीतर एक लोकायुक्त नियुक्त करेंगे। पार्टी ने लोगों की शिकायतों के त्वरित निवारण, अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्वाचित विधायकों को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। पार्टी के घोषणापत्र में कहा गया है, हम विधान परिषद को बहाल करेंगे और विधानसभा में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व वाले वर्गों जैसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यक, पूर्व सैनिक, पेंशनभोगी, शिक्षक, विशेषज्ञ आदि का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र जोड़ेंगे।

पार्टी ने 73वें और 74वें संविधान संशोधन के तहत जल्द से जल्द पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) चुनाव कराने का भी वादा किया है।

जातिगत जनगणना के विरोध में नहीं है भाजपा : सम्राट चौधर्री

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं दिग्गज भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने राजधानी पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों अपनी बात रखी। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने जातिगत जनगणना को लेकर कहा कि बिहार की भाजपा यूनिट ने बिहार में जनगणना कराने का निर्णय लिया और आरक्षण का समर्थन किया। भाजपा पूरे देश में जातिगत जनगणना के विरोध में नहीं है, बल्कि पीएम मोदी इसकी चिंता कर रहे हैं कि इसे कैसे कराया जा सकता है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने ये कहा था कि भाजपा जातिगत जनगणना पर खुलकर क्यों नहीं सामने आती है, इस पर अपनी प्रतिक्रिया में सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव के आग्रह पर नीतीश कुमार के निर्देश पर और भाजपा के समर्थन से बिहार में जातिगत जनगणना हो चुकी है।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा बनाएगी अगली सरकारः राम माधव

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रभारी राम माधव ने दावा किया कि भाजपा प्रदेश में अगली सरकार बनाएगी।

श्री माधव ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मीडियाकर्मियों से कहा, भाजपा कई दलों के साथ (जो अपना समर्थन देने के लिए तैयार हैं) मिलकर जम्मू-कश्मीर में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगी।÷ उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश में हो रहे चुनाव में शानदार जीत के साथ अगली सरकार बनाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद मुक्त, समग्र विकास, पर्यटन और परिवारवाद से मुक्ति के एजेंडे पर

चलेगी। श्री माधव ने कहा, भाजपा अपने दम पर अगली सरकार बनाने जा रही है और जो दल हमारे साथ आने के लिए तैयार हैं, वे समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन आतंकवाद और परिवारवाद को खत्म करना है। साथ ही विकास और पर्यटन को बढ़ावा देना है, जो हमारा मुख्य एजेंडा है और इसके लिए हम जम्मू-कश्मीर के लोगों के सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र में भाजपा को भारी समर्थन मिला है और यह पहले भी था और आज भी है। भाजपा इस बात से अभिभूत और आश्चर्यचकित है कि इस बार पार्टी को कश्मीर घाटी से भी जबरदस्त समर्थन मिला है, जहां उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार तीनों परिवारों-पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस या दिल्ली स्थित कांग्रेस- को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। एक सवाल के जवाब में श्री माधव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने घोषणापत्र को जारी करने में देरी कर रही है, क्योंकि वे अपने गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र के साथ चलना चाहती है। उन्होंने कहा कि नेकां का घोषणापत्र अनुच्छेद 370 को वापस लाना, सभी आतंकवादियों को जेलों से रिहा करना और राज्य को आगे की बजाय पीछे ले जाना है। श्री माधव ने कहा, ''गांधी और अब्दुल्ला परिवार के इस घोषणापत्र से जम्मू-कश्मीर में पारिवारिक शासन की स्थापना होगी।''

शाह से मुलाकात के बाद भागवत से मिले सीएम भजनलाल

एजेंसी

जयपुर। सियासी गलियारों में चर्चा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और दिल्ली की सत्ताधारी भाजपा के बीच सबकुछ सामान्य नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, संघ प्रमुख मोहन भागवत से कौन मिल सकता है, इस पर दिल्ली की बारीक नजर है। इसी कड़ी में, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, और इसके बाद अलवर में संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिलने पहुंचे। संघ प्रमुख से मिलना अब इतना आसान नहीं रहा है। हालिया घटनाक्रमों से पता चलता है कि भागवत से मुलाकात उन्हीं को मिल रही है, जिन्हें दिल्ली से अनुमति मिलती है। भागवत की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है, और हर मुलाकात को कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही स्वीकृति मिलती है। सूत्रों के अनुसार, सीएम भजनलाल ने भागवत को राज्य सरकार के कामकाज का फीडबैक दिया, साथ ही संगठन और सरकार के समन्वय पर भी चर्चा की। वर्तमान में संघ सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव, और नागरिक अनुशासन जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। भजनलाल और भागवत के बीच इन मुद्दों पर भी संवाद हुआ। अमित शाह से मुलाकात में मुख्यमंत्री ने आगामी उपचुनाव, मंत्रिमंडल विस्तार, और राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की तैयारियों पर चर्चा की। सात विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों को देखते हुए यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के सभी शहरों को सोलर सिटी के रूप में करेंगे तब्दील : एके शर्मा

गांधीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार में बिजली मंत्री एके शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युग पुरुष बताते हुए कहा, वह नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं। मैं उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने ग्लोबल वार्मिंग के चैलेंज को देखते हुए भारतीय संस्कृति के अनुरूप भारत को उस रास्ते पर ले जाने का काम किया है। लाइफस्टाइल में आए बदलावों पर उन्होंने ध्यान दिया है। शर्मा ने कहा, सोलर एनर्जी सहित अन्य एनर्जी के माध्यम से भारत को प्रगति के पथ पर ले जाने का काम उन्होंने किया है। उन्हीं के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। चाहे सोलर एनर्जी हो या फिर बायोमास एनर्जी, सबको बढ़ाव दिया जा रहा है अयोध्या में हम लोग सोलर सिटी पर काम कर रहे हैं।

बागवानी नीति लागू करने वाला पहला राज्य होगा हिमाचलः सुक्खू

एजेंसी

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यहां बागवानी विभाग की एचपी शिवा परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश देश में बागवानी नीति लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा। इसका उद्देश्य राज्य में बागवानी उत्पादन को बढ़ाना और प्रदेश को फल राज्य बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1,292 करोड़ रुपये की यह परियोजना राज्य के सात जिलों में छह हजार हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेगी। उन्होंने अंतर-फसलीय खेती पर बल देते हुए कहा कि दो चरणों में अमरूद, नींबू प्रजाति के फलों, अनार, ड्रैगन फ्रूट, जामुन तथा कटहल के पौधे रोपे जाएंगे।उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि परियोजना में छोटे तथा सीमांत किसानों को शामिल किया जाए ताकि

उनकी आर्थिकी सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा बागवानी क्षेत्र किसानों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। श्री सुक्खू ने कहा कि परियोजना के तहत वर्ष 2028 तक छह हजार हेक्टेयर भूमि में 60 लाख फलों के पौधे रोपे जाएंगे। परियोजना के तहत प्रथम चरण में चार हजार हेक्टेयर भूमि तथा दूसरे चरण में शेष दो हजार हेक्टेयर भूमि को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से वर्ष 2032 तक 1.30 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने की उम्मीद जताई, जिसका प्रतिवर्ष लगभग 230 करोड़ रुपये का व्यापार मूल्य होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से राज्य के 82,500 लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिए कि इस परियोजना में सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए ताकि किसानों को उनकी फसलों के बेहतर दाम मिल सकें। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रही 70 प्रतिशत आबादी विभिन्न कृषि गतिविधियों से जुड़ी है।

केंद्र में एनडीए सरकार पूरा करेगी अपना कार्यकाल , पीएम मोदी चौथी बार बनेंगे प्रधानमंत्री : जीतन राम मांझी

एजेंसी

पटना। जीतन राम मांझी ने कहा कि केंद्र में एनडीए सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और नरेंद्र मोदी चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। केंद्र सरकार के एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद आदित्य ठाकरे की उस भविष्यवाणी का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र में एनडीए सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिर जाएगी। मांझी ने कहा कि एनडीए सरकार अपना तीसरा टर्म पूरा करेगी और नरेंद्र मोदी अगली बार भी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। जीतन राम मांझी ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि वो भविष्यवक्ता हैं क्या? अगर हैं तो पहले अपना भविष्य देख लें। मांझी ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी अगली बार भी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि

देश को इसकी जरूरत है। इसको और पहले होना चाहिए था अब ये हो रहा है, इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद।

बिहार में लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं, उनको अपने पार्टी के कार्यकाल के वक्त की तुलना करनी चाहिए। इस समय प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर बिल्कुल ठीक है। अगर, कुछ कमी होगी, तो उसपर कार्रवाई होगी। बता दें कि इससे पहले 'हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा' के संरक्षक मांझी अपने संसदीय क्षेत्र गया में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज अपने संसदीय क्षेत्र 'गया' जी के बेलागंज बाजार स्थित एंबिएंस हॉल में आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल होकर अभिभूत हो गया। अटूट प्यार और समर्थन के लिए क्षेत्र के लोगों का तहे दिल से आभार।

पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति और शांति का पखवारा है पितृपक्ष

एजेंसी

प्रयागराज। पितरों की आत्मा की मुक्ति और शांति के लिए भाद्र मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से आरम्भ होकर आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक एक पखवाड़े तक चलने वाला पितृपक्ष मंगलवार से शुरू हो रहा है। भाद्र पक्ष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा से आरम्भ होकर आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक चलने वाला एक पखवाड़े का पितृपक्ष मंगलवार 17 सितंबर की सुबह 11 बजे लगकर अगले दिन 18 सितंबर की सुबह 8.41 बजे तक रहेगी। इसमें उदया तिथि नहीं मानी जाती। इसलिए 17 सितंबर को पूर्णिमा एवं 18 सितंबर को प्रतिपदा का श्राद्ध किया जाएगा।

एक पखवाड़े तक चलने वाले श्राद्ध तिथियों में मुख्य 18 सितंबर को प्रतिपदा तिथि को पड़वा श्राद्ध, 26 सितंबर को मातृ नवमी को मां का श्राद्ध, 29 सितंबर द्वादशी का तिथि को संन्यासियों का, एक अक्टूबर चतुर्दशी तिथि पर अस्त्र-शस्त्र या अकाल मौत वालों का श्राद्ध और दो अक्टूबर को अमावस्या का श्राद्ध किया जाता है।

सनातन धर्म में पितरों की आत्मशंति और मोक्ष प्राप्ति के लिए पितृ पक्ष का समय महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीनें में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान से पितरों को मोक्ष मिलता है। मान्यता है कि श्राद्ध कर्म करने से जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और वंश वृद्धि का आशीष प्राप्त होता है। हर साल पितृपक्ष में पूर्वज पितृलोक से धरती लोक पर आते हैं और श्राद्ध मिलने पर प्रसन्न होकर स्वस्थ, चिरंजीवी, धनधान्यपूर्ण और परिवार के मंगल का आशीर्वाद देकर पितृ लोक को वापस जाते हैं। हिन्दू अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके लिए पिण्ड दान करते हैं। इसे 'सोलह श्राद्ध', 'महालय पक्ष', 'अपर पक्ष' आदि नामों से भी जाना जाता है। स्मृतियों एवं पुराणों में भी आत्मासंसरण संबंधी विश्वास पाए जाते हैं और इनमें भी पितृर्पण के लिए श्राद्ध संस्कारों की महत्ता परिलक्षित होती है। मृत्युपरांत पितृ-कल्याण-हेतु पहले दिन दस दान और अगले दस ग्यारह दिन तक अन्य दान दिए जाने चाहिए। इन्हीं दान की सहायता से मृतात्मा नई काया धारण करती है और अपने कर्मानुसार पुनरावृत्त होती है।

पिंडदान की परंपरा केवल प्रयाग, काशी और गया में है, लेकिन पितरों के पिंडदान और श्राद्ध कर्म की शुरुआत प्रयाग में क्षौर कर्म से होती है। पितृपक्ष में हर साल बड़ी संख्या में लोग देश के कोने कोने से पिण्ड दान के लिए संगम आते हैं। पितृ मुक्ति का प्रथम एवं मुख्य द्वार कहे जाने के कारण संगमनगरी में पिंडदान और श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व है। धर्म शास्त्रों में भगवान विष्णु को मोक्ष के देवता माना जाता है। प्रयाग में भगवान विष्णु बारह भिन्न रूपों में विराजमान हैं। मान्यता है कि त्रिवेणी में भगवान विष्णु बाल मुकुंद स्वरूप में वास करते हैं। प्रयाग को पितृ मुक्ति का पहला और मुख्य द्वार माना जाता है। काशी को मध्य और गया को अंतिम द्वार कहा जाता है। प्रयाग में श्राद्ध कर्म का आरंभ मुंडन संस्कार से होता है।

प्रयाग धर्म संघ के अध्यक्ष पंड़ित राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि धर्म शास्त्रों में कहा गया है, 'किसी भी पाप और दुष्कर्म की शुरुआत मुंडन से होती है। इसलिए कोई भी धार्मिक कृत्य करने से पहले मुंडन कराया जाता है।' प्रयाग क्षेत्र में वैदिक मंत्रों के मध्य मुंडन तर्पण और पिंडदान करने से किसी भी मनुष्य के तीन पीढ़ियों के पुरखों को गया धाम चलने के लिए निमंत्रण मिलता है। श्राद्ध पक्ष के दौरान पूर्वज अपने परिजनों के हाथों से तर्पण स्वीकार करते हैं। पूर्णिमा पर अकाल मृत्यु की वजह से भटकती आत्माओं की शांति के लिए विधि-विधान से पूजन और पिंडदान की परंपरा है।

उन्होंने बताया कि खासतौर से प्रयाग क्षेत्र में मुंडन कराने का विशेष महत्व है। प्रयाग क्षेत्र में एक केश का मुंडन कराने से अक्षय पुण्य का लाभ मिलता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है, काशी में शरीर का त्याग कुरुक्षेत्र में दान और गया में पिंडदान का महत्व प्रयाग में मुंडन संस्कार कराए बिना अधूरा रह जाता है। प्रयाग क्षेत्र में मुंडन कराने से सारे मानसिक शारीरिक और वाचिक पाप नष्ट हो जाते हैं।

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है. कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया. तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए. जो मेरी बेटी थी, जो मेरा बेटा था. मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है. उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है. आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं मैं चित्तौड़गढ़ हूं. आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों. राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे. पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना. हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है. हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो. हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे. जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी. जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया. मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो. जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे. जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी. ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था. तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा. मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवी में गोहिल वंश के शासक आए. गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला. कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया. रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था. जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी. लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा. जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया. हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया. फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए. सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता. लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया. वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था. लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया. सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा. ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी. कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था. लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका. रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ. 13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया. इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए. ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी. लेकिन हमने उम्मीद नही छोड़ी थी. उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया. 1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ. और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया. और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए. राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया. महाराणा सांगा. महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए. इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई. मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था. पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी. साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था. लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था. जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे. और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है. जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी. राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की. तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी. हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया. दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा. वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है. राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था. तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे. रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी. जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे. अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया. एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ. तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया. तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे. मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी. 16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया. मैंने आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया. उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा. उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली. मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए. वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े. और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी. जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है. प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नही करेंगे. भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया. 1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे. मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा. मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है. इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं. मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है. मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है. मैं सब जानता हूं. मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है. मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं. मैं चित्तौड़ हूं.

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो? राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नीद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

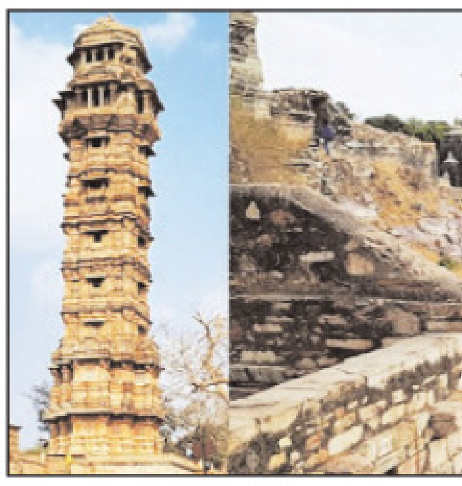

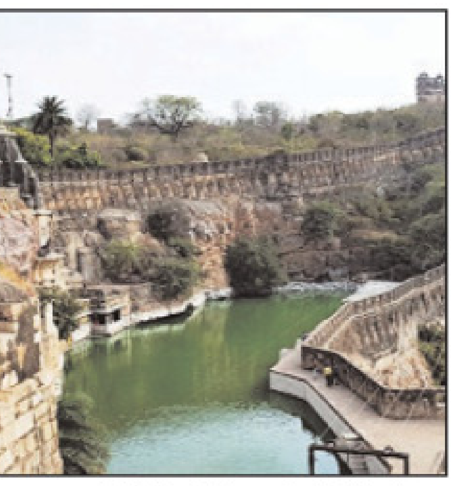

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है. यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है. वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तौर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था. इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है. इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चित्तौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे. इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल, दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे ८ प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है. इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है. इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चित्तौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चित्तौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है. उदाहरण के तौर पर चित्तौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है. हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चित्तौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चित्तौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

अगस्त माह के लिए आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुने गए वेल्लालगे, हर्षिता

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को श्रीलंकाई खिलाड़ी दुनीथ वेल्लालागे और हर्षिता समरविक्रमा को अगस्त 2024 के लिए क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया। वेल्लालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और समरविक्रमा ने आयरलैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। इससे पहले एक ही देश के खिलाड़ियों द्वारा एक ही महीने में पुरस्कार जीतने का एकमात्र उदाहरण तब था जब इस साल जून में जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुना गया था। वेल्लालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स से आगे रहते हुए प्रतिष्ठित मासिक पुरस्कार जीता, जो शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य खिलाड़ी थे। वेल्लालागे के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने भारत पर 2-0 से सीरीज जीत हासिल की। 31 वर्षीय बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने नाबाद 67, 39 और दो रन बनाए, जबकि सीरीज में सात विकेट भी चटकाए, जिसमें तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लेना भी शामिल है। यह पांचवीं बार है जब किसी श्रीलंकाई खिलाड़ी ने पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीता है, इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रभात जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंडु मेंडिस (मार्च 2024) इस पुरस्कार को जीत चुके हैं।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की

कोलंबो। श्रीलंका ने से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में ओशादा फर्नांडो की वापसी हुई है, जबकि निशान मदुश्का टीम में जगह बनाने से चूक गए हैं। ओशादा 18 महीने की अनुपस्थिति के बाद श्रीलंका की टीम में वापस आ रहे हैं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने ए टीम के साथ अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वापसी की है, जो अभी दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही है। दो मैचों की श्रृंखला के पहले अनौपचारिक टेस्ट में, ओशादा ने 122 और 80 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन किया, जिससे श्रीलंका की ए टीम जीत गई। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान, मदुश्का ने दो टेस्ट में 4, 0, 7 और 13 के स्कोर बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया। भले ही ओशादा टीम में वापस आ गए हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

साक्षी मलिक, गीता फोगाट ने की कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान साक्षी मलिक और गीता फोगाट ने कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) के गठन की घोषणा की साक्षी ने एक्स पर घोषणा की, हमारे गाँव और समुदायों ने हमें पाला-पोसा, लेकिन पूरे राष्ट्र ने हमें चैंपियन बनाने में एकजुट होकर मदद की। तिरंगे के लिए लड़ने से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता है, और आपके प्यार और प्रेरणा से यह संभव हो सका। हम आपके प्रति आभारी हैं और अपने सार्वजनिक एवं निजी सहयोगियों के भी योगदान के लिए धन्यवाद करते हैं। हम विशेष रूप से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आभारी हैं।उन्होंने आगे कहा, आपके विश्वास का एकमात्र उत्तर यही है कि हम अपनी खेल प्रतिभा, अनुभव, दृढ़ता और सफलता को खेल की सेवा में समर्पित करें। हम तीनों ने इसीलिए कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) का गठन किया है। डब्ल्यूसीएसएल, एक विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय लीग है, जो हमारे पहलवानों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर वैश्विक खेल में अपनी पहचान बनाने के लिए कौशल और ताकत प्रदान करेगी। यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वातावरण में सर्वश्रेष्ठ समर्थन प्रणालियों के साथ किया जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले भारतीय शिविर में शामिल हुए सरफराज

चेन्नई। मौजूदा दलीप ट्रॉफी में एक अतिरिक्त मैच खेलने के बाद, सरफराज खान बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले सोमवार को यहां एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय टीम से जुड़ गए। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैचों के बाद आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा के बाद शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे अन्य खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए, वहीं सरफराज को कथित तौर पर चयनकर्ताओं ने एक अतिरिक्त मैच खेलने के लिए कहा, जिसमें उन्होंने 16 रन बनाए, क्योंकि इंडिया बी ने इंडिया सी को पहली पारी में बढ़त दे दी। सरफराज अपने साथियों की तुलना में बाद में शिविर में शामिल हुए, इसलिए संभावना है कि पहले टेस्ट में मध्य क्रम की भूमिका के लिए 26 वर्षीय सरफराज को राहुल से पहले प्राथमिकता दी जाएगी। राहुल, जिन्हें श्रृंखला के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में चुना गया है, दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में इंडिया ए की इंडिया बी से हार में 37 और 57 रन की पारी खेलकर आ रहे हैं और हैदराबाद में पहले टेस्ट में क्वाड्रिसेप्स की चोट के बाद इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर होने के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे है सरफराज ने उस सीरीज में राहुल की जगह ली थी, उन्होंने राजकोट में तीसरे टेस्ट में पदार्पण किया था और पांच पारियों में 50 की औसत से 200 रन बनाए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में महली बियर्डमैन शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंडर 19 विश्व कप स्टार महली बियर्डमैन को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। इस साल की शुरुआत में, 19 वर्षीय बियर्डमैन अंडर-19 विश्व कप में स्टार खिलाड़ियों में से एक थे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। भारत के खिलाफ फाइनल मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए बियर्डमैन को %प्लेयर ऑफ़ द मैच% भी चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के चोटिल होने के बाद बियर्डमैन को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में बुलाया गया था। इंग्लैंड के खिलाफ़ पहले टी20 के दौरान जेवियर बार्टलेट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। दूसरी ओर, द हंड्रेड में चोट लगने के बाद नाथन एलिस को स्कॉटलैंड सीरीज से बाहर कर दिया गया था। इस बीच, स्पेंसर जॉनसन को चोट

लगने के बाद टीम में शामिल नहीं किया गया। बल्लेबाजी ऑलराउंडर कूपर कोनोली को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे टीम में शामिल किया गया है। 21 वर्षीय कोनोली टी20 टीम का भी हिस्सा थे। चोट के कारण अधिकांश वरिष्ठ तेज गेंदबाजों के बाहर होने के बाद मिशेल स्टार्क ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। पांच मैचों की वनडे सीरीज 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा वनडे 21 और 24 सितंबर को क्रमशः हेडिंग्ले और रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा 50 ओवर का मैच 27 सितंबर को प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पांचवां और अंतिम वनडे 29 सितंबर को काउंटी ग्राउंड में खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीः मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, कैमरून ग्रीन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एडम जाम्पा।

ट्रैवलिंग रिजर्वः महली बियर्डमैन।

ओडिशा-आरएफए एचपीसी के एथलीटों ने सैफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते पांच पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा-रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉरमेंस सेंटर (आरएफए एचपीसी) के एथलीटों ने चेन्नई में सैफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांच पदक जीतकर अपनी चमक बिखेरी। डीएम जयराम ने दो पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य और पुरुषों की 4×100 मीटर रिले स्पर्धा में रजत पदक शामिल है, जहां उनके साथ ओडिशा-आरएफ एचपीसी के एथलीट महेंद्र सांता भी शामिल थे।

सबिता टोप्पो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में रजत पदक जीता और लक्ष्मीप्रिया किसान ने भी महिलाओं की 800 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रदर्शन को लेकर, ओडिशा-आरएफ एचपीसी के मुख्य कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा, एसएएफएफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप वास्तव में एक अच्छी प्रतियोगिता थी और कुछ युवा एथलीटों के लिए पहली बार भारत का प्रतिनिधित्व करने का एक अच्छा अवसर था। हमारे दृष्टिकोण से, जयराम ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। उनका मुकाबला दो बहुत ही उच्च गुणवत्ता वाले श्रीलंकाई धावकों से था, जिन्होंने जयराम की तरह जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था। उन्होंने अब तक के सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ दौड़ लगाई, इसलिए मैं उनके प्रयास से बहुत प्रसन्न था। उन्होंने आगे कहा, जयराम और महेंद्र ने भी 4×100 मीटर रिले टीम में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। महेंद्र अभी भी डेंगू से उबर रहे हैं और भविष्य में वे और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

बार्सिलोना ने स्पेन की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ऐताना बोनमाटी के करार को 2028 तक बढ़ाया

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने स्पेन की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ऐताना बोनमाटी के अनुबंध को 2028 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने इसकी पुष्टि की है। स्पेनिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार उनका नया वेतन 750,000 यूरो से 1 मिलियन यूरो प्रतिवर्ष के बीच हो सकता है।इस कदम का मतलब है कि बार्सिलोना ने 26 वर्षीय खिलाड़ी का भविष्य सुनिश्चित कर दिया है, जिसे 2023 बैलन डीओर जीतने के बाद दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी माना जाता है। बोनमाटी ने अपने करियर की शुरुआत लड़कों की लीग में खेलकर की थी और 11 साल की उम्र में बार्सिलोना में शामिल हो गई थी। उन्होंने क्लब के लिए 275 मैच खेले हैं और सभी प्रतियोगिताओं में रिकॉर्ड 96 गोल किए हैं। 2023 विश्व कप में स्पेन को जीत दिलाने वाली आक्रामक मिडफील्डर का अनुबंध अगली गर्मियों में समाप्त हो जाता और वह अन्य क्लबों से

दिलचस्पी ले रही थी। उस दिलचस्पी को दूर करने के लिए, बार्सिलोना ने कथित तौर पर उन्हें दुनिया की सबसे अधिक भुगतान पाने वाली महिला फुटबॉलर बना दिया है। बोनमाटी ने स्पेन में पिछले पांच महिला लीग खिताब जीतने में बार्सिलोना की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तथा पिछले सीजन में ल्योन के खिलाफ चैंपियंस लीग में 2-0 से जीत में उन्होंने पहला गोल किया था।

मैकाबी तेल अवीव के योनातन कोहेन ने मेलबर्न सिटी के साथ किया करार

एजेंसी

यरूशलम। मैकाबी तेल अवीव के मिडफील्डर योनातन कोहेन ने इजरायली चैंपियन क्लब को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया की ए-लीग के मेलबर्न सिटी एफसी का दामन थाम लिया है। दोनों क्लबों ने अलग-अलग इसकी घोषणा की।

28 वर्षीय कोहेन ने दो सत्र के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। वे ए-लीग में खेलने वाले तीसरे इजरायली खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले वेलर टोमर हेमेड, जो वेलिंगटन फीनिक्स और वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स के लिए खेलते थे, तथा बेन अजुबेल, जो पर्थ ग्लोरी की वर्दी पहनते थे, ए-लीग में खेल चुके हैं। मैकाबी के साथ पांच सत्रों में कोहेन ने 10 खिताब जीते, जिनमें तीन लीग चैंपियनशिप, एक स्टेट कप, तीन लीग कप और तीन इजरायली सुपर कप शामिल हैं।

उन्होंने मैकाबी के लिए 149 मैच खेले, जिसमें 29 असिस्ट के साथ 42 गोल किए। इसमें यूरोपीय क्लब प्रतियोगिताओं में 26 मैचों में पांच गोल शामिल हैं।

इस बीच, कोहेन ने इटली के दूसरे स्तर के पीसा के लिए दो सत्र खेले। उन्होंने इज़राइल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी आठ प्रदर्शन किए हैं। कोहेन ने कहा, जब मैंने मेलबर्न सिटी में शामिल होने के अवसर के बारे में सुना, तो मैंने संकोच नहीं किया।

क्लब में सफलता की एक मजबूत संस्कृति है, और मुझे विश्वास है कि मैं इसे आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए अपने अनुभव और कौशल ला सकता हूं। मेलबर्न सिटी, जो पिछले सीजन में ए-लीग प्लेऑफ के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी, आगामी नए सीजन की शुरुआत 19 अक्टूबर को न्यूकैसल जेट्स के खिलाफ करेगी।

आईएसएल 2024-25 : जमशेदपुर एफसी का मजबूत गोवा को चौंकाने का इरादा

एजेंसी

गोवा। एफसी गोवा आज शाम जब अपने पहले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में जमशेदपुर एफसी से भिड़ेगी, तो मेजबान गौर्स का लक्ष्य रेड माइनर्स पर अपना दबदबा बरकराररखना होगा। यह मुकाबला फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाएगा। एफसी गोवा पिछले सीजन में सिर्फ तीन अंकों से शीर्ष स्थान से चूक गई थी और तीसरे स्थान पर रही थी। मैनोलो मार्कुएज की देखरेख गौर्स जीत से अपने सीजन की शुरुआत करने के दृढ़ इरादे के साथ उतरेंगे, जैसा कि वे पिछले पांच मौकों पर कर चुके हैं।

हेड कोच खालिद जमील की देखरेख में जमशेदपुर एफसी इस बारएफसी गोवा को हराना चाहेगी, क्योंकि गौर्स के खिलाफ वो अपने पिछले चार मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है। रेड माइनर्स पिछले दो मैच हार हैं और एक और हार उनकी स्थिति को और खराब कर देगी। यह पिछले सीजन में उनकी

लगातार चार हार की यादताजा करेगी। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज बहुत आगे की सोचने से बच रहे हैं। उन्होंने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷मैं एक बार में एक मैच के बारे में सोचूंगा, क्योंकि बहुत आगे की सोचना अच्छानहीं होता है। ज्यादातर विरोधियों की शैली बहुत अलग होती है। हमें मैच को सही तरीके से खेलना होगा। हम शून्य से शुरुआत करेंगे और मैच जीतने के लिए मजबूती से खेलेंगे। संदेश झिंगन चोट के कारण पिछले सीजन में ज्यादातर समय मैदान से बाहर थे और इस बार वापसी करके आईएसएल शील्ड जीतना चाहते हैं। वह स्पेनिश डिफेंडर ओडेई ओनाइंडिया के साथ बैकलाइन मजबूतकरना चाहेंगे। उन्होंने कहा, हम इस सीजन में भी दावेदार होंगे, यही हमारा लक्ष्य है। लेकिन यह एक लंबा सीजन होगा और कभी-कभी आप तीन अंकों से चूक जाते हैं। मैंने गोल अंतर के कारण भी लीग हारी है।

पूर्व में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को आईएसएल प्लेऑफ में पहुंचाने का श्रेय खालिद जमील को जाता है और वह इस उपलब्धि को जमशेदपुर एफसी के साथ भी दोहराना चाहेंगे। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों से भरी टीम के साथ जमील के पास यह साबित करने का सबसे अच्छा मौका होगा कि एक भारतीय कोच क्या कर सकता है। उन्होंने कहा, हमें अच्छी शुरुआत की जरूरत है। इसके बिना आगे का सफर मुश्किल होगा। हमारी पर्याप्त तैयारी है। हमें अब आत्मविश्वास से खेलने की जरूरत है और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी। हमें सकारात्मक सोचना चाहिए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, खिताबी मुकाबले में होगा चीन से सामना

एजेंसी

हुलुनबुइर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम ने यहां सेमीफाइनल 2 में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हरा दिया। मैच में भारत की ओर से उत्तम सिंह (13वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (19वें, 45वें मिनट) और जरमनप्रीत सिंह (32वें मिनट) ने गोल दागा, जबकि दक्षिण कोरिया की ओर से एक मात्र गोल जिहुन यांग (33वें मिनट) ने किया। अब भारतीय टीम मंगलवार को फाइनल में मेजबान चीन के खिलाफ खेलने उतरेगी। चीन ने सेमीफाइनल 1 मैच में पाकिस्तान को हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया है। मैच में भारतीय टीम पहले क्वार्टर से ही दक्षिण कोरिया पर हावी दिखी। 13वें मिनट में उत्तम सिंह ने गोल कर भारतीय टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में गोल कर भारतीय टीम की बढ़त 2-0 कर दी। पहले हॉफ तक भारतीय टीम 2-0 से आगे रही। भारतीय हॉकी टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी दक्षिण कोरिया के खिलाफ बढ़त बरकरार रखी। जरमनप्रीत सिंह ने 32वें मिनट पर शानदार गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि अगले ही मिनट दक्षिण कोरिया ने वापसी की और गोल दागा। जिहुन यांग ने 33वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। भारत को तीसरा क्वार्टर खत्म होने से पहले एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसका फायदा उठाते हुए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने इस मैच का दूसरा गोल दाग दिया। इससे भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ 4-1 की बढ़त बना ली।

चार्टर्ड प्लेन से चकेरी एयरपोर्ट पर उतरेंगी भारत-बांग्लादेश की टीमें

एजेंसी

कानपुर। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में होने वाले टेस्ट मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है। तीन साल के बाद कानपुर में विदेशी टीम आएगी। इस बार दोनों टीमें चार्टर्ड प्लेन से आएंगी जो चकेरी एयरपोर्ट पर उतरेंगी। वहीं ग्रीनपार्क में इन दिनों तैयारियां जोरों पर हैं और टिकट की कीमतों की भी घोषणा कर दी गई।

भारत और बांग्लादेश की क्रिकेट टीमें चार्टर्ड प्लेन से चकेरी एयरपोर्ट पर उतरेंगी और सीधे होटल जाएंगी। ग्रीनपार्क स्टेडियम पर होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत और बांग्लादेश की टीमें 24 सितंबर को कानपुर आ जाएंगी। 25 और 26 सितंबर को सुबह और शाम के सत्रों में दोनों टीमें ग्रीनपार्क में अभ्यास करेंगी। टेस्ट मैच को लेकर ग्रीनपार्क में अब अंतिम दौर पर तैयारियां चल रही हैं। क्रिकेट प्रेमियों की नजर इस बार ग्रीनपार्क के विकेट को लेकर खासतौर पर है। ग्रीनपार्क की आउटफील्ड को पूरी तरह से लश ग्रीन रखा गया है। इन सबके बीच यूपीसीए पदाधिकारियों ने टिकट की कीमतों की भी घोषणा कर दी। इसमें सबसे महंगी टिकट पांच हजार रुपए प्रतिदिन की रखी गई है। यूपीसीए पदाधिकारियों का कहना है कि सी बालकनी के बाद की जो भी दर्शक दीर्घा है, उनके दाम नहीं बढ़ाए गए

है। हालांकि महिलाओं की दीर्घा के लिए केवल दो सौ रुपए प्रतिदिन और पूरे सत्र के लिए टिकट के दाम आठ सौ रुपए रखे गए हैं। इसी कड़ी में पुरुष दीर्घा में सबसे सस्ता टिकट तीन सौ रुपए और पांच दिन का टिकट के दाम 12 सौ रुपए रखे गए हैं। इसके अलावा यूपीसीए अधिकारियों ने पूरा फोकस ग्रीनपार्क के अंदर मिलने वाली खाद्य सामग्री को लेकर किया है।

अक्सर मैचों के समय ग्रीनपार्क के अंदर जो फूड स्टॉल्स लगते थे, वह कई गुना कीमत पर खाद्य वस्तुएं बेचते थे लेकिन यूपीसीए पदाधिकारियों का दावा है कि इस बार बाजार मूल्य से अधिक पर ग्रीनपार्क में खाद्य पदार्थ नहीं बिकेंगे। पीने के लिए साफ और ठंडा पानी दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेगा। स्कूली बच्चों के लिए फ्री इंट्री रहेगी, जिसमें उन्हें खाना भी खिलाया जाएगा।

डेढ़ हजार मीटर की दौड़ में झांसी की प्राची ने मारी बाजी

एजेंसी

हमीरपुर। नगर के स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज हमीरपुर के तत्वावधान मे आज राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर मे 35वें प्रान्तीय खेलकूद समरोह के द्वितीय दिवस में विभिन्न प्रकार की एथलेटिक्स प्रतियोगितायें सम्पन्न हुई। जिसमे 400 मी0 बाल वर्ग में बहिन नैन्सी राजपूत प्रथम, 400 मी0 बाल वर्ग भैया सोनू फतेहपुर प्रथम 100 मी दौड़ मे किशोर वर्ग भैया रितान्शु भदौरिया कन्नौज, 100 मी0 दौड़ बहन मयूरी बांदा, 1500 मी0 दौड़ किशोर वर्ग जितेश कन्नौज प्रथम, 1500 मी0 दौड़ रोशनी देवी जालौन प्रथम, 1500 मी0 दौड़ तरुण वर्ग उत्कर्ष गुप्ता हमीरपुर, 1500 मी0 दौड़ प्राची राजपूत झांसी प्रथम, चक्का फेक बाल वर्ग ऋषभ

दिबियापुर बाल वर्ग वैष्णवी दिबियापुर प्रथम, त्रिपल जम्प मे संध्या झांसी प्रथम, गोला रामजी दिबियापुर प्रथम, अंजली बांदा प्रथम, गोला किशोर वर्ग अमन कुमार कन्नौज, नन्दनी दिबियापुर प्रथम रही। इस प्रकार शिशु वर्ग चौम्पियन विक्की राजपूत झांसी छाया यादव झांसी, बालवर्ग में अभिमान सिंह हमीरपुर नैन्सी राजपूत झांसी, किशोर वर्ग में रितांशु कन्नौज तथा तरुण वर्ग में प्राची झांसी एवं आनन्द झांसी रही।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में खेल प्रशिक्षक क्रमशः प्रभाकान्त त्रिपाठी मोठ, कुलदीप राठ, अमर सिंह हमीरपुर, घनश्याम शुक्ला केनपथ बांदा, सन्तोष कुमार चिरगॉव, लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, जितेन्द्र त्रिपाठी कन्नौज, सुधीर दीक्षित कानपुर, जनक किशोर त्रिवेदी चिरगॉव, महेश सिंह चौहान फतेहपुर, रामकुमार कन्नौज, ऋषि शुक्ला दिबियापुर, सुभाष तिर्वा, अमरनाथ मिश्रा बांदा, बहन प्रशिक्षिका उमा, निकिता रही। विजयी प्रतिभागियो को कानपुर प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक अयोध्या प्रसाद मिश्र तथा सम्भाग निरीक्षक शिवकरण व अजय दुबे तथा शिव सिंह सेवा प्रमुख व मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्ता ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

सीबीएसई क्लस्टर फाइव बैडमिंटन में सनबीम सनसिटी, खेलगांव, आर्मी पब्लिक स्कूल और सनबीम लहरतारा फाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद पब्लिक स्कूल ने सीबीएसई क्लस्टर फाइव बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंडर 17 बालक वर्ग के टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके अलावा सनबीम सनसिटी वाराणसी ने बालिका अंडर 14 एवं 19 आयु वर्ग, खेलगांव पब्लिक स्कूल ने बालिका अंडर 14, आर्मी पब्लिक स्कूल ने बालिका अंडर 17 और संस्कार स्कूल व सनबीम लहरतारा ने बालिका अंडर 19 के टीम चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। चौफटका स्थित इलाहाबाद पब्लिक स्कूल में चल रही प्रतियोगिता में हुए मुकाबलों के परिणास इस प्रकार रहे। अंडर 17 बालक टीम चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल-इलाहाबाद पब्लिक स्कूल (प्रयागराज) ने संत अतुलानंद कॉन्वेंट (वाराणसी) को 2-1 से हराया। सनबीम भगवानपुर (वाराणसी) ने जेबी एकेडमी (अयोध्या) को 2-0 से, सनबीम वरुणा (वाराणसी) ने डीपीपीएस (प्रयागराज) को 2-0 से, सनबीम सनसिटी (वाराणसी) ने आर्मी पब्लिक स्कूल (प्रयागराज) को 2-0 से हराया। अंडर 14 बालिका टीम चैम्पियनशिप सेमीफाइनल-सनबीम सनसिटी (वाराणसी) ने सनबीम स्कूल (अयोध्या) को 2-1 से, खेलगांव

पब्लिक स्कूल (प्रयागराज) ने सेंट जोसेफ स्कूल (मेजा) 2-0 से हराया। अंडर 17 बालिका टीम में आर्मी पब्लिक स्कूल (प्रयागराज) ने संत अतुलानंद (वाराणसी) को 2-1 से, सनबीम सनसिटी (वाराणसी) ने एमपीवीएम (प्रयागराज) को 2-0 से हराया। अंडर 19 बालिका टीम में संस्कार स्कूल (प्रयागराज) ने संत अतुलानंद (वाराणसी) को 2-0 से, सनबीम लहरतारा (वाराणसी) ने सनबीम सनसिटी (वाराणसी) को 2-0 से हराया।

अंडर 14 बालक टीम प्री.क्वार्टर फाइनल-सेठ एम. आर जयपुरिया स्कूल (वाराणसी) ने पंतजति ऋषिकुल (प्रयागराज), सनबीम सनसिटी (वाराणसी) ने जेबी एकेडमी अयोध्या को, सुनबीम भगवानपुर (वाराणसी) ने सनबीम स्कूल (आजमगढ़) को, खेलगांव स्कूल (प्रयागराज) ने दि पिलर्स पब्लिक स्कूल (गोरखपुर), सनबीम वरुणा (वाराणसी) ने सनबीम स्कूल (अयोध्या) को, संत अतुलानन्द स्कूल (वाराणसी) ने विद्या वाहिनी स्कूल (प्रयागराज) को, सनबीम सारनाथ (वाराणसी) ने एमपीवीएम (प्रयागराज) को, सेंट जोसेफ (सोनभद्र) ने सेंट एबीआर स्कूल (सोनभद्र) को हराया। अंडर 17 बालक टीम के प्री. क्वार्टर फाइनल-जेबी एकेडमी (अयोध्या) ने रेडिएंट एकेडमी (अबेडकरनगर) को, सनबीम स्कूल भगवानपुर (बनारस) ने आर्मी पब्लिक स्कूल (ओल्ड कैंट) को, सनबीम वरुणा (वाराणसी) ने एमपीवीएम (प्रयागराज) को, डीपीपीएस (प्रयागराज) ने सनबीम स्कूल जौनपुर को, आर्मी पब्लिक स्कूल (प्रभागराज) ने आइंस्टीन स्कूल (रेनुकूट) को, सनबीम सनसिटी (वाराणसी) ने सनबीम स्कूल (अयोध्या) को, इलाहाबाद पब्लिक स्कूल ने मुकुलार्यन को 2-0 से, स्टेपिंग स्टोन इंटर कालेज (गोरखपुर) ने सेंट जोसेफ स्कूल (सोनभद्र) को हराया।

आयजा खान

से शान शाहिद तक, इन पाकिस्तानी सेलेब्स ने बॉलीवुड में काम करने से किया इनकार

पाकिस्तान के फेमस कलाकार जैसे माहिरा खान, इमरान अब्बास, मावरा हुसैन, बॉलीवुड में काम कर चुके हैं. लेकिन कुछ पाकिस्तानी स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में काम करने के कई ऑफर्स ठुकरा दिए. आपको उन पाकिस्तानी सेलेब्रिटिज के बारे में बताते हैं जो इंडियन सिनेमा में काम करने से इनकार कर चुके हैं.

पाकिस्तानी एक्टर्स ने अपनी शानदार एक्टिंग और जबरदस्त पर्सनालिटी से इंडियन ऑडियंस के भी दिल जीते हैं. चाहे टीवी सीरियल हो या फिल्म, कई सेलेब्स ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने टैलेंट के दम पर खूब वाहवाही बटोरी है, लेकिन पिछले कुछ सालों में कई पाकिस्तानी सेलेब्स ने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है.

माहिरा खान, इमरान अब्बास, हुमैमा मलिक, सजल अली, मावरा हुसैन, फवाद खान, अली जफर और अदनान सिद्दीकी जैसे पाकिस्तान के कई फेमस कलाकारों ने बॉलीवुड में काम किया है. हालांकि, कुछ पाकिस्तानी स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने बॉलीवुड की फिल्मों में काम करने के कई ऑफर्स ठुकरा दिए. आपको बताते हैं उन पाकिस्तानी सेलेब्रिटिज के बारे में जो बॉलीवुड में काम करने से इनकार कर चुके हैं.

1. सनम जंग

एक्ट्रेस सनम जंग ने साल 2008 में बतौर वीजे अपना करियर शुरू किया और 2013 में पाकिस्तानी सीरियल 'दिल-ए-मुज्तर' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था. सनम पाकिस्तानी ड्रामा 'मेरे हमदम मेरे दोस्त', 'अलविदा', 'मैं ना जानू' और कई ड्रामों में अपने कैरेक्टर के लिए पॉपुलर हैं. जब सनम को कुछ बॉलीवुड फिल्में ऑफर की गईं, तो उन्होंने वो ऑफर ठुकरा दिए. जब सनम से इसकी वजह पूछी गई तो एक्ट्रेस ने पाकिस्तान की **Aurora magazin**' को बताया था कि वो बोल्ड और धोखा देने वाला सीन करना पसंद नहीं करेंगी.

2. शान शाहिद

शान शाहिद पाकिस्तानी के जाने-माने एक्टर हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1990 में की और फिल्म 'बुलंदी' से एक्टिंग में डेब्यू किया. दो दशकों से पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे शान पाकिस्तान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले स्टार्स में से एक हैं और उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया है. शान शाहिद को आमिर खान की फिल्म 'गजनी' में एक रोल ऑफर किया गया था, जिसे उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था.

3. महविश हयात

1980 के दशक की मशहूर टीवी एक्ट्रेस रुखसार हयात की बेटी महविश इस समय टॉप पाकिस्तानी अभिनेत्रियों में से एक हैं. 2009 में एक फेमस ब्रिटिश पत्रिका ने उनका नाम दुनिया की 8वीं 'सबसे बेहतरीन एशियाई महिला' की लिस्ट में शामिल किया था. उन्होंने कई मशहूर सीरियल्स जैसे 'पंजाब नहीं जाउंगी', 'दिल्लगी', 'मिस मार्वल' और 'लंदन नहीं जाउंगा' शामिल हैं. महविश को फिल्म 'डेढ़ इश्किया' में हुमा कुरैशी का किरदार और 'फन्ने खां' में ऐश्वर्या राय का रोल ऑफर किया गया था, लेकिन एक्ट्रेस ने दोनों ऑफर रिजेक्ट कर दिए.

4. आयज़ा खान

पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयज़ा खान साल 2019 के ब्लॉकबस्टर ड्रामा 'मेरे पास तुम हो' में अपनी दमदार एक्टिंग से पाकिस्तान के साथ ही इंडिया में भी मशहूर हो गई. इसके अलावा एक्ट्रेस 'जर्द मौसम', 'तुम जो मिले', 'प्यारे अफजल', 'माये नी', 'काला जादू', 'अक्स', 'शादी मुबारक', 'मेरा सइयां 2', 'मेरे मेहरबान', 'बिखरा मेरा नसीब', 'तेरी मेरी लव स्टोरी', 'तुम कौन पिया', 'चांद तारा', 'चुपके चुपके', 'मैं' जैसे कई टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं.

अनन्या पांडे

पर Metoo का पड़ा गहरा असर, महसूस करती हैं हेल्पलेस, इंडस्ट्री से मिली पॉलिटिकल न होने की सलाह

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं. इस चर्चित सीरीज में अनन्या पांडे के अभिनय को काफी सराहा गया है. हाल ही में एक इवेंट में शिरकत करने के दौरान एक्ट्रेस ने मी टू मूवमेंट के बारे में बात करते हुए कहा कि इसका उनपर काफी गहरा असर पड़ा था और एक एक्ट्रेस के तौर पर वह खुद को कभी-कभी बहुत असहाय महसूस करती हैं.

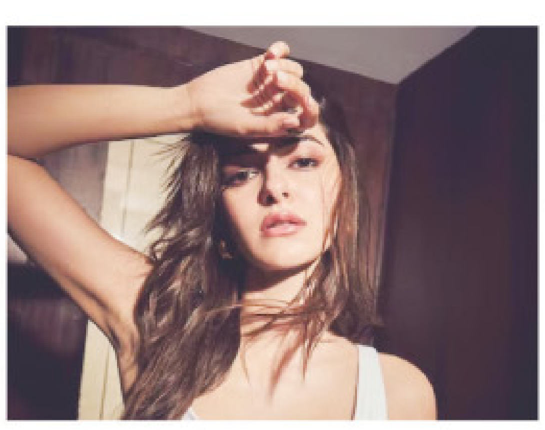

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' फेम एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री के लोगों से सलाह मिलती है कि वह ज्यादा पॉलिटिकल न हों और उन्हें ये भी बताया जाता है कि वह किस मुद्दे पर बोलें और किस पर नहीं. अनन्या पांडे का मानना है कि वह बहुत जल्द ही लोगों की बातों में आ जाती हैं.इंडिया टुडे माइंड रॉक्स यूथ समिट 2024 में शिरकत करने के दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए किसी संवेदनशील मुद्दे पर राय न रखने के निर्देशों के बावजूद वह पूरी कोशिश करती हैं कि वह अपने आदर्शों का पालन करते हुए ही फिल्मों का चयन करें.

'कॉल मी बे' में उठाया गया है महिला सशक्तिकरण का मुद्दा

अमेजन प्राइम की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' में मी टू मूवमेंट से जूझती महिलाओं के बारे में जिक्र किया गया है. इस बारे में बात करते हुए वह कहती हैं, 'मैं आपको स्पोइलर नहीं देना चाहती, लेकिन 'कॉल मी बे' काफी हद तक महिला सशक्तिकरण से डील करता है. ये एक ऐसा मुद्दा है जिसके बारे में मैं कई कारणों से बोल नहीं पाई, लेकिन मैं अपनी फिल्मों के माध्यम से कुछ करना चाहती हूं.

15 साल पहले जिसने आमिर की किस्मत चमकाई, क्या वो सलमान खान की तकदीर बदल पाएगा?

सलमान खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में बिज़ी हैं. फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादॉस कर रहे हैं. साजिद नाडियाडवाला की सिकंदर में पहली बार सलमान खान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनने वाली है. हाल ही में खबर आई कि फिल्म में शरमन जोशी की भी एंट्री हो गई है. वही शरमन जोशी, जो आमिर खान की फिल्म 3 इडियट्स में अहम रोल में नज़र आए थे. सलमान इस फिल्म के ज़रिए एक ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर देने की तैयारी में हैं. तो क्या जिस तरह शरमन के साथ काम करने पर आमिर खान को पहली ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर मिली और उनकी किस्मत चमक गई, अब सलमान की भी तकदीर शरमन बदल देंगे ?दरअसल सलमान खान की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चली हैं. 2019 में दबंग 3 आई थी, पर ये घरेलू बॉक्स ऑफिस पर डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई. इसके बाद राधे, अंतिम और किसी का भाई किसी की जान का अच्छा हश्र नहीं हुआ. इन फिल्मों से सलमान को जैसी उम्मीद रही होगी, वैसा इन्होंने प्रदर्शन नहीं किया. यही सिलसिला यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की टाइगर 3 के साथ भी चलता रहा. बड़े बजट की इस फिल्म को भी जितना कारोबार करना चाहिए था, उतना नहीं कर पाई.एक तरफ जहां सलमान खान की फिल्में कुछ खास नहीं कर पा रहीं हैं, वहीं दूसरी तरफ शाहरुख खान ने एक ही साल में तीन बड़ी हिट फिल्में दे डालीं. रणबीर कपूर ने भी एनिमल के ज़रिए बॉक्स ऑफिस पर अपनी धमक दिखाई. यहां तक कि श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 ने भी 700 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया. इन तमाम फिल्मों की कामयाबी को देखते हुए साफ है कि सलमान भी अब एक बड़ी हिट की उम्मीद कर रहे हैं.

आमिर के साथ शरमन ने रचा था इतिहास

ऐसा नहीं है कि 3 इडियट्स से पहले आमिर खान ने बड़ी हिट फिल्में नहीं दी थीं. मगर जब 3 इडियट्स आई तो वो आमिर के करियर की सबसे कामयाब फिल्म बन गई थी. इसमें आमिर के साथ शरमन जोशी और आर माधवन लीड रोल में थे. शरमन के किरदार को काफी पसंद किया गया था.

ये स्कूल नहीं जाती है क्या...ऐश्वर्या राय के बेटी संग दुबई पहुंचने पर ऐसा क्यों बोले लोग?

ऐश्वर्या राय बच्चन अक्सर अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ स्पॉट की जाती हैं. चाहे अंबानी का फंक्शन हो या फिर गणपति बप्पा के दर्शन. अब हाल ही में ऐश्वर्या और उनकी लाडली को पैपराजी ने दुबई में स्पॉट किया. ऐश्वर्या-आराध्या का दुबई में ग्रैंड वेलकम हुआ, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है. हालांकि, वीडियो को देखकर लोग आराध्या की पढ़ाई को लेकर सवाल उठाने लगे हैं.ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या के साथ दुबई में SIIM (साउथ इंडियन इंटरनेशल मूवी अवॉर्ड्स) अटेंड करने के लिए पहुंची हैं. दुबई के होटल में पहुंचते ही मां-बेटी का फूल का बुके देकर स्वागत किया गया. वीडियो में ऐश्वर्या काफी खुश नजर आ रही हैं. मगर इस क्लिप पर लोगों ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं.

ऐश्वर्या बेटी का इस्तेमाल कर रही हैं

अभिषेक के साथ सेपरेशन की अफवाहों के बीच ऐश्वर्या जब मीडिया के सामने दिखीं तो इस बार भी सिर्फ आराध्या ही उनके साथ नजर आईं. इस दौरान आराध्या टी-शर्ट और ब्लैक ट्राउजर में काफी क्यूट लग रही थीं तो ऐश्वर्या ने ऑल ब्लैक लुक कैरी किया हुआ था. एक बार फिर एक्ट्रेस को बेटी संग देखकर लोग कहने लगे कि ऐश्वर्या बस अपनी बेटी की इस्तेमाल कर रही हैं.एक यूजर ने लिखा, ऐश्वर्या बस अपनी बेटी का इस्तेमाल करती हैं. वो हर जगह ही अपनी बेटी को लेकर जाती हैं. साथ में न कभी उनकी कोई दोस्त होती, न पति और न ही परिवार का कोई और मेंबर. ऐश्वर्या ने अपनी बेटी का इस्तेमाल करके रखा हुआ है. जहां देखो उसे लेकर जाती हैं.

ये लड़की कभी पढ़ाई नहीं करती है क्या ?

ऐश्वर्या के इस वीडियो पर रिएक्ट करते एक फैन ने लिखा, बेटी के पास जाने के लिए स्कूल नहीं है ? एक तीसरे यूजर ने लिखा, ये लड़की पढ़ाई नहीं करती है क्या ?कई लोग ये सवाल उठा रहे थे कि हमेशा आराध्या बाहर ही रहती हैं तो वो स्कूल कब जाती हैं. एक और यूजर ने लिखा, अभिषेक आउट, बेटी इन‌ ये कई घरों में होता है जब बेटी बड़ी हो जाती है तो मां और बेटी हर जगह एक-दूसरे का साथ देती हैं और पति को घर में एक जगह पर फेंक दिया जाता है, लेकिन ये बिल्कुल सही नहीं है.

कुछ लोगों ने की आराध्या की तारीफ

कुछ लोगों ने इसकी भी तारीफ की, कि कैसे आराध्या बच्चन अपनी मां ऐश्वर्या राय के साथ रहती हैं. एक फैन ने लिखा, छोटी बच्ची मुश्किल समय में अपनी मां का साथ देती है और ऐश्वर्या को कभी अकेला महसूस नहीं होने देती. मुझे आराध्या बहुत पसंद है.